हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | रायपुर, शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

फर्जी जाति और दिव्यांग प्रमाणपत्र से नौकरी के थोक में मामले इसीलिए अब दस्तावेजों की जांच नियुक्ति के बाद नहीं, पहले होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति प्रमाण पत्र, फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर सरकारी नौकरी हासिल करने वालों पर शिकंजा कसेगा। राज्य में इस तरह के हजारों मामले सामने आने के बाद अब सरकार ने तय किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य में सभी विभागों के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, व्यावसायिक परीक्षा मण्डल एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित परीक्षा में चयनित अभ्यार्थियों का नियुक्ति आदेश जारी करने के पूर्व प्रशासकीय विभाग चयनित अभ्यर्थियों के समस्त आवश्यक मूल दस्तावेजों, प्रमाण पत्रों की पूर्ण जांच सत्यापन करने के बाद ही नियुक्ति आदेश जारी किया जाए।

सरकार ने जारी किया आदेश

इस संबंध में राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रदेश के सभी भारसाधक सचिवों के लिए आदेश जारी कर यह बात कही है। शासन के ध्यान में यह तथ्य आया है कि कई विभागों द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, व्यवसायिक परीक्षा मण्डल एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित परीक्षा का चयन सूची जारी उपरांत बिना पुलिस चरित्र सत्यापन तथा समस्त ⏭ शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ में दोनों तरह का फर्जीवाड़ा हजारों ने किया

केवल शपथ पत्र लेकर नहीं दे सकते नियुक्ति आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग को यह आदेश जारी करने की जरुरत इसलिए पड़ी क्योंकि खुद सरकार ने पाया कि हमेशा कई विभागों द्वारा कुछ दस्तावेजों के अभाव में शपथ पत्र लेकर नियुक्ति आदेश जारी किये जाते हैं, सरकार का मानना है कि यह प्रशासनिक दृष्टिकोण से न्यायोचित नहीं है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र पर नौकरी के मामले

छत्तीसगढ़ में फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी के कई मामले सामने आए हैं और इनकी जांच चल रही है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, यह संख्या 150 से अधिक हो सकती है। छत्तीसगढ़ दिव्यांग सेवा संघ ने आरोप लगाया है कि लगभग 127 से 150 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने फर्जी विकलांगता प्रमाण पत्र का उपयोग करके नौकरियां हासिल की हैं। उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद इन मामलों की जांच में तेजी आई है। इन मामलों में सात डिप्टी कलेक्टर, तीन नायब तहसीलदार, और विभिन्न विभागों (शिक्षा, कृषि,श्रम,आदि) के अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के मामले

छत्तीसगढ़ में फर्जी जाति प्रमाण पत्र के सैकड़ों मामले चल रहे हैं, जिनमें 2000 से 2020 तक 758 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 267 फर्जी पाए गए हैं; ये मामले सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों और छात्रों से जुड़े हैं और कई अभी भी जांच या हाई कोर्ट में अटके हुए हैं, जिस पर सरकार कार्रवाई कर रही है, पर अब भी 350 से अधिक मामलों में जांच जारी है और नए मामले भी सामने आ रहे हैं। पिछले 2 वर्षों (2023-2024) में भी कई नए फर्जी प्रमाण पत्र सामने आए हैं, और सहायक शिक्षकों के पदों पर भर्ती में भी गड़बड़ी के आरोप हैं।

ये कैसा अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के चक्कर में गई जान, तांत्रिक समेत कई हिरासत में, पूछताछ

पैसों की बारिश के लिए मुंह में नीबू डालकर गले में रस्सी फंसाकर खींची, तीन की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

उरगा थाना के ग्राम कुदरी स्थित एक फार्म हाउस मे शहर के स्क्रैप कारोबारी सहित तीन लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना बीती रात की है। तीनों की मौत कैसे और किन परिस्थिति में हुई ,यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। तीन डॉक्टरों की टीम ने मामले में पोस्टमार्टम की कार्रवाई की है,वहीं दूसरी और फोरेंसिक एक्सपर्ट व बिलासपुर रेंज के आईजी ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर पुलिस की टीम विभिन्न बिंदुओं पर मामले की तहकीकात के निर्देश दिए हैं। मामले को तंत्र-मंत्र से जोड़कर देखा जा रहा है।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि शहर के पुरानी बस्ती निवासी स्क्रैप व्यवसायी मोहम्मद अशरफ 48 वर्ष, तुलसी नगर डीएम रोड निवासी सुरेश साहू 44 वर्ष और तिफरा निवासी नीतीश रात्रे 30 वर्ष सहित कुल आठ लोग बुधवार को उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुदरी स्थित एक फार्म हाउस में शाम लगभग 5:00 बजे पहुंचे थे,जहां बिलासपुर अमेरी से आया एक तांत्रिक आशीष दास सहित अन्य लोगों द्वारा फार्म हाउस के एक कमरे मे तंत्र मंत्र किया जा रहा था। इसे पैसा झरन यानी पैसों की ⏭ शेष पेज 7 पर

जांच के बाद होगा स्पष्ट

तीन लोगों की संदिग्ध मौत हुई है। पोस्टमार्टम की कार्रवाई तीन चिकित्सकों की टीम ने की है। फिलहाल शॉर्ट पीएम रिपोर्ट भी नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्पष्ट होगा कि तीनों की मौत कैसे हुई है, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

-भूषण एक्का नगर पुलिस अधीक्षक,कोरबा

आधा दर्जन हिरासत में

पुलिस ने आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर भी पूछताछ शुरू की है। दूसरी ओर फार्म हाउस में तांत्रिक आशीष दास व उसके साथ आए उसके सहयोगियों की मृतकों के परिजनों ने देर रात जमकर पिटाई कर दी, जिससे तांत्रिक आशीष दास सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। तीनों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में दाखिल कराया गया है।

पैसा झरन क्रिया कर रहा था तांत्रिक

पुलिस के सूत्र बताते हैं कि पड़ोसी जिला बिलासपुर के ग्राम अमेरी निवासी तांत्रिक आशीष दास अपने साथियों के साथ पैसा झरन पैसो की बारिश करने के लिए फावड़ा लेकर आया हुआ था। उसने वहां मौजूद लोगों को 5 लाख रुपये को तंत्र विद्या से ढाई करोड़ रुपए में बदलने का झांसा दिया था। उसके इसी झांसे में आकर वहां मौजूद लोगों द्वारा तांत्रिक विद्या कराई जा रही थी। रकम हासिल करने के बाद रकम को आपस में बांटने की योजना ⏭ शेष पेज 7 पर

डीपीएस का 17 वां वार्षिकोत्सव

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा-हर क्षेत्र में विनर तैयार कर रहा डीपीएस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दिल्ली पब्लिक स्कूल बिलासपुर का 17वां वार्षिकोत्सव गरिमामय ढंग से आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि डीपीएस नाम सुनते ही मल्टी सुपर स्पेशलिटी एजुकेशन सोयायटी ध्यान में आने लगता है। यहां के बच्चे पढ़ाई में प्रदेश स्तर पर तो टॉपर हैं ही, लेकिन स्कूल में उन्हें पढ़ाई के अलावा हर क्षेत्र में तैयार कर विनर बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता हरियाणा सरकार के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु सिंधु ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी मौजूद रहे। समारोह में मुख्य रूप से सिंधु एजुकेशन फाऊंडेशन की चेयरपर्सन डा.एकता सिंधु, एसीबी इंडिया के ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर वीरसेन सिंधु शामिल हुए। ⏭ शेष पेज 7 पर

शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने रखी गई नींव : डॉ. द्विवेदी

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कहा कि किसी भी शहर में निवास करने से पहले वहां की शिक्षा व्यवस्था एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष तौर पर ध्यान दिया जाता है। वहां उपलब्ध इन दोनों सुविधाओं के स्तर का आंकलन करते हुए ही यह तय किया जाता है कि वह शहर रहने लायक है कि नहीं। छत्तीसगढ़ गठन के पश्चात प्रदेश की ⏭ शेष पेज 7 पर

मुख्यमंत्री ने किया संभाग स्तरीय बस्तर ओलंपिक का शुभारंभ

सीएम साय बोले-बस्तर अब शांति समरसता-समृद्धि की ओर अग्रसर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर ओलंपिक के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का गुरूवार को स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में विधिवत शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समूचे बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा ⏭ शेष पेज 7 पर

ये रहे मौजूद: इस अवसर पर विधायक विनायक गोयल, चैतराम अटामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी. कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी, राष्ट्रीय खिलाड़ी किरण पिस्दा एवं खुशबू नाग के साथ बड़ी संख्या में खेलप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हार से अच्छा करने की मिलती है प्रेरणा

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बस्तर प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है और इस धरा का समग्र विकास करने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। बस्तर ओलम्पिक यहां के युवाओं को खेल की दृष्टि से आगे बढ़ाए जाने की पहल के साथ उन्हें विकास में सहभागिता निभाने प्रोत्साहित करना है। बस्तर में खेल के अधोसंरचना को और बेहतर किया जाएगा, ताकि खिलाडियों को उचित मंच दिया जा सके।

युवाओं को मुख्यधारा में जोड़ने का प्रयास

इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि बस्तर ओलम्पिक युवाओं को विकास के मुख्यधारा से जोड़ने का सकारात्मक प्रयास है। सरकार इस दिशा में लगातार पहल कर बस्तर के अंदरूनी ईलाके के युवाओं को ज्यादा मौके देकर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। भविष्य में इस दिशा में और बेहतर पहल किया जाएगा।

बस्तर ओलंपिक के समापन में होंगे शामिल उससे पहले नक्सल मुद्दे पर चर्चा

शाह आज आएंगे, रायपुर में रुकेंगे रात, फिर जाएंगे बस्तर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 11 दिनों बाद एक बार फिर शुक्रवार की रात को रायपुर पहुंचे रहे हैं। वे रात को यहां पर विश्राम करने के बाद अगले दिन रायपुर में नक्सल मुद्दे पर उच्चस्तरीय चर्चा कर सकते हैं। इसके बाद वे यहां से विशेष विमान से जगलपुर के लिए रवाना होंगे। वहां बस्तर ओलंपिक का समापन करने के बाद वहीं से दिल्ली वापस जाएंगे। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने देश ⏭ शेष पेज 7 पर

दो घंटे का समय आरक्षित

श्री शाह शनिवार को यहां पर सुबह 11 बजे से लेकर एक बजे तक नक्सल मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। वैसे इसका खुलासा नहीं किया जा रहा है। दो घंटे का समय आरक्षित रखा गया है। जानकारों का कहना है, इस समय में वे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम और गृह मंत्री विजय शर्मा, प्रदेश के अधिकारियों के साथ नक्सलवाद पर चर्चा करेंगे। अब तक क्या-क्या हुआ है, इसकी पूरी जानकारी लेंगे। बैठक के बाद वे मेयफेयर में ही भोजन करेंगे और जगदलपुर रवाना होंगे।

इंडिगो का ऐलान, 3-5 दिसंबर के दौरान फंसे यात्रियों को पैकेज

यात्रियों को मुआवजा और 10 हजार का ट्रैवल वाउचर!

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

हरिभूमि फॉलोअप

परिचालन संबंधी व्यवधानों से जूझ रही विमानन कंपनी इंडिगो उड़ानें रद्द होने या विलंब के कारण प्रभावित यात्रियों को 10,000 रुपए के यात्रा 'वाउचर' देगी। यह वाउचर तीन से पांच दिसंबर के दौरान उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को दिया जाएगा। यह नागर विमानन महानिदेशालय के मानदंडों के तहत उड़ान रद्द होने पर यात्रियों को प्रदान की जाने वाली राशि के अतिरिक्त होगा। इंडिगो ने बयान में खेद जताते हुए कहा कि तीन, चार और पांच दिसंबर को यात्रा करने वाले उसके कुछ ग्राहक कई घंटों तक ⏭ शेष पेज 7 पर

यात्री ईमेल चेक करें

इंडिगो ने बताया कि 10 हजार रुपए का ट्रैवल वाउचर उन यात्रियों दी जाएंगी, जिनकी यात्राएं एक से ज्यादा बार बदलनी पड़ीं, यानी जिनकी उड़ानें बार-बार रीशेड्यूल हुईं, या जिन्हें एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपने रजिस्टर्ड ईमेल और मोबाइल नंबर पर भेजे गए मैसेज को चेक करें, ताकि उन्हें मुआवजा और वाउचर क्लेम करने की प्रक्रिया में आसानी हो।

इंडिगो ने यात्रियों से मांगी माफी

कंपनी के अनुसार, मुआवजा राशि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत दी जाएगी, जिन यात्रियों की उड़ानें एयरलाइन की वजह से रद्द हुईं, वे नियमों के मुताबिक इस मुआवजे के हकदार हैं। इंडिगो ने स्पष्ट किया कि मुआवजा राशि फ्लाइट की दूरी, टिकट श्रेणी और यात्री को हुई असुविधा के आधार पर दी जाएगी। इसका उद्देश्य यात्रियों को हुए आर्थिक नुकसान और अनावश्यक परेशानी को कम करना है। इंडिगो ने बयान जारी कर कहा कि रद्द उड़ानों के कारण जिन यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी, उनके लिए कंपनी खेद व्यक्त करती है।

ट्रंप गोल्ड कार्ड लागू, 9 करोड़ रुपए में मिलेगी अमेरिकी नागरिकता

यह तेजी से परमानेंट नागरिक बनने का प्रदान करेगी अवसर

लॉन्च करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, यह ग्रीन कार्ड जैसा

इसके लिए अप्लाई करने वाले आएंगे ईबी-1 या ईबी-2 वीजा कैटेगरी में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी नागरिकता का रास्ता तैयार करने वाला गोल्ड कार्ड लांच कर दिया है। इसे ट्रंप गोल्ड कार्ड वीजा के नाम से जाना जाएगा। इसके माध्यम से अमीर व्यक्ति यूएस सिटिजन बन सकते हैं। यह देश में तेजी से परमानेंट नागरिक बनने का अवसर प्रदान करेगी। इसकी लागत 1 मिलयन डॉलर रखी गई है। यानी भारतीय रुपयों में 9 करोड़ रुपये में अमेरिका की नागरिकता ट्रंप के गोल्ड कार्ड से मिल सकती है। इसे दो रूपों में लांच किया गया है। कार्ड लॉन्च करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह कुछ हद तक ग्रीन कार्ड जैसा है, लेकिन ग्रीन कार्ड की तुलना में इसके बड़े फायदे हैं। गोल्ड कार्ड जैसी नई व्यवस्था के बाद प्लेटिनम वर्जन भी आएगा, जिसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर (45 करोड़) होगी।

यह कार्ड विदेशी प्रतिभा को बनाए रखने की देता अनुमति

यह कार्ड कंपनियों को कॉरपोरेट स्पॉन्सरशिप के जरिए विदेशी प्रतिभा को बनाए रखने की अनुमति भी देता है, यानी कंपनियाँ कार्ड खरीदकर अपने चुने हुए कर्मचारियों को अमेरिका में रख सकती हैं। 'गोल्ड कार्ड' की आधिकारिक वेबसाइट अब लाइव हो गई है और व्हाइट हाउस नई नागरिकता मार्ग (पाथ टू सिटिजनशिप) के लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार कर रहा है। कॉरपोरेट गोल्ड कार्ड के बारे में ट्रंप ने कहा- कंपनियाँ अब किसी भी कॉलेज से अपने छात्रों को चुन सकती हैं। आप एक कार्ड खरीदकर उस व्यक्ति को संयुक्त राज्य अमेरिका में रख सकते हैं।

वीआईपी को दिया जाता है ईबी1, ईबी2 वीजा

ट्रंप के अनुसार यह गोल्ड कार्ड एक फास्ट ट्रैक टू सिटिजन है। इसके जरिए योग्य विदेशी नागरिक 10 लाख डॉलर देकर अमेरिका के नागरिक बन सकेंगे। गोल्ड कार्ड के तहत इसके लिए अप्लाई करने वाले ईबी-1 या ईबी-2 वीजा कैटेगरी में आएंगे। यह वीजा आम तौर पर टॉप रिसर्चर, प्रोफेसर, फेमस कलाकारों या बिजनेस लीडर्स को दिए जाते हैं। इससे आगे चलकर ग्रीन कार्ड (स्थायी निवास) और फिर आगे नागरिकता का रास्ता खुल जाता है। ट्रंप ने इसे लांच करते हुए कहा कि कई टैलेंटेड स्टूडेंट्स कॉलेज से निकलने के बाद भारत, चीन या अपने देश लौट जाते हैं।

ट्रंप गोल्ड कार्ड सिटिजनशिप कार्यक्रम

यह पहल सितंबर में कार्यकारी आदेश 14351 के तहत स्थापित किए गए ट्रंप गोल्ड कार्ड कार्यक्रम पर आधारित है। इसमें उच्च आय वाले व्यक्तियों को अमेरिका में स्थायी निवास (ग्रीन कार्ड) पाने के लिए फास्ट-ट्रैक मार्ग प्रदान करने वाली निवेशक वीजा प्रणाली बनाई गई थी। 'ट्रंप गोल्ड कार्ड' एक वीजा है जिसके लिए आवेदक को 15,000 डॉलर का नॉन-रिफंडेबल प्रोसेसिंग शुल्क अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) को देना होता है। ट्रंप गोल्ड कार्ड तीन विकल्पों के साथ आया है। आवेदक तीन स्तरों में से किसी एक को चुन सकते हैं।

तीन स्तरों में आवेदन विकल्प

- **ट्रंप गोल्ड कार्ड (व्यक्तिगत स्तर)** : 10 लाख अमेरिकी डॉलर का एकमुश्त भुगतान जो गैर-वापसी योग्य होगी, साथ ही 15 हजार डालर का प्रोसेसिंग शुल्क भी
- **ट्रंप कॉरपोरेट गोल्ड कार्ड (कंपनियों के लिए)** : 2 लाख डॉलर का भुगतान, इसके साथ में 15,000 अमेरिकी डॉलर डीएचएस शुल्क। यह कार्ड किसी कर्मचारी से दूसरे कर्मचारी को ट्रांसफर किया जा सकता है 5% ट्रांसफर शुल्क के साथ। इसमें डीएचएस की बैकग्राउंड जांच लागू होगी
- **ट्रंप प्लेटिनम कार्ड (सबसे उच्च स्तर)** : 5,000,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान, 15 हजार डॉलर प्रोसेसिंग शुल्क। इसके तहत धारकों को हर साल 270 दिन तक अमेरिका में रहने की अनुमति. विदेशी आय पर टैक्स नहीं लगेगा

खबर संक्षेप

मेलोनी ने भेजा न्योता मोदी बोले 'जरूर आएंगे'

नई दिल्ली। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अपने उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंतोनियो तायानी से भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इटली आने का न्योता भेजा है। पीएम मोदी ने भी इटली की पीएम का न्योता स्वीकार कर लिया है और कहा है कि वह इटली जरूर आएंगे। इटली के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एंतोनियो तायानी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद गुरुवार को कहा कि उन्होंने अपनी पीएम जॉर्जिया मेलोनी की ओर से पीएम मोदी को इटली आने का निमंत्रण दिया है, और पीएम मोदी ने इसके लिए 'हां' कह दिया है।

सरकारी संस्थानों को खत्म करने की साजिश : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकारी संस्थानों को खत्म करने की गहरी साजिश के तहत उनकी स्थिति खराब की जा रही है, जो भारत की आत्मा पर आघात है। कांग्रेस नेता ने भारत प्रतिरक्षा और जैविक निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात का वीडियो साझा करते हुए यह भी कहा कि राजग सरकार की निजीकरण की नीति भारत के लिए बहुत बड़ा अभिशाप बन गया है।

चीनी नागरिक निर्वासित काली सूची में डाला गया

श्रीनगर। लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में वीजा निमयों का उल्लंघन कर दाखिल हुए चीन के नागरिक हू कोंगताई को हांगकांग निर्वासित कर दिया गया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29 वर्षीय हू को निर्वासित करने और काली सूची में डालने का निर्णय उसके मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच पूरी होने के बाद लिया गया क्योंकि वह लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में रणनीतिक महत्व के स्थानों पर गया था। अधिकारियों ने बताया, 'पिछले सप्ताह यहां हिरासत में लिए गए चीन के नागरिक को 10 दिसंबर की शाम को हांगकांग निर्वासित करने के लिए दिल्ली भेज दिया गया है।

राज्यसभा में भिड़े खड़गे-नड्डा, हुई तीखी बहस

वंदे मातरम को लेकर बहस में उछाला गया नेहरू का नाम, संसद में हंगामा

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर हो रही संसद में चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

वंदे मातरम और नेहरू पर गुरुवार को भी राज्यसभा का तापमान बढ़ा रहा। सदन के नेता एवं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एवं नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बीच तीखी बहस हुई। दोनों नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। नड्डा ने कहा कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को वह सम्मान एवं स्थान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए तथा देश को संकल्प लेना चाहिए कि इसे वही दर्जा मिले जो राष्ट्र गान या राष्ट्रीय ध्वज को मिला है। इस सिलसिले में उन्होंने प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू पर वंदे मातरम का अपमान करने का आरोप लगाया। नेहरू पर टिप्पणी से खड़गे भड़क गए। नड्डा के भाषण के दौरान हस्तक्षेप किया और पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर चर्चा का मुख्य विषय जवाहरलाल नेहरू हैं। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

हम नहीं करना चाहते नेहरू की छवि धूमिल

दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर जवाहरलाल नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तो मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है।.. दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उनमें आस्था है। इन टिप्पणियों के कारण राज्यसभा में हंगामा मच गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यसभा में वंदे मातरम पर बहस का समापन करते हुए जेपी नड्डा ने जोर देकर कहा कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती।

नड्डा के आरोप

नड्डा ने कहा कि पहले तो आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को 'खंडित' स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को साकार किया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके 'समर्पित' कर दिया, 'खंडित' कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया।.. देश समझौतों से नहीं चलता - यही हमारी विचारधारा है। यह इतिहास की सच्चाइयों और अटूट राष्ट्रवाद की भावनाओं को ध्यान में रखकर चलता है। वंदे मातरम हमारे राष्ट्रवाद से जुड़ा गीत है। इसे वही स्थान मिलना चाहिए जो हमने राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान को दिया है।

आरोप : टीएमसी सांसद सदन में ई-सिगरेट पी रहे

लोकसभा में गुरुवार को ई-सिगरेट पीने का मुद्दा छाया रहा। बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि टीएमसी के कुछ सांसद सदन के भीतर ई-सिगरेट पीते दिखे हैं। उनके आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आश्वासन दिया कि शिकायत की जांच कराई जाएगी और कार्रवाई करेंगे। इस बीच गुरुवार को ही संसद भवन और संविधान सदन के बीच में संसद भवन परिसर में टीएमसी सांसद सौगत राय सिगरेट पीते हुए देखे गए। सौगत राय ने कहा कि, बिल्डिंग के अंदर धूम्रपान मना है, लेकिन बाहर कोई आपत्ति नहीं।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड

थाईलैंड में लूथरा ब्रदर्स गिरफ्तार, जमानत नहीं

एजेंसी ▶▶| पणजी/नई दिल्ली

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के बाद देश छोड़कर भागे लूथरा ब्रदर्स को बड़ा झटका लगा है। थाईलैंड में गौरव और सौरभ लूथरा को अरेस्ट किए जाने के बाद गुरुवार को दिल्ली की कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। गोवा के नाइट क्लब में आग लगने की घटना के बाद दोनों मालिक इंडिगो की फ्लाइट से भाग गए थे।

इसके बाद गोवा पुलिस ने लूथरा ब्रदर्स पर शिकंजा कसा था। गोवा सरकार के आग्रह पर भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने दोनों भाईयों के पासपोर्ट सस्पेंड कर दिए थे। दोनों भाईयों ने चारों तरफ से शिकंजा कसने के बाद दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। गोवा के 'बर्च बाय रोमियो लेन' नाइट क्लब में भीषण आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई थी। यह भयावह हादसा 7 दिसंबर को हुआ था।

गोवा अग्निकांड में भगोड़े मालिकों का पासपोर्ट रद्द होने और थाईलैंड में गिरफ्तारी के बाद उन्हें भारत लाया जा रहा है। यहां पहुंचने पर गोवा पुलिस दोनों भाईयों को अपनी कस्टडी में लेगी। गोवा पुलिस और गृह मंत्रालय के एक्शन से 4 दिन के अंदर थाइलैंड में पकड़ लिए गए। हादसे के वक्त लूथरा ब्रदर्स दिल्ली में थे। इससे उन्हें भागने का मौक़ा मिल गया था।

घटना के बाद विदेश भागे लूथरा ब्रदर्स

रोहिणी कोर्ट की जज वंदना ने लूथरा ब्रदर्स की याचिका को खारिज कर दिया। अब दोनों भाईयों के भारत पहुंचने पर गिरफ्तार करने में कोई बाधा नहीं आएगी। लूथरा ब्रदर्स की तरफ से सीनियर एडवोकेट तनवीर अहमद ने कोर्ट में कहा कि एफआईआर के अनुसार यह घटना लापरवाही से हुई थी न कि हत्या के इरादे से हुई। वकील ने कहा कि लूथरा ब्रदर्स फरार नहीं है। आरोपी दोषी नहीं है। कोर्ट ने इन दलीलों को सुनने के बाद बेल याचिका खारिज कर दी।

शरजील-उमर पर आतंक की धारा क्यों, खालिद को अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से किया सवाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

2020 में दिल्ली में हुए दंगे से जुड़े केसों में लंबे समय से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम समेत अन्य आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

बुधवार को सुनवाई पूरी होने से सर्वोच्च अदालत ने दिल्ली पुलिस से पूछा कि क्या यूएपीए की धारा 15 भाषण देने को लेकर उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य के खिलाफ लगाई जा सकती है, जो आतंकी गतिविधियों के लिए है? छह आरोपियों की जमानत याजिका पर आदेश सुरक्षित रखने वाली जस्टिस अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की बेंच ने अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से यह जवाब तब मांगा जब वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने तर्क दिया कि दिए गए भाषणों पर अधिकतम धारा 13 (गैर-कानूनी गतिविधियां) और धारा 18 (षड्यंत्र) ही लगाई जा सकती हैं। एएसजी ने कहा कि आरोपियों की साजिश की वजह से दंगा हुआ।

खालिद को मिली 14 दिन की अंतरिम जमानत

दिल्ली की ट्रायल कोर्ट ने उत्तर-पूर्व दिल्ली दंगे 2020 की कथित 'बड़ी साजिश' मामले में आरोपी उमर खालिद को उनकी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 14 दिन की 16 से 29 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने खालिद को जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी लगाई हैं। जिसके तहत, जमानत के दौरान वह दिल्ली-एनसीआर से बाहर नहीं जा सकेगा। उसे जांच अधिकारी को अपना मोबाइल नंबर और अपनी लोकेशन देनी होगी और अंतरिम जमानत की अवधि तक इसे चालू रखना होगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि अंतरिम जमानत अवधि के दौरान आवेदक अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदार और दोस्तों से ही मुलाकात करेगा।

समंदर में संग्राम

मादुरो ने कहा- यह समुद्री डकैती

हेलीकॉप्टर से उतरी यूएस आर्मी वेनेजुएला के जहाज पर कब्जा

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका ने वेनेजुएला के तट के पास बीच समंदर में एक बहुत बड़े क्रूड ऑयल टैंकर को जब्त कर लिया। बुधवार को अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन का 45 सेकेंड का वीडियो जारी किया। वीडियो में दो सैन्य हेलिकॉप्टर समुद्र के ऊपर से तेजी से उड़ते हुए एक टैंकर को घेरते हैं। उनसे कई कमांडो रस्सियों के सहारे टैंकर के डेक पर उतरते हैं और कुछ ही मिनटों में टैंकर को अपने कब्जे में ले लेते हैं। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी इस जब्ती की पुष्टि की। उन्होंने व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि हमने अभी-अभी वेनेजुएला के तट से एक टैंकर जब्त किया है। यह टैंकर अब तक का जब्त किया गया सबसे बड़ा टैंकर है। दूसरी ओर, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने इस कार्रवाई को समुद्री डकैती और खुलेआम चोरी करार देते हुए कड़ी निंदा की है।

अमेरिका ने बैन किया है यह टैंकर

ट्रंप के बयान के कुछ घंटों के बाद अटॉर्नी जनरल पाम बोंडी ने एक्स पर एक पोस्ट में वीडियो साझा किया और कहा कि सरकार ने वेनेजुएला और ईरान से आ रहे एक टैंकर पर जब्ती वारंट को लागू किया है। बता दें, कई सालों से, यह तेल टैंकर एक अवैध तेल शिपिंग नेटवर्क में शामिल होने के कारण अमेरिका द्वारा बैन था, क्योंकि, यह विदेशी आतंकवादी संगठनों को सपोर्ट करता था। अमेरिकी सैनिकों द्वारा इस जहाज की जब्ती वेनेजुएला के तट के पास की गई। बैन तेल के ट्रांसपोर्ट को रोकने के लिए होमलैंड सिक्योरिटी विभाग द्वारा जांच जारी है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी पहुंचे थे टोयोटा 'मिराई' से, बने चर्चा का केंद्र

संसद में हाइड्रोजन कार, जीरो एमिशन, पॉल्यूशन भी नहीं

चलते वक्त यह कार छोड़ती है सिर्फ पानी की भाप

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी गुरुवार को जब संसद पहुंचे तो लोगों की नजर उनकी हाइड्रोजन से चलने वाली कार पर ठहर गई। मंत्री ने बताया कि नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में आज टोयोटा किर्लोस्कर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोलर एनर्जी (एनआईएसई) के बीच हाइड्रोजन तकनीक को बढ़ावा देने के लिए एमओयू साइन हुआ है। वे जिस कार को खुद ड्राइव करके संसद पहुंचे, वह टोयोटा मिराई है। 'मिराई' जापानी शब्द है जिसका अर्थ है- भविष्य। यह गाड़ी जीरो एमिशन, कम आवाज और पूरी तरह हाइड्रोजन से चलने वाली तकनीक पर आधारित है। कार चलते वक्त सिर्फ पानी की भाप छोड़ती है।

यह है हाइड्रोजन कार : हाइड्रोजन कार ऐसी इलेक्ट्रिक कार होती है, जिसमें बैटरी की जगह फ्यूल सेल का उपयोग किया जाता है। इसमें हाइड्रोजन गैस को टैंक में स्टोर किया जाता है। हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक क्रिया से बिजली बनती है। इसी बिजली से कार का मोटर चलता है। एग्जॉस्ट से सिर्फ पानी की भाप निकलती है, कोई प्रदूषण नहीं।

हाइड्रोजन कार के फायदे

1. जीरो एमिशन- कार से सिर्फ पानी की भाप निकलती है—धुआं, सीओटू, एनओएक्स कुछ भी नहीं।
2. ईवी से तेज चार्जिंग- हाइड्रोजन कार को 3–5 मिनट में फ्यूल भरकर दोबारा चलाया जा सकता है।
3. लंबी रेंज- एक बार फ्यूल भरने पर लगभग 600–700 किमी तक की यात्रा आराम से की जा सकती है।
4. शांत और स्मूद ड्राइव- इसमें इंजन नहीं, मोटर है, इसलिए आवाज बेहद कम।

भारत में हाइड्रोजन कार क्यों जरूरी?

भारत के लिए यह कार बहुत फायदेमंद हो सकती है। दिल्ली जैसे शहरों में बढ़ता प्रदूषण गंभीर चुनौती है। हाइड्रोजन कारें इस समस्या का समाधान प्रदान कर सकती हैं। भारत कच्चे तेल का 85% आयात करता है। हाइड्रोजन और ग्रीन ऊर्जा से देश की विदेशी निर्भरता कम होगी। भारत 2030 तक दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादक बनने का लक्ष्य रखता है। इससे रोजगार, उद्योग और स्वदेशी तकनीक तेज़ी से बढ़ेगी।

कब आएगी भारतीय बाजार में?

आने वाले सालों में हाइड्रोजन कार भारतीय बाजार में दिखाई पड़ेंगी। अभी भारत में हाइड्रोजन कारें कमर्शियल बिक्री में नहीं हैं, लेकिन टोयोटा मिराई की अंतरराष्ट्रीय कीमत और भारतीय टैक्स स्ट्रक्चर के आधार पर भारत में इसकी कीमत 55–70 लाख होगी। जबकि विदेश में इसकी कीमत लगभग $49,500–$66,000 है।

कार का मेंटेनेंस खर्च

हाइड्रोजन कार का मेंटेनेंस बहुत ही कम है। देखा जाए तो एकदम ईवी की तरह है। इसकी वजह यह है कि हाइड्रोजन कार में इंजन, गियरबॉक्स और क्लच नहीं होते हैं, इसलिए मेंटेनेंस पेट्रोल-डीजल से बहुत कम होगा।

क्यों पड़ सकती है?

हाइड्रोजन फ्यूल स्टेशन बेहद कम- देश में अभी 2-3 पायलट स्टेशन ही हैं। जब नेटवर्क बढ़ेगा, लागत कम होगी।

हाइड्रोजन का उत्पादन अभी महंगा- ग्रीन हाइड्रोजन बनाना अभी 4-5 गुना महंगा है। लेकिन सरकार 2030 तक उत्पादन लागत 75% तक घटाने का लक्ष्य रखती है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

14 से विस का शीत सत्र

पहले दिन विजन 2047 पर चर्चा

ये रजत जयंती वर्ष उपलब्धि से भरपूर रहा। रजत जयंती के परिप्रेक्ष्य में 14 दिसंबर 2024 को इस आयोजन की शुरुआत हुई। वृत्त चित्र और छाया चित्रों की प्रदर्शनी का आयोजन हुआ, ये नवंबर 2025 तक जारी रहा। उन्होंने कहा, सत्र के पहले दिन यानी 14 दिसंबर को विजन 2047 पर चर्चा होगी। ये चर्चा राष्ट्र और राज्य के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित होगी। इसके माध्यम से हम राज्य के दीर्घकालीन विकास संकल्पों पर विमर्श करेंगे।

सत्र में होंगी 4 बैठकें

उन्होंने बताया कि 14 से 17 दिसंबर तक विधानसभा का शीतकालीन सत्र आयोजित है। सत्र के दौरान कुल 4 बैठकें होंगी। 628 प्रश्नों की सूचना प्राप्त हुई है। 48 ध्यानाकर्षण, एक लोक महत्व के विषय, 9 अशासकीय संकल्प, शून्यकाल की 4, 77 याचिकाओं पर भी चर्चा होगी। 16 दिसंबर को अनुपूरक मांग पर चर्चा होगी। छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा शर्तों का विनिमय संशोधन विधेयक, 2025 विधानसभा में पारित किया जाएगा। विभागों से प्राप्त प्रतिवेदनों को भी पटल पर रखा जाएगा।

रमन ने कहा- हम पेपरलेस और बायोमैट्रिक जैसी आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहे

नया भवन, नई व्यवस्था...मंत्री-विधायकों की कुर्सी पर बैठकर डॉ. रमन ने जांचा, आसंदी पर भी बैठे, पहली दफा रविवार से सत्र की शुरुआत

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र 14 दिसंबर से शुरू हो रहा है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब रविवार अवकाश के दिन भी विधानसभा की कार्यवाही होगी। सामान्य तौर पर सदन का अवकाश होता है, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्तव्य बोध के आवाहन से प्रेरित होकर रविवार को सदन की कार्रवाई सुनिश्चित की गई, क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद विधानसभा की पहली बैठक 14 दिसंबर को हुई थी। 25 वर्षों की यात्रा आज भव्य नए विधानसभा भवन

तक आ पहुंची है। गुरुवार को डा. रमन ने सदन की कुर्सियों का भी अवलोकन किया। आसंदी पर बैठकर देखा, साथ ही मंत्री, विधायकों की कुर्सियों का भी बैठकर परीक्षण किया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा, हम पेपरलेस और बायोमैट्रिक जैसी आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहे हैं। 14 दिसंबर को छत्तीसगढ़ की विधानसभा के 25 साल पूरे हो रहे हैं। ये रजत जयंती वर्ष उपलब्धि से भरपूर रहा। उन्होंने कहा, हम पेपरलेस और बायोमैट्रिक जैसी आधुनिक सुविधाओं की ओर बढ़ रहे हैं। 14 दिसंबर को छत्तीसगढ़ की विधानसभा के 25 साल पूरे हो रहे हैं। बीते 25 वर्षों में कुल 76 सत्रों में 773 बैठकें हुई हैं और सदन की कार्यवाही 3456 घंटे 19 मिनट चली है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सबरीमला मंडल पूजा के लिए बुकिंग शुरू

पथनमथिट्टा। सबरीमला मंडल पूजा के लिए डिजिटल कतार बुकिंग बृहस्पतिवार शाम से शुरू होगी। डिजिटल बुकिंग शाम पांच बजे से शुरू होगी। सबरीमला ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से 26 और 27 दिसंबर को दर्शन के लिए 'डिजिटल कतार स्लॉट' बुक किए जा सकते हैं।

उमेश होंगे बिलासपुर के नए डीआरएम

बिलासपुर। रेल मंडल बिलासपुर के वर्तमान डीआरएम राजमल खोईवाल का अचानक ट्रांसफर कर दिया गया है, जिनके स्थान पर डीआरएम का पोस्ट वेस्टर्न रेलवे मुम्बई के चीफ सिग्नल इंजीनियर उमेश कुमार को दिया गया है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर डिवीजन के डीआरएम के पद पर राजमल खोईवाल पदस्थ थे। गुरुवार की रात अचानक रेल मंत्रालय ने डीआरएम राजमल खोईवाल का ट्रांसफर आर्डर जारी कर दिया है।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला, अंडमान एवं निकोबार को भी दिया समय

ईसी ने पांच राज्यों में बढ़ाई समय सीमा छत्तीसगढ़ में अब 18 तक एसआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने संबंधित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर यह कदम उठाया गया है। निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और उत्तर प्रदेश में एसआईआर के लिए संशोधित कार्यक्रम जारी किया। इन छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के लिए गणना प्रपत्र की अवधि गुरुवार को समाप्त होनी थी और मतदाता सूचियों का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाना था। बयान में कहा गया है कि तमिलनाडु और गुजरात के लिए एसआईआर प्रक्रिया की अवधि 14 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। मतदाता सूची का मसौदा 19 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ▶▶| शेष पेज 7 पर

■ निर्वाचन अधिकारियों के अनुरोध पर बढ़ाई गई तारीख

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर की समय सीमा को बढ़ाया है। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और अंडमान निकोबार में 18 दिसंबर तक ये प्रक्रिया जारी रहेगी। उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर तक एसआईआर प्रक्रिया की समयसीमा को बढ़ाई गई है। आयोग का मानना है कि मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाना प्राथमिकता है, इसलिए अतिरिक्त समय देना आवश्यक हो सकता है।

कब तक कहां अंतिम तारीख

तमिलनाडु- 14 दिसंबर
गुजरात-14 दिसंबर
छत्तीसगढ़-18 दिसंबर
मध्यप्रदेश-18 दिसंबर
अंडमान-निकोबार -18 दिसंबर
उत्तरप्रदेश- 26 दिसंबर

अंतिम तिथि बढ़ाई

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन की समयसीमा में संशोधन किया है। अंतिम प्रकाशन की तिथि को पहले की निर्धारित तिथि से बदलकर 14 फरवरी, 2026 कर दिया है। आदेश में, चुनाव आयोग ने कहा कि बड़े पैमाने पर जनगणना कार्य और राज्य भर में मतदान केंद्रों के उचित सत्यापन और युक्तिकरण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विस्तार प्रदान किया गया है।

16 दिसंबर को पब्लिश होगा

आयोग ने बताया कि गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के लिए समयसीमा गुरुवार को ही समाप्त होगी और ड्राफ्ट मतदाता सूची 16 दिसंबर को पब्लिश की जाएगी। केरल में पहले ही अखिरी तारीख 18 दिसंबर कर दी गई थी जिसका ड्राफ्ट 23 दिसंबर को पब्लिश होगा।

एसआईआर क्या है

यह चुनाव आयोग की एक प्रक्रिया है। इसमें वोटर लिस्ट अपडेट की जाती है। इसमें 18 साल से ज्यादा के नए वोटर्स को जोड़ा जाता है। ऐसे लोग जिनकी मौत हो चुकी है। जो शिफ्ट हो चुके हैं उनके नाम हटाए जाते हैं। वोटर लिस्ट में नाम, पते में हुई गलतियों को भी ठीक किया जाता है। बीएलओ घर-घर जाकर खुद फॉर्म भरवाते हैं।

केरल के लिए पहले ही बदला गया था शेड्यूल

केरल के लिए शेड्यूल पहले बदला गया था। केरल राज्य के लिए गिनती का समय 18 दिसंबर तक खत्म हो जाएगा। ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल 23 दिसंबर को पब्लिश किया जाएगा। यह पक्का करने के लिए कि कोई भी एलिजिबल वोटर पीछे न छूटे, नए वोटरों को डिक्लेरेशन के साथ फॉर्म 6 भरकर बीएलओ को जमा करने के लिए बढ़ावा दिया जा रहा है या ईसीआई नेट ऐप/वेबसाइट **https://voters.eci.gov.in/** का इस्तेमाल करके फॉर्म और डिक्लेरेशन ऑनलाइन भरकर अपना नाम फाइनल इलेक्टोरल रोल में शामिल करवा सकते हैं, जो फरवरी, 2026 में पब्लिश होगा।

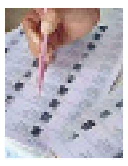

हाई स्कूल मनबासा का मामला

अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद छात्राएं बेहोश, मचा हड़कंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| वाड्रफनगर/ अंबिकापुर

गुरुवार को अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद 9वीं और 10 वीं की छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। स्कूल में परीक्षा देने आई लगभग 10 से 11 बच्चियां अचानक ही रोने लगी और कुछ बेहोशी की स्थिति में पहुंच गई। इस घटना के बाद स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बच्चियों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में 8 छात्राओं का उपचार जारी है और सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है लेकिन एक साथ इतनी बच्चियों की तबीयत बिगड़ने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। स्कूल शिक्षा विभाग के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ▶▶| शेष पेज 7 पर

■ 8 को कराया गया अस्पताल में भर्ती, सभी का चल रहा उपचार, कारण अस्पष्ट

बच्चियों की स्थिति सामान्य

हाई स्कूल मनबासा में अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद बच्चियों की तबीयत बिगड़ गई थी। 8 बच्चियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका उपचार जारी है। फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य है। बच्चियां अचानक रोने लगी और उन्हें बेचैनी की शिकायत थी। तबीयत बिगड़ने के कारणों का पता नहीं चल सका है। छात्राओं के परिजन भी अस्पताल में मौजूद है। बीईओ व अन्य अधिकारी अस्पताल में मौजूद है।

-मनीराम यादव, डीईओ बलरामपुर

निगरानी में रखा गया

अस्पताल में 8 बच्चियों को भर्ती कराया गया था। सभी के बीपी, शुगर, हार्ट पल्स रेट सामान्य है। कुछ को टाइफाइड की शिकायत है और कुछ में खून की कमी है। फिलहाल किसी को कमजोरी की कोई शिकायत नहीं है फिर भी उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है।

-डॉ. हेमंत दीक्षित, बीएमओ वाड्रफनगर

एक ही गांव के रहने वाले थे सभी श्रमिक

22 मजदूरों को ले जा रहा ट्रक खाई में गिरा, 18 शव बरामद

एजेंसी ▶▶| तिनसुकिया/डिब्रूगढ़

अरुणाचल प्रदेश के एक सुदूर इलाके में एक ट्रक के खाई में गिरने से उसमें सवार असम के तिनसुकिया जिले के कम से कम 18 मजदूरों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हैं। रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति से प्राप्त सूचना के ▶▶| शेष पेज 7 पर

एक मात्र व्यक्ति जीवित बचा

एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति ने जब आपबीती सुनाई तभी इसकी जानकारी मिली। 18 शव देखे गए हैं और उन्हें निकाला जा रहा है। हयूलियांग के एडीसी ने अंजॉ के एसपी को सूचित कर दिया है, जो घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। मजदूर से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तिनसुकिया से 22 मजदूरों को ले जा रहा एक ट्रक आठ दिसंबर की रात खाई में गिर गया।

पीएम मोदी ने ट्रंप से फोन पर की बात, ट्रेड डील की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर बातचीत की है। पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। पीएम मोदी ने लिखा कि प्रेसिडेंट ट्रंप के साथ बहुत अच्छी और दिलचस्प बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने अपने द्विपक्षीय संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही क्षेत्रीय और इंटरनेशनल डेवलपमेंट पर चर्चा की।

2026 से लागू होगा हाई टैरिफ

अब मैक्सिको ने भारत पर लगाया 50 फीसदी टैरिफ!

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया में एक बार फिर टैरिफ वॉर होती नजर आ रही है। अमेरिका ने जहां तमाम देशों पर टैरिफ में इजाफा कर उन्हें झटका दिया था, तो अब बारी मैक्सिको की है। मैक्सिको ने बड़ा कदम उठाते हुए भारत, चीन समेत कई एशियाई देशों से आने वाले सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। सीनेट ने इस प्रस्ताव को ▶▶| शेष पेज 7 पर

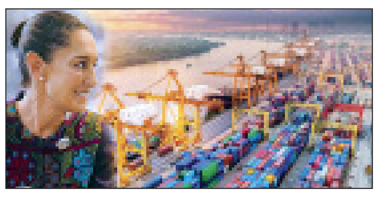

इन देशों पर होगा असर

इस फैसले से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में चीन, भारत, साउथ कोरिया, थाइलैंड और इंडोनेशिया सबसे ऊपर हैं। इन सभी देशों से आने वाले ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल, स्टील समेत अन्य सामानों पर अगले साल से मैक्सिको 50% तक टैरिफ वसूलेगा।

मैक्सिको ने क्यों उठाया ये कदम? दरअसल, अमेरिका की रह ही मैक्सिको ने भी टैरिफ बढ़ाने का यह कदम अपने स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया है। हालांकि, इसका असर कितना होगा ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा। हालांकि, व्यापार समूहों ने इस टैरिफ हाइक का जमकर विरोध भी किया है।

जीआरपी-आरपीएफ, चाइल्ड लाइफ की संयुक्त कार्रवाई

मानव तस्करी, हावड़ा-मुंबई एक्स. से बचाए गए छह नाबालिग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस में मानव तस्करी के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। जीआरपी, आरपीएफ़ और चाइल्ड हेल्पलाइन की संयुक्त कार्रवाई में ट्रेन से 6 नाबालिग बच्चों को बरामद किया गया। सभी बच्चों की उम्र 12 से 16 वर्ष के बीच बताई जा रही है, जो कोलकाता के रहने वाले हैं। जानकारी के अनुसार मानव तस्कर फिरोज मंडल नाबालिग बच्चों को अलग-अलग बोगियों में छिपाकर हावड़ा से मुंबई ले जा रहा था। ▶▶| शेष पेज 7 पर

परिजनों से संपर्क

चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने बच्चों को संरक्षण में ले लिया है व परिजनों से संपर्क की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मामले में जीआरपी थाने में ह्यूमन ट्रैफिकिंग की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि यह एक संगठित गिरोह हो सकता है, जिसकी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

शौक से सीख रहे संस्कृत, अब कोर्स में पढ़ाई जाएंगी महाभारत व भगवद्गीता

10-15 साल में पाक में गीता महाभारत के विद्वान दिखेंगे

आजादी के 77 साल बाद पहली बार पाकिस्तान में गूंजी देव वाणी

अलग खबर

एजेंसी ▶▶ लाहौर

आजादी के 77 साल बाद पहली बार इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान में संस्कृत आधिकारिक तौर पर लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (एलयूएमएस) पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई है। वो देववाणी, जिसे भारत में तो सदियों से पढ़ा जा रहा है, अब पाकिस्तानी छात्र बड़े शौक और जिज्ञासा से सीख रहे हैं। महज एक साप्ताहिक कार्यशाला से शुरू हुई यह यात्रा अब चार क्रेडिट वाले पूर्ण कोर्स तक पहुंच चुकी है और आगे महाभारत व भगवद्गीता के अलग कोर्स भी आने वाले हैं। गुरमानी सेंटर के निदेशक डॉ. अली उस्मान कासमी कहते हैं कि उम्मीद है इससे नई दिशा मिलेगी। 10-15 साल में पाकिस्तान में पैदा हुए और पले-बढ़े गीता-महाभारत के अपने विद्वान देखने को मिलेंगे।

संस्कृत कोर्स पूरा करने पर छात्रा को प्रमाणपत्र सौंपते हुए डॉ. कासिम

शास्त्रीय भाषाओं में इंसानियत का ज्ञान

विश्वविद्यालय में डॉ. शाहिद रशीद मुख्य रूप से व्याकरण पढ़ाते हैं। उन्होंने बताया कि जब मैं 'सुभाषित' पढ़ा रहा था तो कई स्टूडेंट्स हैरान रह गए कि उर्दू के इतने शब्द संस्कृत से आए हैं। कुछ को तो ये भी नहीं पता था कि संस्कृत हिंदी से अलग भाषा है। पहले हफ्ते उन्हें कठिन लगी, मगर जैसे ही इसकी तार्किक संरचना समझ आई, मजा आने लगा।

2027 तक पूरा कोर्स होगा

डॉ. कासमी ने बताया कि शुरू में सिर्फ वीकेंड प्रोग्राम था, जो स्टूडेंट्स, रिसर्चरों, वकीलों से लेकर आम लोगों तक सबके लिए खुला था। रिस्पॉन्स देखकर इसे नियमित डिग्री कोर्स बना दिया गया। अगले कुछ सालों छात्रों की संख्या बढ़ने की पूरी उम्मीद है। आदर्श रूप से 2027 के वसंत ऋतु तक हम इसे एक साल का पूरा कोर्स बना देंगे।

बदल रहा भाषाई माहौल

डॉ. कासमी बताते हैं कि ये कोर्स यूनिवर्सिटी के बड़े भाषाई माहौल का हिस्सा है जिसमें सिंधी, पश्तो, पंजाबी, बलोची, अरबी और फारसी पहले से पढ़ाई जा रही हैं। हम समझते हैं कि ये अद्भुत विरासत पाकिस्तानी-भारतीय साझी धरोहर है।

समृद्ध शास्त्रीय परंपराओं को समझें

डॉ. रशीद कहते हैं कि अगर हम चाहते हैं कि लोग एक-दूसरे के करीब आएं तो हमें अपनी समृद्ध शास्त्रीय परंपराओं को समझना और अपनाना होगा। सोचिए, अगर भारत में ज्यादा हिंदू-सिख अरबी सीखने लगें और पाकिस्तान में ज्यादा मुसलमान संस्कृत पढ़ने लगें तो दक्षिण एशिया के लिए ये कितनी खूबसूरत और उम्मीद भरी शुरुआत होगी, जहां भाषाएं दीवारें न बनें, पुल बनें।

खबर संक्षेप

जॉर्डन, इथोपिया, ओमान की यात्रा पर रहेंगे प्रधानमंत्री मोदी

हरिभूमि ब्यूरो.नई दिल्ली। वर्तमान समय में क्षेत्रीय और

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई तमाम चुनौतियों के इस दौर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह सोमवार से जॉर्डन, इथोपिया और ओमान की चार दिवसीय (15 से 18 दिसंबर तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान के जरिए बताया कि पीएम मोदी की इस विदेश यात्रा का आगाज जॉर्डन से होगा। जहां पर वह 15 से 16 दिसंबर तक रहेंगे।

दिल्ली की रैली को सफल बनाने प्रियंका ने कांग्रेस में भरी ऊर्जा

हरिभूमि ब्यूरो. नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने आगामी राजनीतिक रणनीति एवं योजनाओं को अंतिम रूप देने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारियों और प्रमुख नेताओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने संयुक्त रूप से की। बैठक में प्रमुख नेतृत्व के साथ कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख अजय राय, अविनाश पांडे, सहित दो दर्जन से ज़्यादा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी भाग लिया।

अमेरिकी संसद में पुतिन-मोदी की दिखी कार वाली सेल्फी

डेमोक्रेट सांसद बोलीं- ये तस्वीर हजार शब्दों के बराबर

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिका और भारत के व्यापारिक संबंध ट्रंप की टैरिफ नीति के चलते बहुत बेहतर नहीं है। ऐसे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा अमेरिका में खूब चर्चा में है। इतना ही नहीं इस दौरे को आधार बनाकर विशेषज्ञ और अमेरिकी सांसद ट्रंप की व्यापार नीतियों को लेकर कई कठोर सवाल भी पूछते नजर आ रहे हैं। इस बात को ज्यादा हवा तब मिली जब डेमोक्रेट सांसद सिडनी कैमलेगर-डव ने पहले तो पुतिन और पीएम मोदी की कार वाली सेल्फी को अमेरिकी संसद में बड़ा सा पोस्ट बनाकर दिखाया, फिर भारत और रूस के संबंध में बढ़ती नजदीकियां और अमेरिका और भारत के संबंध में खटास का जिक्र करते हुए ट्रंप और उनकी व्यापारिक नीति की खूब आलोचना भी की। डेमोक्रेट सांसद सिडनी कैमलाजर डोव ने संसद में संबोधन के दौरान भारत और अमेरिका के संबंधों में आई तल्खियों को लेकर ट्रंप को जिम्मेदार बताया। साथ ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का भी जिक्र किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन की कार वाली सेल्फी का बड़ा सा पोस्ट भी दिखाया।

ट्रंप की जबरदस्ती वाली नीतियां

अमेरिकी सांसद कैमलेगर डव ने पुतिन और पीएम मोदी की सेल्फी का जिक्र करते हुए कहा कि यह तस्वीर हजारों शब्दों के बराबर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जबरदस्ती वाली नीतियों का भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। उन्होंने चेताया कि ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका के रणनीतिक साझेदारों को हमारे प्रतिद्वंद्वियों की ओर धकेल दिया। डव ने इस बात पर जोर दिया कि हमे तुरंत कार्रवाई करनी होगी ताकि अमेरिका और भारत साझेदारी को फिर से मजबूत किया जा सके।

अमेरिका-भारत के संबंझ और सुधार के प्रयास

गौरतलब है कि अमेरिका और भारत के बीच के संबंध में चल रही तल्खी के बीच 10-11 दिसंबर 2025 को अमेरिका की एक व्यापार टीम भारत में वार्ता करने के लिए मौजूद है। लेकिन बाजार तक पहुंच और टैरिफ विवाद के कारण बातचीत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई। अगस्त 2025 में अमेरिका ने अधिकांश भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था, विशेष रूप से भारत की रूसी तेल की खरीद को लेकर। ट्रंप की नई चेतावनी से भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में अस्पष्टता और तनाव बढ़ गया है।

सांसद प्रमिला जयापल ने भी जताई चिंता

इस दौरान सांसद प्रमिला जयापल ने व्यापार और आव्रजन (इमिग्रेशन) नीतियों के कारण भारत-अमेरिका आर्थिक और लोगों के बीच संबंधों पर पड़ रहे असर को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में लगे टैरिफ कारोबार और उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सांसद जयापल की यह टिप्पणी ट्रंप के हालिया बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने भारत से चावल के आयात पर नए टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत अमेरिकी किसानों को नुकसान पहुंचाते हुए सस्ते चावल निर्यात कर रहा है। इस दौरान ट्रंप ने अमेरिकी कृषि उत्पादकों के लिए 12 अरब डॉलर की मदद पैकेज की घोषणा भी की।

रायपुर में 10 साल से खड़ा बांग्लादेश का विमान सुरक्षा के लिए खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- कांग्रेस सांसद ज्योत्सना महंत ने लोकसभा में उठाया मुद्दा

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के हवाई अड्डे पर पिछले दस वर्ष से बांग्लादेश के एक विमान के खड़े होने का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठा और एक कांग्रेस सांसद ने इसे हवाई सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए वहां से हटाए जाने की मांग सरकार से की। राज्य की कोरबा संसदीय सीट से सांसद ज्योत्सना महंत ने लोकसभा में शून्यकाल में यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 'यह विषय रायपुर के स्वामी

विवेकानंद हवाई अड्डे पर 2015 से खड़े बांग्लादेश की बंद हो चुकी एयरलाइन यूनाइटेड एयरवेज के लावारिस विमान का है। यह केवल हवाई अड्डे पर जगह घेरने या चार करोड़ रुपये बकाया का नहीं, बल्कि हवाई सुरक्षा का गंभीर विषय है।' महंत ने कहा कि खस्ता हालत में यह विमान रनवे के बेहद करीब खड़ा है, जो यात्रियों और विमानों की सुरक्षा के लिए बेहद खतरनाक है।

सरकार करती है चीजों के बिगड़ने का इंतजार

श्रीमती महंत ने विमानन क्षेत्र में वर्तमान संकट का भी जिक्र करते हुए कहा कि नागर विमानन मंत्रालय इस समय 'इंडिगो संकट' से गुजर रहा है, जिससे स्पष्ट है कि मंत्रालय दबाव में है और कुशलता से काम नहीं कर पा रहा। कांग्रेस सांसद ने कहा, 'रायपुर का मामला भी दर्शाता है कि सरकार पहले से सक्रिय कार्रवाई करने के बजाय हादसे होने और चीजों के बिगड़ने का इंतजार करती है। दस साल हो गए, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही।' उन्होंने सरकार से मांग की कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बिना देरी के इस विमान को नीलाम किया जाए या स्क्रैप किया जाए और तत्काल हवाई अड्डे से हटाया जाए। सात अगस्त, 2015 को 173 यात्रियों को लेकर ढाका से मस्कट जाते समय विमान का इंजन खराब हो गया था।

पंजाब में पुजारी के बेटे की अदालत परिसर में हत्या

चंडीगढ़। पंजाब के फाजिल्का में एक मंदिर के पुजारी के बेटे की हत्या कर दी गई। हत्या की घटना अबोहर के अदालत परिसर में हुई। मरने वाले का नाम गोलू पंडित था और वह अबोहर के जोड़ी मंदिर के पुजारी अवनीश पंडित के बेटे थे। गोलीबारी की यह घटना गुरुवार सुबह 10:30 बजे हुई और इससे घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। फाजिल्का के एसएसपी गुरमीत सिंह के मुताबिक, गोलू पंडित आर्म्स एक्ट के तहत एक मामले में सुनवाई के लिए अदालत पहुंचे थे और तभी सफेद कार में आए हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
सीला मलहम ®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

'इससे तो जमीन में नाक रगड़ना बेहतर' ममता नहीं भरेंगी एसआईआर फार्म

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बंगाल की राजनीति अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने अब तक

एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत नहीं है और ऐसा करना अपमानजनक है। बनर्जी ने कहा, 'मैं तीन बार की केंद्रीय मंत्री रही हूं, सात बार सांसद रही हूं और आपके आशीर्वाद से तीन बार मुख्यमंत्री बनी हूं। अब मुझे प्रमाणित करना होगा कि मैं नागरिक हूं या नहीं. इससे तो जमीन पर नाक रगड़ना बेहतर है।'

तेंदुए के भेष में विधानसभा पहुंचा विधायक

मीडिया से बोला- पूरे राज्य में इमरजेंसी घोषित होनी चाहिए

नागपुर। महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष शीतकालीन सत्र नागपुर में आयोजित किया गया है। बुधवार को सत्र के दौरान एक अजीबोगरीब दृश्य सामने आया। दरअसल महाराष्ट्र विधानसभा के एक विधायक तेंदुए के भेष में विधानभवन पहुंच गए। महाराष्ट्र में तेंदुआ और मानव के बीच संघर्ष का मुद्दा सुर्खियों में छाया हुआ है। महाराष्ट्र के विधायक शरद सोनवणे तेंदुए की भेष वाला परिधान पहनकर विधान भवन पहुंचे थे। विधायक शरद सोनवणे का प्रयास

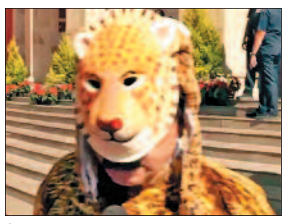

है कि सरकार तेंदुए के हमले की घटनाओं की तरफ ध्यान दें। बता दें कि महाराष्ट्र के नासिक, अहमदनगर और पुणे के कुछ इलाकों में तेंदुए के हमले की घटनाएं सामने आई है। इसके कारण आम जनता के बीच भय का माहौल बन चुका है।

कोर्ट बोला- यह दुर्लभ मामलों में से एक

सास के कंगन तक लौटा दिए पत्नी ने नहीं मांगी एलिमनी

जज ने की तारीफ खत्म की शादी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट गुरुवार को एक तलाक के मामले पर सुनवाई कर रहा था। इसी दौरान आपसी सहमति से तलाक के एक मामले में कोर्ट ने महिला की जमकर तारीफ की। दरअसल, महिला ने तलाक लेते समय किसी भी तरह का गुजारा भत्ता या एलिमनी की मांग नहीं की। इसके अलावा पत्नी ने शादी के समय अपनी सास द्वारा गिफ्ट में दिए गए सोने के कंगन भी वापस कर दिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह एक 'दुर्लभ समझौता' है, क्योंकि पत्नी ने कोई पैसे का दावा नहीं किया था। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
सभी प्रकार की एलर्जी | डेंटल सुविधा भी उपलब्ध
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दास M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्टडी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपेथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. नमित नंदे MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुधा सूरज फर्टिलिटी केयर
डॉ. सूरज कुमार चौधरी MD (Physician, Pathology)
डॉ.सुधा अग्रवाल चौधरी MBBS, MS (OBG) FRM स्त्री रोग विशेषज्ञ, इंफर्टिलिटी कंसल्टेंट
• पुरुष और महिला बांझपन परीक्षण • आईवीएफ, आईयूआई, पीसीओएस, सोनोग्राफी, • सभी पैथोलॉजी परीक्षण (रक्त, मूत्र, मल और वीर्य विश्लेषण) • गर्भवती महिला एवं गर्भाशय की सोनोग्राफी (टीवीएस, डॉप्लर 3डी, 4डी)
C-81, VIP Estate, Opposite Ashoka Ratan Gate No.2, Shankar Nagar, Raipur, Mob. 63549 65797, 95120 44488

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411 www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेंडिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

निराकार मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल 24/7 Emergency Services
पैथोलॉजी लैब, मेडिकल एवं 24 घंटे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
ओपीडी 50% Off
0771-3133896 +91 6264070071, 9893299953
पुरानी बस्ती थाना के सामने, कंकाली पारा रोड, पुरानी बस्ती, रायपुर (छ.ग.) nirakarmaltispecialityhospital@gamil.com

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरायसिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

पाइल्स क्षारसूत्र विशेषज्ञ
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
11000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

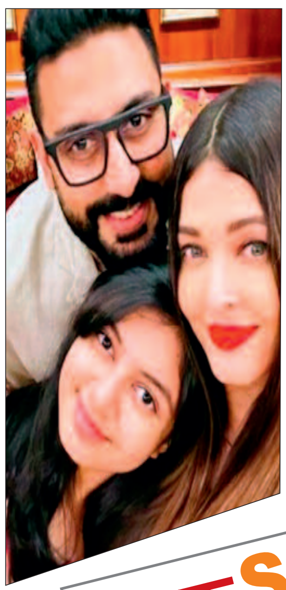

तलाक की अफवाहों से पूरी तरह अनजान है आराध्या : अभिषेक

मुंबई। बॉलीवुड के चर्चित कपल अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय को लेकर बीते कुछ समय से तरह-तरह की अफवाहें सोशल मीडिया और गॉसिप गलियारों में उड़ रही हैं। खासतौर पर उनके रिश्ते को लेकर तलाक की चर्चाएं लगातार सामने आती रही हैं। अब इन अफवाहों पर खुद अभिषेक बच्चन ने खुलकर बात की है और साथ ही अपनी बेटी आराध्या को लेकर एक अहम खुलासा भी किया है। एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने बताया कि उनकी 14 साल की बेटी आराध्या इन तमाम बातों से पूरी तरह अनजान है। अभिषेक के मुताबिक, इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि आराध्या के पास अभी तक अपना कोई पर्सनल मोबाइल फोन नहीं है।

लाइफ Style

आलिया

गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड मिला

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेत्री आलिया भट्ट की गिनती मौजूदा वक्त में इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस में होती है। अब आलिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। उन्हें गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है।

एक्ट्रेस को रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। आलिया को ट्यूनीशियाई अभिनेत्री हेंड सबरी के साथ एक समारोह में सम्मानित किया गया, जिन्हें उमर शरीफ अवॉर्ड से नवाजा गया। रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का पांचवां संस्करण सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित किया जा रहा है। गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताते हुए आलिया ने कहा कि गोल्डन ग्लोब्स द्वारा सम्मानित होना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं दुनिया भर में फिल्म और टेलीविजन में बदलाव ला रही महत्वाकांक्षी कलाकारों और महिलाओं की नई पीढ़ी की ओर से बोलने का मौका मिलने के लिए आभारी हूं। ऐसे समय में जब वैश्विक स्तर प्रभावशाली कहानियों को बताने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं, यह सम्मान वाकई काफी महत्वपूर्ण बन जाता है। इस मौके पर गोल्डन ग्लोब्स की अध्यक्ष हेलेन होहेन ने कहा कि हमें आलिया भट्ट को गोल्डन ग्लोब्स होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में उनके असाधारण योगदान के लिए है। साथ ही वैश्विक मंच पर फिल्म व टेलीविजन के एक गतिशील और प्रभावशाली केंद्र के रूप में मिडिल ईस्ट के लगातार आगे बढ़ने का जश्न मनाता है।

हॉलीवुड मसाला

एआई को आर्ट नहीं मानते

लॉस एंजिल्स। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई इन दिनों एक चर्चा का विषय बना हुआ है। एक ओर जहां कई लोग इसका पूरी तरह से समर्थन करते हैं, तो वहीं कई लोगों का मानना है कि एआई के फायदे के साथ-साथ कई नुकसान भी हैं। अब हॉलीवुड स्टार लियोनार्डो डिकैप्रियो ने एआई को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि बेशक यह एक ऐसा टूल है, जो कई चीजों में सुधार ला सकता है। लेकिन इसमें मानवता की पूरी तरह से कमी है। अभिनेता ने कहा कि एआई के जरिए एक नया फिल्ममेकर कुछ अलग और नया कर सकता है।

जेंडाया-रॉबर्ट के पोस्टर को समझ लिया असल में सगाई

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड सेलेब्स जेंडाया और रॉबर्ट पैटिनसन की एक तस्वीर हाल ही में सोशल मीडिया पर काफी बज बना रही है। दरअसल, दोनों की नई तस्वीर में जेंडाया के हाथ में रिंग नजर आ रही है और रॉबर्ट उनके काफी करीब नजर आ रहे हैं। दोनों की फोटो को देखकर लोगों को लगा कि दोनों ने सगाई कर ली है। दरअसल, जेंडाया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जिसमें वह रॉबर्ट पैटिनसन के बेहद करीब नजर आती हैं। पोस्टर में जेंडाया के हाथ में अंगूठी और पैटिनसन को उनके इतने करीब देखकर फैंस ने इसे दोनों की असल में सगाई समझ लिया। कुछ ही मिनटों में बधाइयों और कयासों की बाढ़ सोशल मीडिया पर आ गई। लेकिन, जल्द ही साफ हो गया कि यह सगाई नहीं, बल्कि उनकी नई फिल्म के किरदारों की झलक थी। बाद में जेंडाया ने फिल्म से जुड़े और भी संकेत साझा किए।

12 घंटे से भी कम समय में अमेरिका लौटीं

मुंबई। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा निक जोनस से शादी के बाद अमेरिका में ही रहती हैं। लेकिन, भारत में भी अपने काम और प्रोजेक्ट्स की वजह से वो यहां आती रहती हैं। लेकिन, इस बार एक्ट्रेस सिर्फ 12 घंटों के लिए भारत आईं और वापस अमेरिका लौट गईं। हालांकि, जाते-जाते प्रियंका फिर मिलने का वादा करके गई हैं। प्रियंका चोपड़ा बुधवार को ही सुबह मुंबई पहुंची थीं। इस बार वो मुंबई किसी फिल्म की शूटिंग के लिए नहीं, बल्कि कपिल शर्मा के शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में शामिल होने के लिए आई थीं। शो की शूटिंग करने के बाद प्रियंका 12 घंटों के अंदर ही वापस अमेरिका अपने घर लौट गईं। गुरुवार तड़के, प्रियंका चोपड़ा ने अपने घर के लिए उड़ान भरी। इस दौरान एयरपोर्ट जाते समय एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक सेल्फी शेयर की।

करीना-सारा एक फिल्म में कुणाल का बदला रोल

मुंबई। रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' को लेकर लंबे समय से चर्चा हो रही थी और अब इस पर बड़ा अपडेट सामने आया है। इसकी कास्ट को लेकर फैंस सवाल कर रहे थे कि इस बार इसमें क्या कुछ नया होगा और जवाब हाजिर है। रोहित शेट्टी ने पुष्टि की है कि उन्होंने करीना कपूर और सारा अली खान से 'गोलमाल 5' में काम करने के लिए संपर्क किया है और कुणाल खेमू फिल्म के क्रिएटिव कंसल्टेंट हैं। इस साल अक्टूबर में किए गए एक इंस्टाग्राम पोस्ट पर रोहित शेट्टी के रिएक्शन ने सबका ध्यान खींचा है और 'गोलमाल 5' के लिए एक्साइटमेंट बढ़ा दी है। रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट को 'लाइक' किया, जिसमें लिखा था, 'निर्देशक रोहित शेट्टी अपनी ब्लॉकबस्टर कॉमेडी फ्रेंचाइजी गोलमाल 5 की अगली कड़ी के लिए तैयारियां कर रहे हैं।

टीवी मसाला

अनुपमा और क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 लगातार टॉप 5 में

नई दिल्ली। 48वें हफ्ते की टीआरपी की लिस्ट सामने आ चुकी है। इस बार कई नए सीरियल इस लिस्ट में शामिल हुए हैं। वहीं, हर बार की तरह इस बार भी 'अनुपमा' और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में कड़ी टक्कर देखने को मिली। टीवी सीरियल अनुपमा और क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में हर बार की तरह इस बार भी कड़ी टक्कर देखने को मिली। दोनों ही सीरियल लगातार टॉप 5 की लिस्ट में बने हुए हैं। इन दोनों के अलावा कई टीवी सीरियल्स इस बार लिस्ट में शामिल हुए हैं। इस हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में रुपाली गांगुली का सीरियल 'अनुपमा' नंबर वन पर है। इस सीरियल को 2.1 की रेटिंग मिली है, जबकि पिछले हफ्ते इसे 2.2 की टीआरपी मिली थी। वहीं 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' ने दूसरे स्थान पर जगह बनाई है। इस बार सीरियल 'क्योंकि सास...2' को 1.9 की टीआरपी मिली है। इस बार तीसरे नंबर की लिस्ट से 'लाफ्टर शेफ्स...' सीरियल बाहर हो गया है। इसकी जगह नए टीवी सीरियल 'गंगा माई की बेटियां' ने ली है। 48वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में तीसरे स्थान पर 'गंगा माई की बेटियां' को 1.8 की टीआरपी रेटिंग मिली है। 'उड़ने की आशा' टीवी सीरियल इस बार भी चौथे नंबर पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। उड़ने की आशा को इस बार भी 1.8 की टीआरपी रेटिंग मिली है, जो पहले के मुकाबले बराबर है। इस बार पांचवें नंबर पर टीवी सीरियल 'तुम से तुम तक' ने अपनी जगह बना ली है। पिछले हफ्ते पांचवें नंबर पर टीवी सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' था। 'तुम से तुम तक' को 1.8 की टीआरपी रेटिंग मिली है। यानी कि इन सभी टॉप पांच टीवी शोज की लिस्ट में आखिरी नंबर पर 'तुम से तुम तक' रहा।

गौरव ट्रॉफी लेकर पहुंचे सिद्धिविनायक मंदिर

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 19' के विनर गौरव खन्ना ने ट्रॉफी और भारी नकद पुरस्कार जीता था। उनके साथ ही, एक्टर के पिता ने एक टेलीविजन अभिनेता के रूप में उनके कॅरियर पर गर्व जताया। उन्होंने यह भी बताया कि 'बिग बॉस 19' के कंटेस्टेंट्स ने किस तरह सीमा पार कर दी, जब उनमें से कुछ ने उनके बेटे के कॅरियर और काम पर सवाल उठाए। अब अपनी जीत के बाद गौरव खन्ना अपनी ट्रॉफी लिए मृदुल तिवारी और प्रणित मोरे के साथ सिद्धिविनायक मंदिर बप्पा के दर्शन करने पहुंचे हैं। कई वीडियोज इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं जिनमें गौरव सफेद कपड़े पहने हुए मंदिर के अंदर जा रहे हैं और दर्शन के बाद बाहर भी आए। मृदुल तिवारी ने भी अपनी बड़े भाई समान गौरव की ट्रॉफी को उठाकर खूब नारे लगाए। इससे पहले, गौरव के पिता विनोद खन्ना ने दावा किया कि कुछ लोग आक्रामक थे और गौरव का अपमानजनक तरीके से मजाक उड़ाते थे। उन्होंने कहा, 'जीशान कादरी और अभिषेक बजाज जैसे कंटेस्टेंट्स भी थे, जो बहुत आक्रामक थे।

गोल्डन ग्लोब इवेंट में सलमान ने इदरीस एल्बा के साथ दिए पोज

मुंबई। सुपरस्टार सलमान खान इस साल सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाले रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए। वहां गोल्डन ग्लोब डिनर के दौरान भाईजान काले सूट और टाई में बहुत हैंडसम लुक में नजर आए। इस दौरान सलमान और इदरीस एल्बा को एक साथ देखकर फैंस खुश हो गए। इस दौरान सलमान ने हॉलीवुड स्टार्स इदरीस एल्बा, एडगर रामिरेज, ओल्गा कुरिलेंको और दूसरे मेहमानों के साथ फोटो खिंचवाई। हर फोटो में उनके चेहरे पर बड़ी प्यारी मुस्कान नजर आई। सलमान की इन तस्वीरों पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं और साथ ही इन तस्वीरों को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर कर रहे हैं। आलिया भट्ट को इस फेस्टिवल में सम्मान मिला, इस पर सलमान बहुत खुश हुए। उन्होंने कहा, 'आलिया के लिए ये बहुत बड़ी बात है। सऊदी अरब बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी संस्कृति के साथ-साथ हमारी भारतीय प्रतिभा को भी सम्मान दे रहा है, यह बहुत अच्छी बात है। मुझे यहां बहुत अच्छा लगता है, अब मैं अक्सर आता रहता हूं।' फैंस भी सलमान की इन तस्वीरों पर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'भाई उम्र के साथ और जवान होते जा रहे हैं,' एक और फैन ने लिखा, 'लग रहा है जैसे 2000 का दौर फिर आ गया,' एक और फैन ने लिखा, 'उफ्फ, हमेशा की तरह सबसे हैंडसम।' सलमान इन दिनों अपनी अगली आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की तैयारी कर रहे हैं। यह फिल्म गलवान घाटी में हुए भारत-चीन संघर्ष पर आधारित है। इस फिल्म को अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं।

साल 2025 में इन स्टार्स ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर छापे सबसे ज्यादा नोट

नई दिल्ली। साल 2025 में अक्षय खन्ना, ऋषभ शेट्टी, विक्की कौशल, अक्षय कुमार और मोहनलाल ने अपनी फिल्मों से शानदार कमाई कर बॉक्सऑफिस पर कब्जा जमाया। साल 2025 इंडियन फिल्म इंडस्ट्री के लिए बेहद रोमांचक रहा। इस साल बॉक्सऑफिस पर सिर्फ बड़े स्टार्स ही नहीं, बल्कि नए और साउथ इंडस्ट्री के एक्टर्स ने भी शानदार परफॉर्मेंस किया हैं। 2025 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले पांच एक्टर्स की लिस्ट में पुराने स्टार्स और नए एक्टर दोनों शामिल हैं।

अक्षय खन्ना : सबसे पहले आते हैं अक्षय खन्ना। उन्होंने अपने काम और फिल्मों के चुनाव से दर्शकों का दिल दोबारा जीत लिया है। इस साल उनकी फिल्मों छावा और धुरंधर ने शानदार परफॉर्मेंस दिया है। इन दोनों फिल्मों की कमाई मिलाकर उनकी कुल कमाई करीब 1,000 करोड़ रही, जिससे वे 2025 के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर्स में नंबर एक पर हैं।

ऋषभ शेट्टी : दूसरे नंबर पर हैं ऋषभ शेट्टी। उनकी साउथ फिल्म कांतारा: चैप्टर 1 ने तमिल, कन्नड़ और हिंदी ऑडियंस के बीच भी बेहद अच्छा परफॉर्म किया और दुनिया भर में लगभग 850 करोड़ से ज्यादा कमाया। इसी वजह से ऋषभ शेट्टी 2025 के टॉप एक्टर्स में दूसरे नंबर पर हैं।

विक्की कौशल : तीसरे नंबर पर हैं विक्की कौशल। छावा जैसी बड़ी फिल्म में विक्की की रोल ऑडियंस को काफी पसंद आई और फिल्म ने शानदार कलेक्शन किया। इस कमाई ने उन्हें 2025 के टॉप3 एक्टर्स में शामिल कर दिया है।

अक्षय कुमार : चौथे नंबर पर आते हैं अक्षय कुमार। उन्होंने 2025 में स्काई फोर्स, हाउसफुल 5, जॉली एलएलबी 3 और केसरी चैप्टर 2 जैसी चार फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों की कुल कमाई लगभग 780800 करोड़ रही है। ये दिखाता है कि बड़े नाम होने के बावजूद भी अक्षय कुमार हर साल की तरह इस साल भी अच्छी कमाई करने में सफल रहे है।

मोहनलाल : पांचवें नंबर पर मोहनलाल हैं। साउथ इंडस्ट्री में उनका इम्पैक्ट अभी भी कायम है। उनकी तीन एम्पुरान, थुडारम और हृदयपूर्वम फिल्मों ने मिलकर लगभग 500600 करोड़ कमाई की, जो उन्हें इस लिस्ट में शामिल करने के लिए काफी है।

साल 2025 ने यह साबित कर दिया कि सिर्फ बड़े नाम या पुराने स्टार्स का ही बोलबाला नहीं है। अच्छी स्टोरी, दमदार एक्टिंग और क्वालिटी वाली फिल्में दर्शकों का भरोसा जीतकर शानदार कमाई कर सकती हैं। यही वजह है कि इस साल की बॉक्सऑफिस लिस्ट बहुत रोमांचक और डाइवर्स रही है।

फैमिली एंटरटेनर और एक्साइटिंग मिस्ट्री से सस्पेंस थ्रिलर तक

आज रिलीज होंगी एक से बढ़कर एक धांसू फिल्में-सीरीज

नई दिल्ली। ओटीटी लवर्स के लिए ये हफ्ता काफी धमाकेदार होने वाला है। शुक्रवार, 12 दिसंबर को ओटीटी के एक दो नहीं, कई धांसू फिल्में और सीरीज रिलीज होने जा रही हैं। इस लिस्ट में सस्पेंस थ्रिलर से लेकर फैमिली एंटरटेनर और एक्साइटिंग मिस्ट्री-क्राइम तक की फिल्में और सीरीज आने वाली हैं।

एफ1 द मूवी : इस शुक्रवार को ब्रैड पिट की स्पोर्ट्स फिल्म, एफ1 द मूवी एप्पल टीवी+ पर स्ट्रीम होने वाली हे। इसकी कहानी 1990 के दशक के एक ट्रेंड ड्राइवर के इर्द-गिर्द घूमती है।

थ्री रोजेज सीजन 2 : थ्री रोजेज सीजन 2 शुक्रवार यानी 12 दिसंबर से ओटीटी के प्लेटफॉर्म अहा पर देखा जा सकता है। इसकी कहानी मुंबई की तीन सहेलियों की कहानी है, जो एक एड एजेंसी शुरू करती हैं, लेकिन फ्रांस से लौटे एक खतरनाक गैंगस्टर के चंगुल में फंस जाती हैं। इसमें ईशा रेब्बा, राशि सिंह और कुशिता कल्लापु, हर्षा चेमुडु और सत्या अहम रोल में हैं।

कांथा : कांथा 2025 में रिलीज हुई एक तमिल पीरियड ड्रामा फिल्म है। कांथा को 12 दिसंबर, शुक्रवार से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जा सकता है। मूवी में दुलकर सलमान, राणा दग्गुबाती लीड रोल में हैं।

टेलर स्विफ्ट: द एराज टूर - द फाइनल शो : टेलर स्विफ्ट: द एराज टूर - द फाइनल शो एक कॉन्सर्ट फिल्म है, जिसमें 6 पार्ट वाली डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'द एंड ऑफ एन एरा' भी शामिल है। इसके सीरीज के पहले दो एपिसोड जियो हॉट स्टार पर 12 दिसंबर को उपलब्ध अवेलेबल होंगे इसके बाद, 26 दिसंबर को रैपअप तक हर हफ्ते दो एपिसोड टेलीकास्ट किए जाएंगे।

सिटी ऑफ शैडोज : बार्सिलोना की बैकड्रॉप पर बनी यह स्पेनिश क्राइम थ्रिलर दिल दहला देती है। ये फिल्म 12 दिसंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो रही है।

सिंगल पापा : सिंगल पापा नेटफ्लिक्स पर 12 दिसंबर को आ रही है। इसमें एक्टर कुणाल खेमू लीड रोल में हैं। कहानी एक ऐसे आदमी की है, जो तलाक के बाद जिंदगी को नये ढंग से जीना चाहता है। इसी सोच में वह एक बच्चा गोद लेने का फैसला कर लेता है।

द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली : द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली की कहानी कृतिका कामरा के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज में वो जिम्मेदार और समझदार लेखिका बानी अहमद के रोल में हैं। ये 12 दिसंबर को जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। अनुषा रिजवी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कृतिका कामरा, श्रेया धनवंतरी, शीबा चड्ढा और फरीदा जलाल ने अभिनय किया है।

चिंतन

यात्रियों की सुरक्षा-विश्वास को भी प्राथमिकता दें एयरलाइंस

इंडिगो एयरलाइंस पर स्टाफ की कमी से आया परिचालन संकट एक सबक है। सरकार के लिए भी और एयरलाइंस के लिए भी। पिछले आठ दिनों में करीब 4,800 से अधिक उड़ानें रद्द हुईं। इसके कारण आसमान में उड़ने के लिए किराया भी आसमान छू रहा है। इस दौरान 5-6 हजार की जगह 35-40 हजार रुपये किराया वसूला गया। इस पर न किसी की बंदिश थी और न ही लगाम। हालांकि सरकार के आदेश के बाद इंडिगो ने पिछले 5-6 दिनों में करीब 600 करोड़ रिफंड भी किए, लेकिन यहां सवाल रिफंड का नहीं, यात्रियों का जो नुकसान हुआ उसका है, उनकी सुरक्षा और विश्वास का है। एक एयरलाइंस की लापरवाही के कारण लाखों लोगों को जो परेशानी झेलनी पड़ी, उसकी भरपाई कौन करेगा। इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से न सिर्फ यात्रियों को परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, बल्कि इससे अर्थव्यवस्था को भी नुकसान हुआ। सवाल यह भी है कि जब इंडिगो की फ्लाइटें बंद थीं, तो अन्य एयरलाइंस ने मौके का फायदा उठाते हुए टिकटों के दाम क्यों बढ़ा दिए? ऐसे में दूसरी एयरलाइंस द्वारा दाम बढ़ाए जाने को कैसे जायज ठहराया जा सकता है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इंडिगो के चल रहे संकट को लेकर केंद्र सरकार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) की खिंचाई की और उड़ानें रद्द और देरी की बढ़ती घटनाओं को गंभीर संकट बताते हुए सवाल उठाए। आखिर हालात इस कदर कैसे बिगड़ गए? कोर्ट ने भी निर्देश दिया है कि यात्रियों को तुरंत मुआवजा देने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। दूसरी तरफ, इंडिगो ने कहा कि वह उड़ानें रद्द होने से प्रभावित यात्रियों को रिफंड के अलावा मुआवजे में ट्रैवल वाउचर भी देगी। 3-5 दिसंबर के बीच ज्यादा परेशान हुए यात्रियों को 10,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर मिलेगा। इसे अगले 12 महीने तक किसी भी इंडिगो फ्लाइट की बुकिंग के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा। दूसरी तरफ, हाल ही में आए एक सर्वे पॉपुलर कम्युनिटी प्लेटफॉर्म (लोकलसर्कल) के अनुसार इंडिगो, एयर इंडिया, स्पाइसजेट, अकासा एयर जैसी 8 प्रमुख एयरलाइंस पिछले 12 महीनों में यात्रियों के साथ धोखाधड़ी में शामिल मिली हैं। 1.24 लाख से ज्यादा यात्रियों के डेटा से यह खुलासा हुआ है कि इन एयरलाइंस ने टिकट बुकिंग से लेकर कैंसिलेशन तक में कई तरह के अनैतिक तरीके अपनाए और यात्रियों के विश्वास का हनन किया है। सर्वे के अनुसार ड्रिप प्राइसिंग (छुपी हुई फीस), बैट एंड स्विच (वादा करके बदलना), फोर्स्ड एक्शन (जबरदस्ती) और कन्फर्म शेमिंग के नाम पर यात्रियों के साथ धोखाधड़ी की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक 70% यात्रियों ने पिछले एक साल में इस तरह की धोखाधड़ी महसूस की। सर्वे में यात्रियों ने बताया कि कैसे उन्हें एयरलाइंस की वेबसाइट या एप पर गलत जानकारी दी गई, जिससे वे मजबूरन ज्यादा पैसे खर्च करने पर मजबूर हुए। बता दें कि केंद्र ने 2023 में यात्रियों के साथ होने वाली धोखाधड़ी (डार्क पैटर्न्स) पर दिशा-निर्देश जारी किए थे। हालांकि इसके बाद भी ज्यादातर एयरलाइंस पर उसका कोई खास असर नहीं पड़ा। ग्राहक अभी भी इससे परेशान हैं और सोशल मीडिया पर अक्सर शिकायतें करते देखे जा सकते हैं। ऐसी घटनाएं दर्शाती हैं कि देश में यात्री सुरक्षा और पारदर्शिता की कमी है। एयरलाइंस को सिर्फ मुनाफे को नहीं, बल्कि यात्रियों के विश्वास व सुरक्षा को भी प्राथमिकता देनी होगी। सरकार को तुरंत जांच करनी चाहिए और दोषी एयरलाइंस पर जुर्माना लगाना चाहिए। भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए डीजीसीए, सरकार और एयरलाइंस की जवाबदेही तय होनी चाहिए।

इतिहास-बोध से प्रेरित जातिगत टकराव

विचार
शिवेन्द्र राणा

क्रोचे जब कहते हैं कि सभी इतिहास समसामयिक होते हैं, तब निश्चित तौर पर उनकी दृष्टि एक राजनीतिक भविष्यदृष्टा की रही होगी। यूँ भी राजनीति और इतिहास का पुराना सहजीविता का सम्बन्ध रहा है। अकसर इतिहास के सन्दर्भ राजनीति के संदर्शों को निर्देशित और निर्धारित करते रहे हैं। राजनीति जो समाज और राष्ट्र का चालक सूत्र है, उसका इतिहास से प्रभावित होना और इतिहास को प्रभावित करना, एक सामान्य प्रक्रम है। इन दिनों इतिहास का पुनर्लेखन, तथ्यों, घटनाओं का पुनर्स्थापन, ऐतिहासिक व्यक्तित्वों का संकुचन-प्रसारण राष्ट्रीय विमर्श के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रसंगों में शामिल है, यानि राष्ट्रीय इतिहास-बोध की पुनर्समीक्षा। इसी ऐतिहासिक-सन्दर्भ की एक धारा है, दलित-पिछड़ा वर्ग के इतिहास आधारित वैचारिक उन्नयन की, जो मूलरूपेण बहुजन आन्दोलन के सांस्कृतिक प्रभाग के रूप में दलित एवं पिछड़ी जातियों के संतों एवं नायकों को महत्त्व प्रदान किये जाने का प्रक्रम था। यानि एक सामाजिक-राजनीतिक आन्दोलन ने आधुनिक भारतीय इतिहास में विस्मृत पिछड़े एवं दलित वर्ग से सम्बंधित इतिहास पुरुषों एवं घटना-क्रम को अतीत के अंधेरे कोटरों से निकालकर राष्ट्रीय पटल पर प्रतिष्ठित किया।

ये यथार्थ है, यदि 70 के दशक के बाद राजनीति प्रेरित जातीय अस्मिता के वर्चस्व का टकराव ना प्रारंभ होता तो आज भी राष्ट्रीय समाज की मुख्यधारा से कोरी जाति से संबंधित झलकारी बाई, पासी जाति के दलदेव महाराज और बालेदीन, वीर पासी, उदेया पासी, मक्का पासी , ऊदा देवी, मेहतर जाति के बालु मेहतर, जाटव-चमार जाति के चेतराम जाटव, बांके चमार, यादव जाति के छाउर, दुसाध जाति के चुहारमल, के अतिरिक्त मातादीन भंगी, अवन्ती बाई लोधी, महावीरादेवी भंगी, पन्नाधाय धानुक जैसी अनेकानेक नायक-नायिकाओं को आधुनिक इतिहास सम्मान दे पाने में विफल ही रहता है।

80 के दशक में इतिहास के जातीय निरुपण की जो पटकथा बामसेफ और डी.एस. फोर मूवमेंट ने प्रारम्भ की, उसने दलित-पिछड़ा जातीय गोलबंदी को राजनीतिक के प्रभावी समूह में परिवर्तित किया। यानि इस इतिहास-बोध की संचेतन धारा को वर्गीय गोलबंदी की प्रेरणा राजनीति से मिली। जिसने तत्कालीन प्रभावी दबाव समूह से आज चार दशकों के पश्चात उसी वर्गीय इतिहास-बोध अवचेतन आग्रह को दुराग्रही जातीय त्वरा में परिवर्तित कर दिया है।

उदाहरणस्वरुप पूर्व में राजभर जाति द्वारा अपने इतिहासपुरुष माने जाने वाले महाराज सुहेलदेव को पासी जाति द्वारा सुहेलदेव पासी कहे जाने से आपत्ति प्रकट की थी। उधर जून, 2025 में पासी समाज ने महाराज सुहेलदेव पासी विजय दिवस पर आयोजित प्रदर्शन में राजभर जाति के नेताओं कों इतिहास से छेड़छाड़ ना करने की चेतावनी जारी कर दी। अब पिछले दिनों उन्होंने गाजीपुर में प्रदर्शन के दौरान निहालगढ़ (अमेठी) रेलवे स्टेशन का नाम बिजली पासी से बिजली राजभर करने के साथ ही महाराज सुहेलदेव से जुड़े सभी स्मारकों, दस्तावेजों, ट्रेन और विश्वविद्यालय सहित अन्य सभी जगहों पर राजभर अंकित करने की मांग की है। उन्होंने भी इतिहास से छेड़छाड़ ना करने को चेताया है। इस प्रसंग का तात्पर्य स्पष्ट है। यदि जाति भारतीय सामाजिक व्यवस्था की अविरल धारा का चिरंतर सत्य है तो जातीय अस्मिता का संघर्ष उसका अविछिन्न उत्पाद। जब जातीय अस्मिता आधारित गर्वोक्ति अतिशयता में परिवर्तित होती है तो जाति के वर्गीय समूह में टकराव भी पैदा होते हैं। अर्थात यह संघर्ष की अवस्था इतिहास की अविरल धारा के यात्रा-क्रम का एक पड़ाव है। सवर्ण-कुवर्ण, अगड़ा-पिछड़ा, दलित-वनवासी जैसे सामाजिक-राजनीतिक या ऐतिहासिक वर्गीय संघर्ष जब विस्तारित होंगे तो उनका वर्ग के भीतर जाति आधारित टकराव तक जाना अवश्यंभावी है और यही इतिहास-चक्र की नियति भी है। यानि हीगल का द्वन्दवाद इतिहास-बोध की चेतन परंपरा को अपवाद के रूप में स्वीकार नहीं करता।

इतिहास के हर प्रभाग, हर नियति में परस्पर विरोधी तथ्य समाहित होते हैं। इन तथ्यों में संघर्ष स्थिति, प्रतिस्थिति तथा संयोजन के आधार पर होता है। यह एक सतत गतिशील प्रक्रिया है। किन्तु इस संघर्ष में हर दफ़े जो नया स्वरुप प्रकट होता है, वह पूर्व की अपेक्षा अधिक तीव्र होता है। वस्तुतः उपरोक्त विवाद इतिहास-बोध के राजनीति के कुटिल परिवेश में जाति अनुप्रेरित टकराव से अधिक सामाजिक व्यवस्था में श्रेष्ठता के दावे की व्यग्रता है। साथ ही यह ऐतिहासिक व्यक्तित्वों में स्वजाति के इतिहासपुरुषों को स्थापित करने का द्वन्द भी है। असल में महान व्यक्ति इतिहास के नायकों के रूप में एक गौरवपूर्ण भावनात्मक संचेतना के संवाहक होते हैं। याद करिये, भिंडरावाले के ज्यादातर भाषणों में सिख योद्धाओं की विरुदावलियां होती थीं जो सिख कौम को गर्व की भावना से अनुप्राणित कर देती थीं।

अब यह भी मार्क्सवादी विचार-दर्शन का एक विरोधाभास ही है कि मनुष्य की चेतना उसके अस्तित्व का निर्धारण नहीं करती बल्कि उसके विपरीत उसका सामाजिक अस्तित्व ही उसकी चेतना का निर्धारण करता है।

एक तरफ जहां समाज की अभिजनवादी वृत्ति प्रारंभ में पिछड़े-दलितों के अस्तित्व को समता प्रदान करने की नहीं रही थी। ऐसे में 'तथाकथित सवर्ण' अभिजात्यवर्गीय मेधा उनकी ऐतिहासिकता को कहां स्वीकार कर पाती। यही कारण है इतिहास लेखन की सबाल्टर्न वैचारिकी अस्तित्व में आते ही इतिहास-बोध की नई प्रेरणा पैदा करती है। हालांकि इतिहास की धारा यह प्रमाणित करती है कि ऐसे टकराव अनादि सभ्यता का हिस्सा रहे हैं। और ऐतिहासिक सन्दर्भों में राष्ट्रीयताओं के बाह्य संघर्ष के समानांतर वर्ग और जातियों के आतंरिक संघर्ष चलते ही रहते है। जैसे प्राचीन रोम में पैटीशियनों और प्लीबियनों का वर्ग संघर्ष हमेशा चलता रहा था। विशेषकर जब भी रोम की आर्थिक, राजनैतिक शक्ति में इजाफा हुआ तब यह संघर्ष खुलकर अधिक सतह पर आया। जैसा कि आज भारतीय राजनीति में सर्वत्र उपस्थित है। अब इस्लाम के नाम पर भारत के विरुद्ध एकजुट पाकिस्तानी आवाम को देखें जहां पंजाबी मुसलमानों के सर्वव्यापी अधिकारवाद के विरुद्ध सिंधियों, बलूचों का जातीय संघर्ष सर्वविदित है। बल्कि बंगालियों ने तो इस टकराव में विभाजन का मार्ग ही चुन लिया।

पुनश्च मार्क्स के दर्शन के अनुरूप साहित्य को इतिहास का नया दृष्टिकोण मानने वाले डॉ. नामवर सिंह इसकी विशेषताओं में, 'वस्तुओं, व्यक्तियों घटनाओं और विचारों में असंगति अथवा अन्तर्विरोध को पहचानना' भी गिनाते हैं।' अब वर्तमान प्रसंग में यह कैसे संदर्भित है? भारतीय ज्ञान परंपरा में निरुक्तकार ने ऐतिहासिक पक्ष को प्रस्तुत करते समय उसे अपना पक्ष नहीं है, बल्कि इत्यैतिहासिकाः' 'इत्याख्यानम' आदि के रूप में अन्य ऐतिहासिकों का बताया है। लेकिन देश का वर्तमान राजनीतिक वर्ग और उनके अनुकूल इतिहास के व्याख्याकार ऐसे संवर्ग में बदले हैं जो स्वघोषित राजनीतिक इतिहास के विकृत और तथ्यहीन स्वरुप में जाति-वर्ग की गोलबंदी और सामाजिक टकराव का हलाहल फैला रहे हैं। नतीजा जातीय अस्मिता के नित नये टकराव के रूप में पैदा हो रहा है। यदि ऐसा ना होता तो किसी सांसद को राणा सांगा पर अभद्र टिप्पणी करने की जरुरत नहीं पड़ती और नाहीं किसी नेता को सावरकर के विरुद्ध अपमानजनक वक्तव्य देना पड़ता। ऐसी स्थिति में कहना होगा कि जैसे रोमां रोला गांधी जी के अनुभव जनित सत्य को 'आपेक्षिक सत्य' कहते हैं। वैसे ही भारतीय राजनीति के लिए आधुनिक युग के इतिहास-बोध की अवधारणा भी ऐसा ही आपेक्षिक सत्य है।

तात्पर्य यह है कि इतिहास के तर्क जब राजनीति के विष वमन से प्रेरित होते हैं तो राष्ट्रीय समाज में वर्ग एवं जाति आधारित परस्पर संघर्ष से अनिवार्य हो जाता है। क्योंकि यहाँ हर दफ़े ऐतिहासिक तथ्यों और तर्कों के प्रकाश में एक व्यक्ति के समक्ष दूसरा, एक घटना के विरुद्ध अन्य या एक राष्ट्रीयता या सांस्कृतिक आग्रह के समक्ष दूसरा प्रतिद्वंदी होगा ही। यानि राष्ट्रीय अर्थ में राजवंशों, इतिहासपुरुषों या घटना-प्रधान विषयों पर आधारित इतिहास बोध यदि संकुचित जाति-वर्ग अनुकूल नजरिये से विकसित होगा तो उसका दुष्परिणाम कटु जातिगत-वर्गीय विभेद और उग्र सामाजिक टकराव के रुप में ही सामने आएगा। इस वैचारिक खोट का स्वार्थ इतना तीव्र है कि वह यह भी नहीं देख पा रहा कि महापुरुषों और राष्ट्रीयता को जाति, वर्ग के दायरे में समेटकर वस्तुतः उन्हें अपमानित ही किया जा रहा है।

अतः आवश्यकता ऐसे इतिहास बोध की है जो विभिन्न वर्गों और जातियों के मध्य परस्पर प्रभाव और प्रतिपत्ति के संकोच प्रसार और राष्ट्र की यथार्थ एकता के योगक्षेम के अनुसार स्फुटित हो ताकि राष्ट्रीय समाज की एकात्मकता बनी रहे। जैसा कि भक्त कवि रज्जब का कहना था, 'बुंद पुकारै बुंद को गति मिलै सँजोय ।' अर्थात सभी बिन्दु एकत्र हो सकें, तभी साधना की धारा अव्याहत भाव से सागर की ओर चलेगी. यानि राष्ट्र की उन्नति का मार्ग अस्तित्व, व्यक्तित्व, और पहचान की संकीर्ण वृत्ति से नहीं बल्कि राष्ट्रीयता की मूल एकात्मकता के संस्कार से ही सुनिश्चित होगा।

(इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में परियोजना सहयोगी)

मंथन
राजेंद्र बज

रुकना चाहिए आत्महत्या का चिंताजनक सिलसिला

भागम-भाग की इस जीवन शैली में अलग-अलग कारणों के चलते मानसिक संताप से त्रस्त होकर आत्महत्या करने के मामले बहुतायत में देखें और सुने जा रहे हैं। समस्या कैसी भी हो, इतनी बड़ी नहीं हो सकती कि देव दुर्लभ माने जाने वाले मनुष्य भव का अस्तित्व दांव पर लगा दिया जाए। कानूनी रूप से ही नहीं, अपितु धार्मिक एवं सामाजिक दृष्टि से भी आत्महत्या को अपराध की श्रेणी में शुमार किया जाता है। यह अलग बात है कि इसमें सफल होने पर दोष सिद्धि के कोई मायने ही नहीं रह जाते, लेकिन जाने वाला अपने परिजन पर अपने जाने के बाद जो जिम्मेदारियां छोड़ जाता है, उसका बोझ परिजनों को ही उठाना होता है। दरअसल, हमें उन कारणों को चिन्हित करना होगा, जिसके चलते सामान्य व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो जाया करता है। आत्महत्या के कारण के मूल में आर्थिक तंगी, पारिवारिक कलह, गंभीर बीमारी और प्रेम प्रसंग को प्रमुख रूप से रेखांकित किया जा सकता है। ऐसी स्थिति में कानूनी प्रावधान के साथ-साथ सामाजिक चेतना को और अधिक जागृत करने की दिशा में गंभीर कदम उठाने की नितांत आवश्यकता है। ऐसे विधि सम्मत प्रावधान होने चाहिए कि कोई भी कर्जदार व्यक्ति कर्जदाता के खौफ में रहकर आत्महत्या जैसा कठोर कदम न उठाए। हालांकि इस संबंध में वैधानिक प्रावधान तो अवश्य है, लेकिन पर्याप्त जानकारी के अभाव में पीड़ित पक्ष इसकी शरण नहीं ले पाता। व्यवहार में देखा गया है कि आवश्यकता होने पर ऊंची से ऊंची ब्याज दर का भुगतान करने की शर्त के आधार पर कहीं और, और अधिक लाभ की प्रत्याशा में बाजार से पैसा उठा लिया जाता है। ऐसे में व्यापारिक उतार-चढ़ाव के चलते लाभ हो न हो, लेकिन भारी-भरकम ब्याज चुकाने की जिम्मेदारी आयद हो जाती है। इसके चलते हताशा इस कदर हो जाती है कि व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठाने को विवश हो जाता है। इस संदर्भ में बाजार में प्रचलित ब्याज दर पर नियंत्रण की अत्यंत आवश्यकता है। जहां तक घर-परिवार के संचालन में आर्थिक तंगी का सवाल है, तो शासन स्तर पर व्यक्तिगत जिम्मेदारियों के निर्वहन हेतु अतिरिक्त प्रावधान भी किए जाने चाहिए। हालांकि जीवन की अधिकांश अनिवार्य आवश्यकताओं की आपूर्ति करने की दिशा में केंद्र तथा राज्य सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। इसके बावजूद बिना किसी औपचारिकता को पूर्ण किए, ऐसी व्यवस्था का लाभ आम आदमी को नहीं मिल पाता। यह बात जरूर है कि वर्तमान दौर में अनिवार्य आवश्यकताओं में नाना प्रकार की आवश्यकताओं का विस्तार हो गया है। लेकिन जीवनरक्षक आवश्यकताओं की पूर्ति तो की ही जा सकती है। मालवा में ऐसा माना जाता है कि जहां चार बर्तन होते हैं, वहां बजने की संभावना बलवती होती है। बहुत स्वाभाविक है कि परिवार में सदस्य विशेष के कार्य या व्यवहार से अन्य सदस्यों को इतनी तकलीफ होने लगे कि बात तकरार पर आ जाए। आए दिन परिवार में कलह होने लगे। ऐसी स्थिति में हो सकता है कि अपने मान-सम्मान और स्वाभिमान को दांव पर लगा देखकर कोई सदस्य आक्रोश या घोर हताशा के चलते आत्महत्या जैसा कदम उठा लें। ऐसी स्थिति में पास-पड़ोसियों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। इस संदर्भ में बेहतर हो यदि हर कोई अपने पास-पड़ोस में होती कलह के कारणों को दूर करने का स्वतः संज्ञान लेवे।

आत्महत्या के अन्य कारणों में गंभीर बीमारी और प्रेम-प्रसंग को लिया जा सकता है। ये कारण दरअसल इतने व्यक्तिगत होते हैं कि अनेक बार परिजनों को भी इसकी भनक नहीं लग पाती। ऐसे में यह जिम्मेदारी भी परिवार के सदस्यों पर छोड़ी जा सकती है कि किसी सदस्य विशेष के आचार-विचार और व्यवहार में यदि असामान्य परिवर्तन दिखाई दे, तो समय रहते ऐसे परिवर्तन के कारणों को चिन्हित करते हुए उसके निदान की समुचित व्यवस्था बनाए। कुल मिलाकर हर एक दूसरों के प्रति जिम्मेदार बनने की कोशिश करें, तभी आत्महत्या के दौर को नियंत्रित किया जा सकेगा। हालांकि, एक रिपोर्ट के अनुसार मनोविज्ञान के क्षेत्र में, विशेषज्ञ आत्महत्या की समस्या से निपटने के लिए अपनी विशिष्ट क्षमताओं का उपयोग कर रहे हैं। मौलिक वैज्ञानिक आत्महत्या के विचारों और व्यवहार से जुड़े मस्तिष्क परिवर्तनों और जोखिम कारकों का अध्ययन कर रहे हैं। व्यावहारिक वैज्ञानिक जोखिम में पड़े लोगों की पहचान करने के नए तरीके खोज रहे हैं। नैदानिक शोधकर्ता नए उपचारात्मक उपायों का परीक्षण कर रहे हैं, और जमीनी स्तर पर कार्यरत चिकित्सक संघर्षरत लोगों तक उपचार पहुंचाने में मदद कर रहे हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य के प्रति जागने में ही है 'जीवन की महत्ता'

संकलित
दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का इस जगत में आना एक संयोग है और यह संयोग परमात्मा की कृपा की देन है, लेकिन संसार में सभी के आने का संयोग कुछ पाने के लिए है, खोने के लिए नहीं। इसलिए कि खोना आसान है, परंतु पाना बहुत ही कठिन है। संसार में प्रायः लोग सोने वाले हैं, जागने वाले कम। जागने वाले ही कुछ पाते हैं और सोने वाले सब कुछ खो देते हैं। जागने वाले ही इस संसार में जीवित हैं और सोने वाले मृत। सच्चाई के लिए जागना ही है, जड़ता का त्याग। जड़ता के त्याग के बिना पशुता की स्थिति से उबरना संभव नहीं है। जड़ता सुषुप्ति की अवस्था है और जड़ता का त्याग जागृतावस्था। जागृतावस्था में जीवन के उत्थान, विकास, महानता प्राप्ति का संयोग है और सुषुप्तावस्था में मृत्यु, पतन, अवनति, निंदा, दुखभरी स्थिति है। जागने में भलाई है और सोने में बुराई है। यह पतन की ओर ले जाने वाला है। व्यक्ति जन्म के समय न कुछ लेकर आता और न ही मृत्यु के समय कुछ लेकर जाता है। झूठ बोलकर की गई सारी कमाई यहीं रह जाती हैं, लेकिन सत्य की कमाई सदा साथ रहती है। त्याग, प्रेम, सत्य, जिम्मेदारी के प्रति जागना ही जीवन में सत्कर्म है और यह सत्कर्म ही पुण्य की कमाई है, जो कभी नष्ट नहीं हो सकती। परमात्मा तो सिर्फ सत्य मार्ग पर चलने वाले का साथ देता है और कुमार्गगामी को दंड भी देता है। सत्य के प्रति सजगता ही चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना होता है। इसके विपरीत असत्य के प्रति चेतना की जागृति विनाश, पतन का मूल है। परमात्मा प्रदत्त यह काया क्षणभंगुर है, पर इसके अंदर स्थित आत्मा अविनाशी है।

किसी के बारे में पहले से राय नहीं बनानी चाहिए

संकलित
प्रेरणा

बुद्ध अपने शिष्यों को अलग-अलग घटनाओं की मदद से भी उपदेश दिया करते थे। उनका एक शिष्य ऐसा था जो किसी से ज्यादा कुछ बोलता नहीं था। वह सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता, काम पूरा होने के बाद एकांत में चला जाता। वह ध्यान में बैठे रहता था। कुछ शिष्य बुद्ध से एकांत में रहने वाले शिष्य की शिकायतें करने लगे। धीरे-धीरे उस शिष्य की बुराई ज्यादा होने लगी। बुद्ध के पास उस शिष्य की शिकायतें और ज्यादा पहुंचने लगी तो बुद्ध ने सोचा कि इस शिष्य से बात करनी होगी, उसके लिए इतनी शिकायतें क्यों आ रही हैं? एक दिन बुद्ध ने एकांत में रहने वाले शिष्य से पूछा कि तुम ऐसा क्यों करते हो? सभी लोग तुम्हारी शिकायतें कर रहे हैं। उस शिष्य ने कहा कि तथागत आपने घोषणा कर रखी है कि कुछ दिनों में आप ये संसार छोड़ देंगे तो मैंने ये तय किया है कि जब तक आप यहां हैं, मैं आपसे एकांत और मौन का महत्व समझ लूं। आपके बाद मुझे इन बातों को कोई और कैसे समझाएगा। शिष्य की बातें सुनकर बुद्ध ने अन्य शिष्यों से कहा कि तुम सभी इस शिष्य की गलत शिकायतें कर रहे हो। तुम लोगों ने इसे जाने बिना इसके बारे अपनी गलत राय बना ली है। तुमने देखा कुछ और समझा कुछ। तुम सभी की आदत है कि दूसरों को गलत तरीके से परखते हो।ध्यान रखें हमें किसी भी व्यक्ति के लिए जल्दबाजी में कोई राय नहीं बनानी चाहिए। किसी व्यक्ति से मिलते समय उसके बारे में पहले से कोई राय न बनाएं। पहले उस व्यक्ति की गतिविधियों को देखें, समझें और फिर किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए।

अंतर्मन

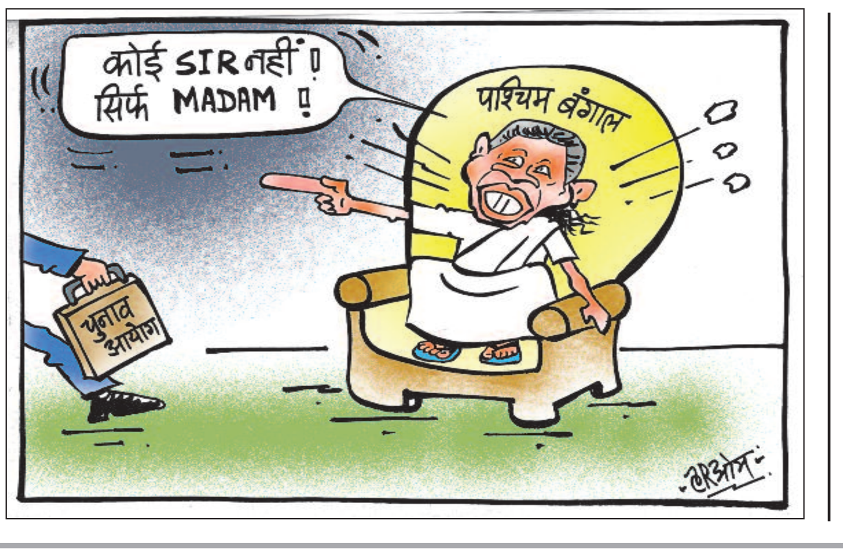

आज की पाती

जैविक खेती को बढ़ावा मिले

फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक से कृषि करना जरूरी है, क्योंकि इससे किसानों को ज्यादा फायदा हो सकता है। हमारे देश का किसान अब आधुनिक तकनीक से कृषि करने लगा है। लेकिन अगर विज्ञान का उचित प्रयोग किया जाए तो यह प्राणी जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकती है, और अनुचित प्रयोग अभिशाप भी बन जाता है। कुछ किसान अपनी फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी दवाइयों, खादों का प्रयोग करते हैं, जो उनकी फसलों को किसी भी रूप में नुकसान पहुंचा सकते हैं, उस पर उनका विपरीत असर भी पड़ता है। फल-सब्जियों की पैदावार या इनकी संभाल करने के लिए भी जो रासायनिक खादों और अन्य कैमिकल का प्रयोग किया जा रहा है, वह भी शरीर के लिए बहुत ज्यादा हानिकारक है। इसलिए जैविक खेती को बढ़ावा देने की सख्त जरूरत है। *- पंकज साहू, धमतरी*

ट्रेंड

पूर्व राष्ट्रपति को श्रद्धांजलि

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। उनकी संविधान की गहरी समझ ने सार्वजनिक पदों पर उनके कार्यकाल को परिभाषित किया। उनका जीवन और कार्य हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को निरंतर प्रेरित करते रहेंगे।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

खण्डित आज़ादी

वर्ष- 1937 में मुस्लिम लीग ने 'वन्दे मातरम् ' का विरोध किया जिसको कांग्रेस ने स्वीकार किया था। वर्ष- 1947 में कांग्रेस ने भारत को खण्डित आज़ादी दिलाई थी, इसी तरह 'वन्दे मातरम' के शुरुआत के दो अंतरे लेकर उसे भी खण्डित किया था।
-जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

असमान अर्थव्यवस्था

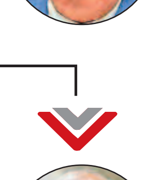

अरबपति मित्रों को बांटों देश की संपत्ति, गरीबों पर भाजपाई लूट की रोज़ाना विपत्ति ! मोदी सरकार ने भारत को दुनिया की सबसे असमान अर्थव्यवस्था बना दिया है। भारत में 10% सबसे अमीर लोगों के पास देश की 58% संपत्ति है, और निचले स्तर पर गरीब 50% लोगों के पास केवल 15% हिस्सा।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

एआई कंटेंट की क्रांति

अधिकतर लोग यह मान चुके हैं कि एआई कंटेंट बाजार में क्रांति ला रहा है, लेकिन वे यह नहीं मान रहे हैं कि यह नए आईपी (बौद्धिक संपदा) के निर्माण और प्रसार की लागत को भी काफी कम कर रहा है।
- शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

हत्या-आत्महत्या घटना में चैटजीपीटी पर मुकदमा

अमेरिका में कनेक्टिकट की 83 वर्षीय महिला के परिवार ने चैटजीपीटी निर्माता ओपनएआई और उसके व्यापारिक साझेदार माइक्रोसॉफ्ट पर मुकदमा कर आरोप लगाया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले चैटबॉट ने उनके बेटे के 'भ्रम' को और बढ़ा दिया तथा अपनी मां की हत्या करने के लिए उकसाया। पुलिस ने बताया कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में काम करने वाले पूर्व कर्मचारी 56 वर्षीय स्टीन-एरिक सोएलबर्ग ने अगस्त की शुरुआत में कनेक्टिकट में स्थित घर में अपनी मां सुजैन एडम्स की पीट-पीटकर और गला घोंटकर हत्या कर दी। मां-बेटे इसी घर में रहते थे। एडम्स के परिवार द्वारा बृहस्पतिवार को सैन फ्रांसिस्को में स्थित अदालत में दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि ओपनएआई ने 'एक दोषपूर्ण उत्पाद डिजाइन व वितरित किया जिसने एक उपयोगकर्ता के अपनी मां के बारे में मनगढ़ंत भ्रमों को सही साबित कर दिया।' देश भर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट निर्माताओं के खिलाफ मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। मुकदमे में कहा गया है, 'इन सभी बातचीत के दौरान, चैटजीपीटी ने एक ही खतरनाक संदेश को दोहराया कि स्टीन-एरिक को अपने जीवन में किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहिए, सिवाय चैटजीपीटी के।'

ऑफ बीट

बोतलबंद पानी पीने के मिले अनदेखे स्वास्थ्य जोखिम

पानी के प्रति बढ़ते अविश्वास के कारण बोतलबंद जल का सेवन दुनियाभर में एक आदत बन गयी है। यहां तक कि उन देशों में भी ऐसा हो रहा है जहां सार्वजनिक जलापूर्ति की बहुत गहराई से जांच की जाती है। बाजार ने बोतलबंद पानी को शुद्ध, स्वस्थ और अधिक सुविधाजनक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया है, लेकिन वैज्ञानिक प्रमाण एक अलग कहानी बताते हैं। शुद्धता के एहसास को केंद्र में रखकर बोतलबंद पानी के सेवन की अपील की जाती है, फिर भी शोध यह दिखाते हैं कि इससे अक्सर स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए जोखिम खड़े होते हैं। इस साल एक शोध में पता चला कि बोतलबंद पानी उतना सुरक्षित नहीं हो सकता जितना कई लोग मानते हैं। दोबारा भरने करने योग्य जग और प्लास्टिक की बोतलों में बेचे जाने वाले पानी पर किए गए परीक्षणों के दौरान बैक्टीरिया संदूषण का स्तर उच्च पाया गया। अधिकांश विकसित देशों में, नल के पानी को बोतलबंद पानी की तुलना में कड़े कानूनी और परीक्षण मानकों के तहत परखा जाता है। रोजाना सार्वजनिक जलापूर्ति में बैक्टीरिया, भारी धातुओं और कीटनाशकों की जांच की जाती है। ब्रिटेन में, पेयजल परीक्षण के परिणामों को खुले रूप से प्रकाशित किया जाता है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

नाला में मिला शव पुलिस जांच में जुटी

डौंडीलोहारा। विकासखंड के अंतर्गत चौकी पिनकापार क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक घटना सामने आई, ग्राम पिनकापार स्थित शराब भट्टी के सामने नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही चौकी पिनकापार पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चौकी प्रभारी अजीत महोबिया ने बताया कि ग्राम पिनकापार के निवासी अंग्रेज प्रजापति ने ग्राम सरपंच तारण रजक के साथ चौकी पहुंचकर मौखिक सूचना दी कि लगभग दोपहर 12 बजे उन्हें नाले में एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की जानकारी मिली। सूचना मिलने पर उन्होंने स्थल पर जाकर देखा कि करीब 35–40 वर्ष आयु का एक अज्ञात पुरुष नाले के पानी में डूबा हुआ मृत अवस्था में पड़ा है।

जहर सेवन से एक युवक की मौत

धमतरी। अज्ञात कारणों से एक युवक ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर आत्महत्या कर ली है। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार वेदराम साहू पिता रामाधार उम्र 45 वर्ष ग्राम भोथा थाना मगरलोड निवासी शराब पीने का आदी था। बुधवार को भी उसने शराब का सेवन किया था। दोपहर में वेदराम नहाने के बाद उल्टी कर रहा था। जहरीली दुर्गंध से परिजनों को उसके जहर सेवन करने की जानकारी हुई।

आत्मसमर्पण के बाद डंप जब्त होने से पुलिस को मिली बड़ी सफलता

जंगल में मिला नक्सली डंप, वर्दी रायफल व विस्फोटक का जखीरा

लमरा में पुलिस की दबिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

जिले में पुलिस बल द्वारा चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत लमरा के जंगल में दो स्थानों पर नक्सली डंप मिली है। जिसमें रायफल सहित कई सामग्रियां बरामद की गई है।

ज्ञात हो कि जिले में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को गत दिवस बड़ी सफलता मिली थी। जिसमें एमएमसी जोन सीसी मेंबर रामधेर सहित 12 ईनामी नक्सलियों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष हथियार सहित आत्मसमर्पण कर दिया था। बताया गया कि पुलिस का नक्सल उन्मूलन अभियान और भी तेज कर दिया है। जिसके तहत लमरा जंगल में दो स्थानों से भारी मात्रा में नक्सली डंप सामग्री बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार नक्सलियों के डंप में इंसास एलएमजी रायफल-1 नग, 303 रायफल-2 नग (58 जिंदा राउंड), 12 बोर गन-1 नग (25 राउंड), बीजीएल-1 नग (5 सेल में 4 जिंदा एवं 1 खाली), वर्दी कपड़े-2 सेट, पोच-2 नग, पिट्ठू-2 नग, तिरपाल, मेडिकल सामग्री, नक्सली सहित्य एवं अन्य सामग्रियां बरामद की गई है।

डंप में छिपाकर रखे थे सामान

बताया गया कि पुलिस टीम द्वारा पूछताछ करने पर उनके द्वारा थाना बकरकट्टा अंतर्गत लमरा जंगल में दो स्थानों पर नक्सलियों द्वारा डंप छुपाकर रखने की जानकारी दी गई थी। सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने तत्काल सघन तलाशी अभियान चलाया और दो अलग-अलग स्थानों में मिट्टी के नीचे छुपाकर रखे नक्सलियों की भारी डंप में हथियारों, विस्फोटकों और दैनिक उपयोग की सामग्रियों का बड़ा जखीरा बरामद करने में पुलिस को सफलता मिली है।

आत्मसमर्पण के बाद अभियान तेज

पुलिस के अनुसार राजनांदगांव रेंज में नक्सलियों के विरुद्ध लगातार चलाए जा रहे व्यापक और सघन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को एक और महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। 8 दिसंबर को एमएमसी जोन के एक करोड़ पांच लाख रुपए के ईनामी नक्सली सीसी मेंबर रामधेर समेत 12 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष हथियार के साथ आत्मसमर्पण किया था।

हाईकोर्ट ने छग में 14 वें मंत्री मामले में सुनवाई से किया इंकार

बिलासपुर। हाईकोर्ट में छत्तीसगढ़ के 14 वें मंत्री के नियुक्ति मामले में कांग्रेस के सुशील आनंद शुक्ला की को-वारंटो याचिका पर आज हाईकोर्ट ने सुनवाई से इनकार दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता श्री शुक्ला को कहा कि वह पीआईएल लगाकर ही हस्तक्षेप करें। पहले से पीआईएल रायपुर के सामाजिक कार्यकर्ता वासु चक्रवर्ती ने दायर की है जो कोर्ट में चल रही है। इससे पूर्व राज्य सरकार में 14 मंत्रियों को शामिल करने के विरोध में कांग्रेस की ओर से दायर याचिका में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा था कि इस बारे में एक याचिका जो पहले से चल रही है उसके साथ ही इसकी भी सुनवाई की जाएगी। छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर हाईकोर्ट में कांग्रेस की ओर से संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने यह नई याचिका लगाई है।

बाइक की आपस में भिड़ंत दो युवकों की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

फिंगेश्वर मुख्य मार्ग पर गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कोमा गांव के पास हुआ, जहां दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों के आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। मृतक व घायल तीनों ही ग्राम बोरसी के निवासी बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों मोटरसाइकिलें काफी तेज रफ्तार में थीं। जैसे ही वाहन कोमा मोड़ के पास पहुंचे, अचानक आमने-सामने टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर तक गिर पड़े, जबकि एक बाइक पर सवार 12 वर्षीय बालक बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना तत्काल राजिम थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही राजिम पुलिस मौके पर पहुंची। दो युवकों को सिर में गंभीर चोटें आई थीं, जिसके कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खेल से जीवन बदलता है, संकल्प ही असली ताकत : मेरीकॉम

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर ओलंपिक खेलों के शुभारंभ अवसर पर 11 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज और ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट चैंपियन मेरीकॉम प्रियदर्शिनी स्टेडियम पहुंचीं। उनके आगमन से मैदान में मौजूद हजारों खिलाड़ियों में जोश और उत्साह उमड़ पड़ा। मेरीकॉम ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनकी मेहनत और जज़्बे की सराहना की तथा आगामी मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दीं। मीडिया से बातचीत में मेरीकॉम ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा ट्राइबल युवा-युवतियों को खेलों से जोड़ने का प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि ट्राइबल खिलाड़ी किसी भी मंच पर कम नहीं हैं और आने वाले समय में वे अपने गांव व राज्य का नाम देश-दुनिया में रोशन करेंगे।मेरीकॉम ने कहा कि एक गरीब परिवार से आती हैं, लेकिन खेल ने नई पहचान और नई दिशा दी। मुक्केबाजी की शुरुआत में मेरे पास बेहतर सुविधाएं नहीं थीं फिर भी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प ने आज इस मुकाम पर पहुंचाया। मेरीकॉम ने कहा कि अवसर मिला तो भारत के नियाग्रा कहलाने वाले प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात अवश्य जाएंगी।

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR
e-Procurement Tender Notice
Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in
(1st Call)

NIT NO: 76/EE/WATER/2025 RAIPUR DATED :10/12/2025

Online bids are invited for the following works up to 01/01//2025 at 17:30 hours

Sr. No.	System Tender No.	Name of work / Description of work	Probable amount of contract (In Rs.)
1	181601	Silt cleaning of various OHT of RMC- 44 Nos.	48,79,500.00

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate. gov.in from 01/01/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Details and other documents.

Note:- 1. All eligible / interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.

2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System.*Help Desk at Toll Free No.* 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरों से निकलने वाले सूखा और गीला कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

EXECUTIVE ENGINEER
WATER
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, कांकेर (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 181371 निविदा सूचना क्र. 35 / व.ले.लि. / 2025-26 दि. 10.12.2025

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 31.12.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती हैः-

कार्य का नाम – कांकेर जिले के विकासखंड दुर्गकोंदल के पलाचुर जलाशय का जीर्णोद्धार अंतर्गत भवन व बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य ।

अनुमानित लागत – रू. 52.03 लाख

(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 17.12.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कांकेर

G-252605407/1

बस्तर की धरती पर खेलों का नया इतिहास लिखा जा रहाः सीएम साय

जगदलपुर । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि खेल मैदानों में उमड़ रही भीड़ बताती है कि बस्तर के लोग नक्सलवाद की छाया से बाहर निकलकर शांति, विकास और प्रगति की राह चुनना चाहते हैं। बस्तर बदल रहा है और यह परिवर्तन खेल जैसे आयोजनों के माध्यम से और भी सशक्त रूप में सामने आ रहा है। यह सिर्फ़ खेल आयोजन नहीं बल्कि बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं का उत्सव है। उन्होंने बताया कि बस्तर ओलंपिक पूरे प्रदेश में उत्साह का प्रतीक बन चुका है। इस मंच से ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है।

हसदेव नदी में डूबने से 3 बच्चों की मौत

जांजगीर- चाम्पा। हसदेव नदी में डूबने से 3 बच्चों की मौत हो गई। तीनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे। खेलने के लिए बुधवार को अपने अपने घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक नहीं लौटे। एस डी आर एफ की टीम ने कई घंटे की मशक्कत के बाद गुरुवार को तीनों का शव नदी से बाहर निकाला। चाम्पा नगर के जगदल्ला में रहने वाले नेलशन एक्का, रूद्र राज और युवराज राठौर कक्षा पांचवी, आठवीं और नवमी के छात्र थे। तीनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। बुधवार को स्कूल में छुट्टी होने के कारण तीनों बच्चे दोपहर में अपने अपने घर से खेलने निकले थे। शाम तक नहीं लौटने पर घरवालों ने उनकी खोजबीन शुरू की और पुलिस को सूचना दी। बच्चो के पास मोबाइल भी था, लेकिन फोन रिसीव नहीं हो रहा था। पुलिस ने मोबाइल का लोकेशन ट्रेस किया और खोजबीन करते हुए हनुमान धारा के पास पहुंची। पुलिस को यहां घाट में बच्चों के कपड़े और चप्पल मिले। पास में ही साईकिल और मोबाइल भी था। पुलिस और एस डी आर एफ ने नदी में तलाश शुरू की, लेकिन रात होने के कारण कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद एनीकट का गेट बंद कर नदी की धार कम कराई गई। रातभर में पानी कम होने पर गुरूवार को सुबह करीब 11.30 बजे एक एक कर तीनों बच्चों की लाश मिली।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

मैनपुर। देवभोग थाना क्षेत्र के गिरसूल के आश्रित ग्राम बागगोडा में 27 वर्षीय यशवंत ध्रुव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक का शव घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच -130 के किनारे नीम के पेड़ पर लटका मिला। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। यशवंत ने दोपहर 12:19 बजे व्हाट्सऐप स्टेटस पर वैततल संस व लिवन लिखकर अपना आखिरी संदेश छोड़ा था। कुछ घंटों बाद लगभग 3 बजे उसका शव पेड़ पर देखा गया। स्टेटस से साफ है कि युवक किसी गहरे मानसिक तनाव से गुजर रहा था ग्रामीणों और परिजनों ने शव देखकर तुरंत देवभोग पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। थाना प्रभारी देवभोग फैजुल होदा शाह के अनुसार घटनास्थल से पंचनामा, मोबाइल स्टेटस व कॉल डिटेल, पेड़ की स्थिति और जमीन के निशान सहित आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Bhilai : 6267136903

Appointment आवश्यकता

सुरक्षागार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- कंप्यूटर ऑपरेटर 2 टेंडर कार्य, मार्केटिंग ऑफिसर 3, योग्यता MA/ MBA सुपरवाइजर 15, सुरक्षा गार्ड 66, वेतन 13000, 10000/- संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7747000016, 7746000016, 7746000019. (RO-348)

आवश्यकता है- G.S सिक्योरिटी ,को रायपुर के लिए सिक्योरिटी गार्ड की, सेलरी. 13000 से 14000, सुपरवाइजर,16000.17000, रहने की सुविधा फ्री EPF and ESIC लागू, संपर्क करें - 9993335387.(RO-6598)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल खिलौना दुकान बंजारी चौक, गोल बाजार के पास कार्य हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है संपर्कः- रायपुर 9827918086, 9685688086. (RO-410)

आवश्यकता है- हार्डवेयर नट बोल्ट दुकान में काम हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है योग्यता पांचवी, बारहवीं वेतन 14000 से योग्यतानुसार बॉम्बे मार्केट राज टॉकीज के सामने - 83491 29778.(RO-4046)

आवश्यकता है- भिलाई दवाई दुकान में काम करने हेतु युवक एवं युवतियो की आवश्यकता है । संपर्क करें- 96853-63113, 94255-65705. (आरो नं.-10323)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- शहर से बाहर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 तक अविवाहित युवकों की अतिशीघ्र आवश्यकता है , योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन -12000 रहना खाना फ्री , ट्रेनिंग के बाद कमाए 20 से 25 हजार महीना 8871422576, 9981576163 (Ro-515)

आवश्यकता है- ग्वालियर में ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं ग्रेजुएट अविवाहित लड़के चाहिए. वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ कमाए 15000-20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया का कोई शुल्क नहीं लगेगा संपर्क करे - 9039470547.(RO-520)

आवश्यकता है- Ocean कम्पनी में ऑफिस हेतु 18-28 वर्ष के लड़के, लड़कियां चाहिए योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट आय 10500 से 18000, रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752337082.(RO-39365)

इंजीनियर

आवश्यकता है- डिप्लोमा/ बीई मैकेनिकल इंजीनियर, आईटीआई फिटर, स्टोर कीपर (टैली अनुभवी) चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- रायपुर हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड मेटल पार्क रायपुर Email - raipurhyd@gmail.com 8871739555, 8770949941.(RO-39358)

सेल्समैन/ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित सोना चांदी शोरूम में कार्य हेतु सेल्समेन एवं ऑफिस बॉय की आवश्यकता है संपर्कः- राय सोनी ज्वेलर्स राम मंदिर के पास गांधी चौक दुर्ग MO. 9425557772. (आरो नं.-10321)

ऑपरेटर/दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक कपड़ा दुकान में स्टाफ की आवश्यकता है कम्प्युटर पर बिलिंग के लिए कम्प्युटर ऑपरेटर तथा दुकान कार्य हेतु 10 से 15 लड़के चाहिए। मिलने का समय दोपहर 3 से 6 बजे तक चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर डी 29- 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर संपर्कः 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7265)

क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक में कार्य करने के लिये 8वीं, 10वीं, पास लड़की की आवश्यकता है। मिलने का समय सुबह 10 से 2, शाम 5 से 8। दांत का दवाखाना, प्रथमतल, समता शॉपिंग आर्केड मेनरोड समताकॉलोनी रायपुर (RO-0094)

वेल्डर चाहिए

वेल्डर चाहिये- किराया भंडार में काम करने के लिए वेल्डर की आवश्यकता है। संपर्क करें- 9827140068. (RO-6594)

टेलर

आवश्यकता है- टेलर की आवश्यकता हैः- बुटीक में लेडिज ड्रेसेस/ कपड़ों की सिलाई हेतु फूल टाइम अनुभवी टेलरो आवश्यकता हैं, जिन्हें कटिंग आती हो। आकर्षक पारिश्रमिक। कान्हा कलेक्शन, कृष्णा टॉकीज के पास, समता कॉलोनी, रायपुर फोन 9302305800.(RO-6597)

शॉप/सेल्समैन वर्क

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में काम करने के लिए लड़का/ लड़की की आवश्यकता एवं अनुभवी सेल्समैन की आवश्यकता है मोबाइल 7067048454. (RO-6596)

आवश्यकता

आवश्यकता है- क्लिनीक/दवा कंपनी में कार्य हेतु, 10वीं/12वीं, पढ़े लड़की/लड़के की आवश्यकता है, दुर्ग निवासी को प्राथमिकता। मिलने का समय-शाम 5से 7बजे, संपर्क- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फायनेंस के पीछे दुर्ग, डॉ . एच. सी .अग्रवाल- 94255-55659 ,96177-89223.(आरो न.-4123)

अन्य

आवश्यकता है- Realince Jio 5-G कंपनी मे पार्ट टाईम / फुल टाईम SMS करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए घर बैठे (21500-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें- 9296821428.(RO-1255)

Finance फायनेंस

फाइनेंस -राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्कशीट, आधारकार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान, हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्पलाइन नंबरः- 9817098991, 9817098991.(RO-412)

हरिभूमि क्लासीफाईड

Property प्रापर्टी

जमीन

सर्वसुविधायुक्त जमीन (कृषि फार्म हाउस) अत्यंत बिकाऊ है
✓31 एकड़ फार्म हाउस बिकाऊ है। 50 लाख की बंगला 3 ट्यूबवेल ट्रांसफार्मर राजमार्ग से 3 किलोमीटर दूर मेन रोड से लगा हुआ है पीछे नदी सर्व सुविधा युक्त फार्म हाउस कारखाना, हॉस्पिटल, विद्यालय, फैक्ट्री, खेती एवं कृषि कार्य हेतु कीमत 55लाख प्रति एकड़। ग्राम सिंघनपुरी तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा।
✓राजमार्ग से 1 किलोमीटर मेन रोड से लगा हुआ 55 एकड़ फार्म हाउस 50लाख रुपए का नव निर्मित घर पीछे नदी 9 बोर, ट्रांसफार्मर जमीन के अन्दर काटा तार से घिरा हुआ। सुज्जित फार्म हाउस 75लाख प्रति एकड़। पता अंधियारखोर, तहसील- नवागढ़, जिला- बेमेतरा।
खरीददार व्यक्ति ही संपर्क करें जय महाकाल प्रापर्टी डिलिंग पण्डित चौक, कुण्डा रोड, तालुम संतबंधा, जिला मुंबेली 9238210014

मकान

बेचना है- अमलीडीह सेंट जोसेफ स्कूल रोड पर ईस्ट फेसिंग 1060 वर्गफीट प्लॉट एरिया में सर्वसुविधायुक्त 3 BHK डुप्लेक्स मकान 2000 वर्गफीट कंस्ट्रक्शन (पानी बोर सहित) अतिशीघ्र बेचना है संपर्क करें मोबाइल नंबरः- 9301690016.(RO-401)

For Rent किराया

दुकान/ गोडाऊन किराए से देना है- दुकान किराए से देना है महावीर टावर उरला मेन रोड (बिरगांव रायपुर) में 11x28 साइज 12 दुकान उपलब्ध है। और साथ ही 1000ft, 2000ft, 5000ft, गोडाऊन किराए पर देना है। मेन रोड उरला में संपर्क करें - 7566677048 (RO-6593)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग में ढीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क जे.जे. अहमद दवाखाना
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन - सोम से शनि
समय - 9 बजे से 5 बजे तक
रविवार - 9 बजे से 2 बजे तक
9098889899

इसे जरूर पढ़िये और समझिये

आप सभी जानते हैं कि एच.आई.वी. (H.I.V.) रोग का कोई ईलाज नहीं है क्योंकि यह वायरस रोग है किसी भी प्रकार के वायरस को मारने की दवा आज तक नहीं बना है इसलिए कि वायरस की (बॉडी) शरीर होता ही नहीं इसलिए किसी भी प्रकार की दवा इसे मार नहीं सकता इसलिए यह जानलेवा है यदि बैक्टिरिया (जीवाणु) जन्य रोग है तभी यह ऐन्टिबायोटिक दवा से मारा जा सकता है अतः यह वायरस की बीमारी जिस किसी के शरीर में है उसका शरीर ही इसे नष्ट कर सकता है इसे ही इम्यूनोथेरिपी कहते हैं वह केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही संभव है कई लोग रोग मुक्त हो चुके हैं। क्या आपको किसी प्रकार के वायरस (बैक्टिरिया) संक्रमण रोग है जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी छाले, चमड़ी का फटना, खुजली, लाल होना, पेशाब में जलन या पीप आना, मुंह में छाले, पेट के दहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग हेपेटाइटिस (ABC), सिफलिस, गौनोरिया (सुजाक) रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं। तुरंत खून की जाँच करायें।

ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई उपाय नहीं है, ये खुरापाती नीम हकीमों से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्नुनो थैरिपी पर आधारित केवल रस-रसायन में ही हैं।

वायरो ऐंड एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे, दुर्ग
मो.- 94255-55659
96177-89223, 93032-42200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

अमेजिंग
शिखर चंद जैन

ये हैं दुनिया के सुपर कोल्ड प्लेसेस

बच्चो, जाड़े के मौसम में जब टेंपरेचर 5-10 डिग्री सेल्सियस के आस-पास तक पहुंच जाता है तो हमें जोरों की ठंड लगने लगती है। जरा सोचो, अगर टेंपरेचर माइनस 80-90 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाए, तो क्या होगा? सोचकर ही कंपकंपी छूट गई न! दुनिया की कुछ ऐसी ही जगहों के बारे में हम बता रहे हैं, जहां पड़ती है कड़ाके की ठंड।

याकुत्स्क-साइबेरिया रूस

रूस के साइबेरिया में स्थित याकुत्स्क शहर दिसंबर के महीने में पूरी तरह से आइसक्रीम की तरह जम जाता है। इस महीने इस शहर का तापमान -31 से -41 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच जाता है। यहां महज चार घंटे के लिए सूरज की रोशनी मिलती है। याकुत्स्क को दुनिया का सबसे कम तापमान वाले शहर का खिताब मिला हुआ है। 5 फरवरी 1891 को यहां अब तक का सबसे कम तापमान -64.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। याकुत्स्क में पर्माफ्रॉस्ट का अनुभव होता है। पर्माफ्रॉस्ट का मतलब ठंडे तापमान के कारण जमीन का स्थायी रूप से जम जाना होता है। इस शहर की कुल आबादी 3 लाख 55 हजार है। *

पूर्वी अंटार्कटिक पठार अंटार्कटिका

पूर्वी अंटार्कटिक पठार, जिसे अंटार्कटिक पठार या किंग हाकोन सेवेन पठार भी कहा जाता है, पूर्वी अंटार्कटिका के लगभग दो-तिहाई हिस्से में फैला हुआ है। यह पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थान है। यहां अब तक का न्यूनतम तापमान -94.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसकी जलवायु अत्यधिक ठंडी और शुष्क है। यह एक विशाल महाद्वीपीय पठार है, जो लगभग 3,000 मीटर (9,800 फीट) की औसत ऊंचाई पर स्थित है। यह पठार एक मोटी, स्थाई बर्फ की चादर से ढंका हुआ है, जिसकी मोटाई कुछ जगहों पर साढ़े चार किलोमीटर तक हो सकती है। अत्यधिक ठंड के कारण यहां कोई जीव-जंतु नहीं पाए जाते हैं। यहां के कुछ तटीय क्षेत्रों को छोड़कर, वनस्पतियों के रूप में केवल लाइकेन और मॉस ही पाए जाते हैं। *

वोस्तोक स्टेशन अंटार्कटिका

वोस्तोक अनुसंधान केंद्र की स्थापना सोवियत संघ (पूर्व में रूस और कुछ अन्य देशों का संघ) ने 1957 में की थी। दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, दक्षिणी गोलार्ध के इस क्षेत्र में जुलाई 1983 में अब तक का न्यूनतम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क स्थानों में से एक है। यहां प्रति वर्ष लगभग 20 मिलीमीटर वर्षा होती है, लेकिन यहां पानी नहीं बर्फ बरसती है। *

क्लिंक स्टेशन ग्रीनलैंड

क्लिंक मौसम केंद्र, आर्कटिक सर्कल का सबसे ठंडा स्थान है। मध्य ग्रीनलैंड में स्थित क्लिंक स्टेशन में साल 1991 के दिसंबर में -69.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो ओम्याकॉन के पिछले रिकॉर्ड से -2 डिग्री सेल्सियस कम है। बच्चो, चिंता की बात यह है कि अत्यधिक ठंड के बावजूद, ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड की अधिकांश बर्फ पिघल रही है। *

ओम्याकॉन-साइबेरिया रूस

आर्कटिक सर्कल के उत्तरी ध्रुव पर स्थित ओम्याकॉन पृथ्वी पर सबसे ठंडा स्थाई रूप से बसा हुआ स्थान है। 1933 में यहां का न्यूनतम तापमान -67.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यहां सर्दियों के दौरान औसत न्यूनतम तापमान लगभग -50 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। 500 से कम आबादी वाले इस शहर में स्कूल केवल तभी बंद होते हैं, जब तापमान -55 डिग्री सेल्सियस से कम हो। यहां की अत्यधिक ठंड का एक कारण यह है कि यहां की पहाड़ियां ठंडी हवा को अंदर आने देती हैं और गर्म हवा को बाहर रखती हैं। इसके अतिरिक्त, दिन के समय यहां बहुत कम उजाला रहता है, जिससे तापमान और भी गिर जाता है। *

एमंडसन-स्कॉट स्टेशन अंटार्कटिका

दक्षिणी ध्रुव पर स्थित, एमंडसन-स्कॉट स्टेशन 1956 में बनाया गया था। यहां गर्मियों में छह महीने धूप और सर्दियों में छह महीने पूरी तरह अंधकार

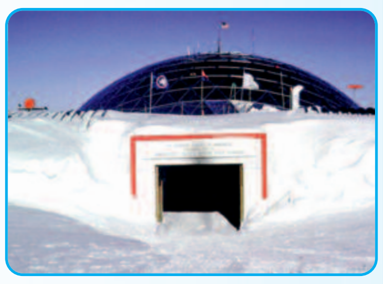

रहता है। पूर्वी अंटार्कटिक पठार के इस हिस्से में जून 1982 में सबसे कम तापमान -82.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इस स्टेशन का औसत वार्षिक तापमान लगभग -49.4 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहता है। यह दुनिया के सबसे दक्षिणी अनुसंधान केंद्रों में से एक है, जो अंटार्कटिका के ठंडे वातावरण में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करता है। यहां खगोल विज्ञान, भूकंप विज्ञान और जलवायु परिवर्तन जैसे विविध विषयों पर शोध किए जाते हैं। *

न ही नीला, न ही गाय फिर क्यों कहते हैं नीलगाय?

बच्चो, नीलगाय का नाम सुनकर ऐसा लगता है जैसे, यह कोई ऐसी गाय होगी, जिसका रंग नीला होता होगा। या नीले रंग की गाय होती होगी। लेकिन ऐसा नहीं है! जानो, नीलगाय के बारे में कुछ बातें।

जीव जंतु
नयनतारा

बच्चो, नीलगाय एक ऐसा जानवर है, जिसका नाम उसके गुणों से मेल नहीं खाता। नीलगाय न तो नीला होता है और न ही यह गाय है। तो फिर इस पशु को नीलगाय क्यों कहते हैं? क्या हैं इसकी शारीरिक विशेषताएं, जानो।

रंग अलग-रूप अलग: नीलगाय के शारीरिक रंग की बात करें तो इसका रंग इसके नाम के अनुरूप नीला नहीं, बल्कि स्लेटी या धूसर होता है। दूसरी बात कि यह गाय जैसा नहीं बल्कि घोड़े की तरह दिखाई देता है। हालांकि यह घोड़े की तरह तेज नहीं दौड़ पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि नीलगाय का पिछला हिस्सा अगले हिस्से से कम ऊंचा होता है।

नीलगाय नाम क्यों पड़ा: बच्चो, तुम सोच रहे होगे कि कलर और शारीरिक संरचना में इतना अंतर होने के बावजूद इसका नाम 'नीलगाय' क्यों पड़ा? दरअसल, इसका स्लेटी या धूसर रंग दूर से देखने पर 'नीला' दिखाई देता है। रंग की बात समझने के बाद अब यह भी जान लो कि इसके नाम में 'गाय' क्यों जोड़ा गया? इसका कारण यह है कि मादा नीलगाय अपने भूरे रंग के कारण गाय की तरह दिखती है। इन्हीं दो कारणों से इसे नीलगाय कहा जाता है। वैसे वैज्ञानिक तौर पर इसे हिरण परिवार का सदस्य माना जाता है।

क्या नीलगाय हिंसक होता है: बच्चो, हर जीव-जंतु की अपनी एक विशेषता होती है। कुछ काफी खतरनाक होते हैं, तो कुछ का स्वभाव बेहद शांत होता है। नीलगाय की बात करें, तो यह आमतौर से शांत स्वभाव का पशु है। लेकिन इसे छेड़ने पर यह घोड़े की तरह दुलत्ती भी मार सकता है। वैसे, नीलगाय दूर से देखने में बहुत ही प्यारा लगता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / अनुराग मनींद्र

बाल गीतों का मनभावन संग्रह

बच्चो, हाल ही में तुम्हारे लिए शिशु और बाल गीतों का एक प्यारा-सा संग्रह आया है, नाम है-कुहू। इसके रचनाकार हैं राजा चौरसिया। इस संग्रह में कुल 40 गीत संकलित हैं। इस संग्रह में गीतों का संकलन कुछ ऐसा है कि इसे पढ़-सुनकर हर उम्र के बच्चे को आनंद आएगा। इसमें अलग-अलग विषयों पर गीत हैं। 'कुहू', 'बंदर और बंदरिया', 'गोलू और गधा', 'तुलसी', 'भूमि की महिमा', 'ज्ञान और विज्ञान', 'ओ पापा!', 'मम्मी ने कहा', 'ओ मेरी नानी!', 'दादा जी', 'हम', 'होली आई रे!', 'उत्सवी उत्साह' जैसे गीत तुम्हें खूब भाएंगे। इनमें से कुछ में तुम्हें प्रकृति और पर्व-त्योहार की झलक मिलेगी। कुछ गीत तुम्हें प्यारी-सी सीख भी देंगे। संग्रह में 'कुहू' जैसे कुछ गीत बहुत ही छोटे हैं तो 'बचपन के दिन : ताक-धिनाधिन' जैसे थोड़े बड़े गीत भी हैं। इन गीतों को पढ़कर, गुनगुनाकर, अपने छोटे भाई-बहनों को सुनाकर तुम्हें बहुत मजा आएगा। इस संकलन में बाल गीतों के साथ उनसे मेल खाते सुंदर और मोहक चित्र भी छपे हैं। *

किताब : कुहू (शिशु एवं बाल गीत), **लेखक :** राजा चौरसिया,
मूल्य : 125 रुपए, **प्रकाशक :** पाथेय प्रकाशन, जबलपुर

बूझो तो जानें

1
कांच के लेंस में मैं बैठा हूं
दूर को पास दिखाता हूं।
गगन, चंद्रमा,नक्षत्रों के
गुप्त रहस्य बताता हूं।

2
न जल हूं, न कोई धार
फिर भी बहती हर घर-बार।
चमक दिखाऊं, काम कराऊं
मुझसे चलें मशीन हजार।

3
आंखों को न दिखाई देती
रहूं रात-दिन सबके पास।
पेड़ों की पत्तियां हिलाती
मुझसे ही लेते सब श्वास।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.दूरबीन, 2.बिजली, 3.हवा

जीके क्विज-183

1. वर्ष 2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स भारत के किस राज्य में आयोजित किया जाएगा?
2. मध्यप्रदेश के वर्तमान राज्यपाल कौन हैं?
3. चींटियों के काटने से किस एसिड के कारण जलन होती है?
4. फिडे वर्ल्ड कप का संबंध किस खेल से है?
5. दुनिया में सबसे अधिक ज्वालामुखी (वॉल्केनो) वाला देश कौन-सा है?
6. एफिल टॉवर किस शहर में स्थित है?
7. स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे?
8. सुभाष चंद्र बोस को सबसे पहले 'नेताजी' किसने कहा था?
9. मिट्टी का अध्ययन क्या कहलाता है?
10. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक पाई जाती है?

बच्चो, जीके क्विज-183 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-182 का उत्तर : 1. गुरु तेग बहादुर, 2. लक्ष्य सेन, 3. आरिफ मोहम्मद खान, 4.तिरुवनंतपुरम, 5. हरिवंश राय बच्चन, 6.प्रोपेन और ब्यूटेन, 7.विटामिन-डी, 8.नेपाल, 9.ऑस्ट्रेलिया, 10.सहारा

जीके क्विज-182 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ओमदेव-मुंगेली, शुभम-बलौदा बाजार, गुंजा-रायपुर, ज्योति-बैकुंठपुर, कनिका-रायपुर, अमन-दुर्ग, विकास-रोहतक, कार्तिक-महासमुंद, प्रवीण-बिलासपुर, रजत-भोपाल

कहानी
अंजना मनोज गर्ग

ठिठुरती सर्दी में गोलू रजाई में मुंह ढंके लेटा था। उसका स्कूल जाने का जरा भी मन नहीं था। तभी उसे लगा, उसकी रजाई उससे स्कूल जाने के लिए बोल रही है। गोलू को आश्चर्य हुआ कि रजाई बोल भी सकती है! क्या रजाई सचमुच गोलू से कुछ बोल रही थी, कोई सीख दे रही थी? पढ़ो, मजेदार कहानी।

रजाई की सीख

सुबह के सात बज गए थे। गोलू था कि रजाई में से निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था। मम्मी, रसोई में खाना बनाते हुए उसे जगाने के लिए बार-बार आवाज लगा रही थीं, लेकिन उसका रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं हो रहा था। बाहर बहुत तेज सर्दी थी। उसके लिए स्कूल जाना और भी कठिन था।

'मम्मी अभी आएंगी, मीठी-मीठी बातें करेंगी और झट से रजाई हटाकर मुझे तैयार करके स्कूल भेज देंगी। उफ! इतनी सर्दी है, मैं स्कूल नहीं जाऊंगा।' गोलू रजाई के भीतर मन ही मन बुदबुदाया।

'क्या बुदबुदा रहे हो गोलू?' एक आवाज आई।

'हुं..ह.. कौन!' एकदम से आई आवाज से गोलू चौंका। उसने रजाई से सिर बाहर निकाल कर देखा, बाहर कोई नहीं था।

'अरे! बाहर क्या देख रहे हो गोलू? मैं यहां तुम्हारी रजाई बोल रही हूं।' हंसती हुई रजाई कुछ फैल गई।

गोलू सकपकाया, धीमे से बोला, 'तुम बोलती भी हो!'

'हां, मुझे बोलना पड़ता है, जब गोलू जैसे बच्चे मेरा गलत फायदा उठाते हैं।' रजाई प्यार से बोली।

'अरे, मैंने क्या गलत फायदा उठाया तुम्हारा?' गोलू ने चिढ़ते हुए रजाई से पूछा। 'देखो तो दिन चढ़ आया है। तुम्हारे स्कूल जाने का समय भी हो रहा है। तुम्हारी मम्मी तुम्हें जगाने के लिए कितनी देर से आवाज लगा रही हैं, लेकिन तुम हो कि मुझे छोड़ना ही नहीं चाहते हो।' रजाई बोली।

एआई इमेज

'सर्दी कितनी तेज है, ऐसे में स्कूल कैसे जाऊं? तुम्हीं बताओ रजाई।' गोलू ने अपनी बात रखी।

'ओह तो ये बात है! अच्छा गोलू, एक बात बताओ, अगर मम्मी भी सर्दी में मुझमें दुबकी रहें, पापा भी ऑफिस न जाएं और दूध वाला, सब्जी वाला, अखबार वाला और भी सभी लोग मुझमें यह सोचकर दुबके रहें-भई सर्दी बहुत ज्यादा है, हम कोई काम नहीं करेंगे, फिर?' रजाई ने गोलू से सवाल किया।

'अरे! रजाई, अगर मम्मी खाना नहीं बनाएंगी तो मैं, छोटी, पापा सब भूखे रह जाएंगे न।' नन्हे गोलू का ध्यान किसी में नहीं बस मम्मी पर ही अटका था।

गोलू की इस मासूमियत पर रजाई जोर से हंस पड़ी, उसने पूछा, 'और बाकी सब?'

'वो तो उनके अपने काम हैं, उनको तो करने ही हैं। लेकिन मैं तो अभी छोटा हूं न!' गोलू मुंह बना कर बोला।

'छोटे हो, तभी तो तुम्हें केवल एक ही काम करना है, स्कूल जाकर पढ़ाई। बाकी सारे काम तुम्हारे मम्मी-पापा कर ही रहे हैं।' रजाई ने गोलू से कहा।

'हां! अब मैं समझ गया, रजाई।' सिर झुकाए-झुकाए गोलू बोला।

'क्या समझे?' रजाई ने मुस्कुराते हुए जानना चाहा।

'यही कि मुझे रोजाना समय पर तैयार होकर स्कूल जाना चाहिए, चाहे कितनी ही सर्दी हो।' गोलू उत्साह से बोला।

'हां, वेरी गुड! तो अब पहला काम तुम्हें क्या करना है?' रजाई ने गोलू का मन टटोला।

गोलू तुरंत बोला, 'मुझे अभी आपको छोड़कर स्कूल जाना होगा, लेकिन इतनी सर्दी...!'

'तो मैं हूं ना, जब तुम स्कूल से आओगे तो मैं अपनी गर्म-गर्म गोद में तुम्हें फिर से समेट लूंगी, मेरे प्यारे गोलू।' गोलू की बात पूरी होने से पहले ही रजाई बोल पड़ी।

तभी गोलू ने जैसे ही रजाई से सिर निकाला तो पाया कि मम्मी उसे जगा ही रही हैं।

'ओह, तो यह मैं सपना देख रहा था! लेकिन कुछ भी हो, रजाई ने सीख अच्छी दी।' गोलू मन ही मन बोला।

गोलू स्कूल के लिए तैयार हुआ तो बेड पर तह बनी रजाई उसे दिखाई दी। उसे लगा, स्कूल के लिए तैयार होते देखकर रजाई मुस्कुरा रही है। *

कविता
मीरा सिंह 'मीरा'

लाल परी

सपने में मिलने आई कल
प्यारी एक परी।
सुंदर-सुंदर पंखों वाली
लेकर हाथ छड़ी।।
पूछा मैंने नाम बताओ
बोली लाल परी।
लाल रंग के कपड़े पहनी
आंखें बड़ी-बड़ी।।
कानों में हंसकर वह बोली
बाहर तो निकलो।
परी लोक की सैर कराऊं
तुम भी साथ चलो।।
उड़ती-उड़ती जा पहुंची कल
परी लोक सच में।
पेड़ लगे थे चॉकलेट के
बागों में कितने।।

रंग भरो-191

रंग भरो-191 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

आन्या, दुर्ग

आशना, जांजगीर

अनन्या, महासमुंद

अंकित, धमतरी

अवनी, रायपुर

पयोनिधि, अंबिकापुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

डॉली-दुर्ग, प्रियंका-रायपुर, रितेश-मटियारी, डॉली-मटियारी, समृद्धि-शहडोल, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, सोनम-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, अंकुश-करनाल, तुषार-बिलासपुर, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 192

बच्चो, यहां अपने क्यूट-से टेडी बियर को गोद में लेकर बैठी एक लड़की का प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

जैकेट के शेष

सरकार ने जारी किया ...

प्रमाण पत्रों का पूर्ण परीक्षण किये बिना नियुक्ति आदेश जारी किये जाते हैं, जिसके कारण नियुक्त अधिकारियों के विरूद्ध फर्जी जाति,दिव्यांग प्रमाण पत्र आदि के संबंध में कई शिकायतें प्राप्त हो रहें है तथा न्यायालयीन प्रकरण निर्मित हो रहे है।

पैसों की बारिश के लिए...

बारिश के लिए तंत्र-मंत्र बताया गया। इस दौरान तांत्रिक द्वारा अशरफ मेमन, सुरेश साहू, नीतीश रात्रे के मुंह में नींबू नारियल बांधकर उनके गले में नायलॉन की रस्सी फंसा कर रस्सी खींची जा रही थी, तभी तीनों मूर्छित होकर कमरे में गिर पड़े। तांत्रिक ने वहां मौजूद अन्य लोगों को तीनों के मूर्छित होने की जानकारी दी। जब बहुत देर तक तीनो युवक होश में नहीं आए तो वहां मौजूद लोगों ने उनके परिजनों को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंचे और आनन फानन में तीनों को उपचार के लिए शहर के एक निजी अस्पताल में ले गये जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत तीनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। शहर के स्क्रैप कारोबारी सहित तीन लोगों की मौत की खबर फैलते ही जिले में हड़कंप मच गया और भारी संख्या में लोगों की भीड़ अस्पताल में जा पहुंची, तीनों की मौत कैसे हुई है यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि यह सब घटना तंत्र विद्या करने के दौरान होने की बात कही जा रही है। तीनो युवकों के शव का तीन चिकित्सकों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम करवाया गया है।

पैसा झरन क्रिया कर रहा था ..

थी, लेकिन इससे पहले ही तीन लोगों की मौत हो गई, जिले में इससे पहले भी हंडा खोजने या फिर हांडे के नाम पर ठगी की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। भोले भाले लोग तांत्रिकों के झांसी में आ जाते हैं और उनके जाल में फंसकर मोटी रकम या फिर अपनी जान ही गंवा देते हैं।

शिक्षा मंत्री यादव ने कहा-हर क्षेत्र ...

डीपीएस के वार्षिकोत्सव समारोह में गुरुवार को बतौर मुख्य अतिथि श्री यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में टॉप करने पर सम्मान पाने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आज के समय में अब केवल पढ़ाई में टॉप करने से काम नहीं चलने वाला है। हर क्षेत्र में अपने आपको तैयार करना है। डीपीएस द्वारा अपने छात्र-छात्राओं को न केवल प्रत्येक एक्टिविटी में शामिल किया जा रहा है, बल्कि हर क्षेत्र में विनर बनाने का काम भी किया जा रहा है। श्री यादव ने डीपीएस के बच्चों को प्रदेश स्तर पर टॉपर बताते हुए कहा कि ऐसे स्कूल में बतौर मुख्य अतिथि उनका शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। इसके लिए उन्होंने समारोह की अध्यक्षता कर रहे हरियाणा सरकार के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु सिंधु एवं हरिभूमि समूह के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का आभार जताया। उन्होंने बच्चों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए स्कूल के प्राचार्य को भी सफलता के लिए बधाई दी।

शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने रखी ...

शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ही कैप्टन अभिमन्यु ने यहां डीपीएस की नींव रखी थी। आज शिक्षा के क्षेत्र में डीपीएस ने अपनी अलग पहचान बनाने में सफलता पा ली है। इसके लिए उन्होंने सबको बधाई दी। डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने कहा कि किसी व्यक्ति का सफल होना उतना महत्व नहीं रखता, जितना उसका एक अच्छा इंसान होना महत्व रखता है। डीपीएस के बच्चों को देखकर ऐसा महसूस होता है कि वे अपनी संवेदना व सहनशीलता से समाज में एक मिसाल और पहचान कायम करने में सफल होंगे।

सीएम साय बोले-बस्तर ...

कि बस्तर के युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में स्पर्धा में भाग लेकर इस आयोजन के सहभागी बने। सबसे ज्यादा खुशी की बात यह है कि बस्तर ओलम्पिक में नुआ बाट के अधिकाधिक प्रतिभागियों ने शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बना दिया है। साथ ही बड़ी संख्या में हमारी बेटियां और बहनें हिस्सा लेकर महिला सशक्तिकरण को साबित कर रही हैं। सरकार बस्तर के युवाओं को समाज की मुख्यधारा में शामिल कर विकास में सहभागी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यही वजह है कि बस्तर के युवा लोकतंत्र में आस्था एवं विश्वास से जुड़ रहे हैं, वहीं विकास के मार्ग में आगे आकर भूमिका निभा रहे हैं। बस्तर ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता के विजेता विकास के मॉडल होंगे। भविष्य में बस्तर के खिलाड़ी ओलम्पिक में मेडल हासिल कर आएं, इस दिशा में सरकार यहां के युवाओं को बेहतर अवसर तथा प्रशिक्षण प्रदान करेगी और सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओलम्पिक प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को तीन-तीन करोड़ एवं दो करोड़ रुपए की सम्मान निधि प्रदान करेगी। सरकार बस्तर के गांव-गांव में विकास की धारा पहुंचे, इस दिशा में सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जिससे अब बस्तर शान्ति-समरसता और समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर होकर प्रदेश एवं देश के विकास में सहभागी बन रहा है। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप और ओलम्पिक में ब्रॉन्ज मेडल सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक जीतने वाली खिलाड़ी पद्मश्री एमसी मेरीकॉम ने भी बस्तर ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं। संचालक खेल एवं युवा कल्याण सुश्री तनुजा सलाम ने स्वागत उद्बोधन में अवगत कराया कि बस्तर ओलम्पिक के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर एवं बस्तर जिले के साथ ही नुवा बाट के करीब तीन हजार 500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहें है। बस्तर के लिए गौरव का क्षण होने के साथ ही बस्तर के सुनहरे भविष्य के लिए सरकार का बहुत ही अच्छा निर्णय है। इस बस्तर ओलम्पिक में तीन स्तर की स्पर्धा से के जरिये बस्तर प्रतिभाओं को एक मंच दिया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में गत वर्ष के एक लाख 65 हजार की अपेक्षा तीन लाख 92 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया ये परिवर्तन की बयार है। जिसमें दो लाख 27 हजार से ज्यादा महिला प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। आरंभ में खिलाड़ियों द्वारा मशाल प्रज्ज्वलित कर आतिशबाजी की गई। वहीं रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत माता रूकमणी कन्या आश्रम तथा अन्य विद्यालयों की छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

11 दिनों बाद शाह आज और ...

से मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का ऐलान किया है। अब उनके ऐलान के मुताबिक ही नक्सलवाद समाप्ति की तरफ है। वे लगातार छत्तीसगढ़ आकर नक्सलवाद पर बैठकें ले रहे हैं। बीते माह यहां पर डीजी-आईजी कांफ्रेंस भी हुई। इसमें जहां श्री शाह यहां पर चार दिनों तक रहे, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिनों तक रहे। श्री मोदी और श्री शाह यहां से 30 नवंबर को वापस गए थे। अब श्री शाह महज 11 दिनों बाद ही एक बार फिर से रायपुर आ रहे हैं। वे शुक्रवार की रात को 10 बजे यहां पहुंच जाएंगे। **बस्तर ओलंपिक का समापन** : श्री शाह दोपहर को 1.50 बजे बीएसएफ के विशेष विमान से यहां से जगदलपुर के लिए रवाना होंगे। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा और अरुण साव भी जाएंगे। जगदलपुर में बस्तर ओलंपिक के समापन में 2.45 से 4.45 बजे तक शामिल होंगे। इसके बाद 4.55 बजे जगदलपुर विमानतल से बीएसएफ के विशेष विमान से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

यात्रियों को मुआवजा और ...

कुछ हवाई अड्डों पर फंसे रहे और उनमें से कई भीड़भाड़ से बुरी तरह प्रभावित हुए। इसमें कहा गया, हम ऐसे गंभीर रूप से प्रभावित ग्राहकों को 10,000 रुपए मूल्य के यात्रा 'वाउचर' प्रदान करेंगे। इन यात्रा 'वाउचर' का उपयोग अगले 12 महीनों के दौरान इंडिगो की किसी भी यात्रा के लिए किया जा सकता है। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी को नियामकीय दबाव का भी सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों ने परिचालन को स्थिर करने के लिए इसे शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती करने का निर्देश दिया है। इंडिगो दो दिसंबर को व्यवधान शुरू होने से पहले तक प्रतिदिन लगभग 2,300 उड़ानें संचालित कर रही थी। बयान में कहा गया, यह वाउचर मौजूदा सरकारी दिशानिर्देशों के तहत की गई प्रतिबद्धता के अतिरिक्त है, जिसके अनुसार इंडिगो उन ग्राहकों को उड़ान के 'ब्लॉक' समय के आधार पर 5,000 रुपए से 10,000 रुपए तक का मुआवजा प्रदान करेगी जिनकी उड़ानें प्रस्थान समय से 24 घंटे के भीतर रद्द कर दी गई थीं। संकटग्रस्त इंडिगो ने गुरुवार को भी बेंगलुरु हवाई अड्डे से 60 उड़ानें रद्द कर दीं। ये उड़ान ऐसे समय में रद्द की गयी हैं जब एयरलाइन ने विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए की निगरानी में आज 1,950 से अधिक उड़ानें संचालित करने की अपनी योजना की घोषणा की है।

राजनाथ ने इसी डायरी का उल्लेख कर घेरा था नेहरू को

जयराम ने दिए सरदार पटेल की बेटी की डायरी के पन्ने, कहा- पढ़िएगा जरूर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अगुवाई कर रही भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और विपक्षी इंडिया ब्लॉक की अगुवाई कर रही कांग्रेस के बीच बाबरी मस्जिद पर रार छिड़ी हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के गुजरात में दिए एक बयान से शुरू हुआ यह विवाद अब देश की सबसे बड़ी पंचायत संसद तक पहुंच गया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सरदार पटेल की बेटी मणिबेन पटेल की डायरी के पन्ने सौंपे, जो गुजराती भाषा में हैं। दरअसल, हुआ यह कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को संसद की कार्यवाही में शामिल होने संसद भवन पहुंचे थे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे ही अपनी कार से बाहर निकले, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश वहां पहुंच गए।

मूल गुजराती के पन्ने सौंपे

जयराम रमेश ने रक्षा मंत्री से कहा कि मणिबेन पटेल की डायरी लेकर आया हूं। अपने झोले से कुछ पन्ने निकालकर रक्षा मंत्री को थमाते हुए जयराम रमेश ने कहा कि ये गुजराती में है। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जयराम रमेश से हंसते हुए कहा कि हमारे पास इंग्लिश में है। जयराम रमेश ने भी हंसते हुए अपने हाथ के पन्ने राजनाथ सिंह की ओर बढ़ा दिए और कहा कि ये गुजराती में है।

जयराम का दावा : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ये पन्ने जयराम रमेश के हाथ से लिए और फिर संसद भवन के द्वार की ओर बढ़ गए। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि पढ़िएगा प्लीज. जयराम रमेश का दावा है कि राजनाथ सिंह ने मणिबेन पटेल की डायरी का रेफरेंस देकर पंडित नेहरू के बारे में जो कुछ भी कहा था, वह इसमें नहीं है। गौरतलब है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में गुजरात दौरे के दौरान एक कार्यक्रम में पंडित नेहरू को लेकर दावा किया था।

राजनाथ ने दिया था हवाला

राजनाथ सिंह ने दावा किया था कि पंडित नेहरू सरकारी धन से बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे। रक्षा मंत्री ने यह भी दावा किया था कि सरदार पटेल ने तब उन्हें ऐसा करने से रोका था और इसका जिक्र उनकी पुत्री मणिबेन पटेल की डायरी में है। जयराम रमेश का दावा है कि गुजराती में प्रकाशित मणिबेन की डायरी में ऐसा कुछ भी नहीं है, जिसका उल्लेख रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के कार्यक्रम में किया था।

ध्रुव विमानों की होगी मरम्मत, 6 महीने में भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और भारतीय नौसेना के एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव बेड़े को जल्द ही अपडेट किया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि इन अपडेट्स को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा जिसके बाद लगभग 6 महीने में हेलीकॉप्टर आईसीजी और नौसेना को सौंप दिए जाएंगे। जानकारी मिली है कि 5 जनवरी को तटरक्षक बल द्वारा संचालित एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच कर रही जांच समिति ने कुछ सिफारिशें की हैं। जांच समिति ने नौसेना और तटरक्षक बल के हेलीकॉप्टरों के लिए नॉन-रोटेटिंग स्वैशप्लेट बेयरिंग की निर्माण प्रक्रिया में सुधार की सिफारिश की है।

पाकिस्तान के पूर्व आईएसआई चीफ को 14 साल कैद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व चीफ फैज हमीद को 14 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। पाकिस्तान मिलिट्री की मीडिया विंग इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि यह सजा मिलिट्री कोर्ट ने सुनाई है। आईएसपीआर की ओर से गुरुवार को जारी किए गए बयान में बताया गया है कि 12 अगस्त, 2024 को फैज हमीद के खिलाफ फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू की गई थी जो 15 महीने से अधिक वक्त तक चली। फैज हमीद को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी लोगों में गिना जाता है। इमरान खान लंबे वक्त से जेल में हैं और उनकी रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तान में उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कार्यकर्ता लगातार आवाज बुलंद कर रहे हैं।

:: आम सूचना ::

मैं अपने पक्षकार **शुभम टावरी पिता श्री गुलाब चंद टावरी उम्र 31 वर्ष निवासीः वार्ड क्रमांकः 03, बाजार चौक गुरूर तह. गुरूर जिला बालोद छ.ग. आधार नम्बर - 432948498944**, से प्राप्त अधिकार व दिये गये निर्देश से आम सूचना प्रकाशित करती हूं कि मेरे पक्षकार द्वारा **श्री अलीमुद्दीन कुरैशी पिता हकिमुद्दीन कुरैशी उम्र 54 वर्ष निवासीः- क्वा. नं. 14/ बी, सड़क नं. एवेन्यु सी, ए-मार्केट, सेक्टर 1, भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. आधार 406094171997 व अन्य 05** के हक स्वामित्व की कृषि भूमि जिसका खसरा क्रमांक- **640, रकबा 0.93 हेक्ट.**, जो कि ग्राम **तार्री प.ह.न.-20, रा.नि.मं.-धनोरा**, तह. गुरूर जिला बालोद छ.ग. में स्थित है, को क्रय कर अपने नाम पक्का सौदा कर इकरारनामा दिनांकः- 27.10.2025 को निष्पादित कर बकाया की राशि अदा कर दी गई है। शेष रकम पंजीयन के समय दिया जाना तय हुआ है। उक्त सौदे के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या किसी बोर्ड को किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो **15 दिवस** के भीतर मेरे कार्यालय में आकर दावा आपत्ति कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात किये गये दावा आपत्ति शून्य होकर आमान्य हैं।

स्थानः बालोद
दिनांकः 10.12.2025

कु. डाकेश्वरी सिन्हा, अधिवक्ता,
जिला न्यायायल बालोद,
जिला बालोद छ.ग.

:: आम सूचना ::

मैं अपने पक्षकार **शुभम टावरी पिता श्री गुलाब चंद टावरी उम्र 31 वर्ष निवासीः वार्ड क्रमांकः 03, बाजार चौक गुरूर तह. गुरूर जिला बालोद छ.ग. आधार नम्बर - 432948498944**, से प्राप्त अधिकार व दिये गये निर्देश से आम सूचना प्रकाशित करती हूं कि मेरे पक्षकार द्वारा **श्री अलीमुद्दीन कुरैशी पिता हकिमुद्दीन कुरैशी उम्र 54 वर्ष निवासीः- क्वा. नं. 14/ बी, सड़क नं. एवेन्यु सी, ए-मार्केट, सेक्टर 1, भिलाई तह. व जिला दुर्ग छ.ग. आधार 406094171997 व अन्य 05** के हक स्वामित्व की कृषि भूमि जिसका खसरा क्रमांक- **651/2, रकबा 0.16 हेक्ट.**, जो कि ग्राम **तार्री प.ह.न.-20, रा.नि.मं.-धनोरा**, तह. गुरूर जिला बालोद छ.ग. में स्थित है, को क्रय कर अपने नाम पक्का सौदा कर इकरारनामा दिनांकः- 27.10.2025 को निष्पादित कर बकाया की राशि अदा कर दी गई है। शेष रकम पंजीयन के समय दिया जाना तय हुआ है। उक्त सौदे के संबंध में किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक या किसी बोर्ड को किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति हो तो **15 दिवस** के भीतर मेरे कार्यालय में आकर दावा आपत्ति कर सकते हैं। नियत अवधि पश्चात किये गये दावा आपत्ति शून्य होकर आमान्य हैं।

स्थानः बालोद
दिनांकः 10.12.2025

कु. डाकेश्वरी सिन्हा, अधिवक्ता,
जिला न्यायायल बालोद,
जिला बालोद छ.ग.

समक्ष - प्रथम मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बालोद, जिला बालोद (छ.ग.)

क्लेम प्रकरण क्रमांक-39 / 2025
प्रोसेस क्रमांक- 1034/225

श्रीमती नंदनी सोनी वगैरह ...आवेदक
विरूद्ध
कुनाल कुमार वगैरह ....अनावेदकगण

बनाम - ईश्वर सेन पिता मांगी लाल सेन, निवासी पता- मोती नगर बोरियाखुर्द, तहसील-रायपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.)

आप अनावेदक ईश्वर सेन के खिलाफ आवेदक द्वारा धारा 166 मोटरयान अधिनियम 1988 के अंतर्गत क्षतिपूर्ति राशि 25,50,000/- रूपये दिलाये जाने बाबत आवेदन पेश किया गया है, जो कि आपके स्वामित्व के वाहन मोटरसायकल पल्सर क्रमांक- सी.जी. /04/एन.वाई./ 9118 से हुई दुर्घटना में योगिता सोनी को गंभीर चोट आने से उसकी मृत्यु हो जाने के बारे में पेश की गई है।

इस मामले में आगामी नियत पेशी तारीख 17/12/2025 को दिन के 11.00 बजे खुद या ऐसे वकील के मार्फत जिसे कि तुम मुकदमें की बातें ठीक-ठीक तौर से समझा दी गई हो और जो मुकदमें के बारे में कुछ जरूरी सवालात का जवाब दे सके (या जिसके साथ कोई ऐसा आदमी मौजूद हो जो कि, ऐसे सवालात का जवाब दे सके) मुकदमें का जवाब देने के लिए हाजिर हो जाओ और तुम्हारी हाजिरी के लिए मुकर्रर किया हुआ दिन मुकदमें के आखिरी फैसले के वास्ते रखा जाने की वजह से तुम्हें उस तारीख को ऐसे सभी गवाहों और दस्तावेजों को पेश करने के लिए तैयार रहना होगा, कि जिस पर तुम अपने बचाव की पुष्टि के लिए भरोसा रखना चाहते हो।

तुम्हे ताकिद की जाती है कि यदि तुम तारीख मजूकर पर हाजिर न होओगे, तो तुम्हारे गैरहाजिरी में मुकदमें की सुनवाई होकर उसका फैसला किया जावेगा, यदि मुकर्रर तारीख को अवकाश घोषित हो जावे या किसी कारणवश न्यायालयीन कार्य स्थगित हो जावे तो प्रकरण की सुनवाई उसके अगले कार्य दिवस पर किया जावेगा।

आज तारीख 13 माह 11 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(किरण कुमार जांगड़े)
मुहर प्रथम मो. दु. दावा अधिकरण बालोद
जिला बालोद (छ.ग.)

पेज एक के शेष

ईसी ने पांच राज्यों में...

अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के लिए ये अवधि 18 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के लिए एसआईआर की अवधि 26 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। बयान के अनुसार, गोवा, पुडुचेरी, लक्षद्वीप, राजस्थान और पश्चिम बंगाल में एसआईआर गुरुवार को समाप्त हो गई और मतदाता सूची का मसौदा 16 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा। केरल के लिए कार्यक्रम में पहले संशोधन किया गया था। राज्य में एसआईआर 18 दिसंबर को समाप्त होगी और मतदाता सूची का मसौदा 23 दिसंबर को प्रकाशित किया जाएगा।

अर्धवार्षिक परीक्षा के बाद छात्राएं...

बच्चियों के स्वास्थ्य पर निगरानी बनाए हुए हैं। बताया जा रहा है कि वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम गिरवानी अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल मनबासा में अर्धवार्षिक परीक्षा चल रही है। गुरुवार को कक्षा 9वीं के छात्र-छात्राओं की हिंदी और 10वीं के छात्र-छात्राओं की संस्कृत विषय की परीक्षा थी। परीक्षा सुबह 10.30 बजे शुरू हुई और दोपहर 1.30 बजे समाप्त हुई। बताया जा रहा है कि परीक्षा समाप्त होने के बाद अचानक एक छात्रा की तबीयत बिगड़ी और वह रोने लगी। एक बच्ची को रोते हुए देखकर कक्षा में मौजूद 10 अन्य बच्चियां भी रोने लगी जिससे स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते बच्चियों की तबीयत बिगड़ने लगी और उन्हें बेहोशी आने के साथ ही बेचैनी लगने लगी। ऐसे में स्कूल के प्रचार्य ने मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दी। सूचना मिलने के बाद बीईओ श्याम किशोर जायसवाल स्कूल पहुंचे जिसके बाद छात्राओं को एंबुलेंस व अन्य वाहनों की सहायता से वाड्रफनगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में फिलहाल 8 छात्राओं को भर्ती कराया गया है और सभी की स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

कुछ को टाइफाइड और खून की कमी : सिविल अस्पताल में भर्ती कराई गई छात्राओं की चिकित्सकों की टीम ने जांच की। फिलहाल सभी बच्चियों के बीपी, शुगर, हार्ट व पल्स रेट सामान्य है। हालांकि कुछ बच्चियों को टाइफाइड और कुछ को खून के कमी की शिकायत है जिसके लिए उनका उपचार चल रहा है लेकिन अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर एक साथ 10 से 11 बच्चियों की तबियत कैसे बिगड़ गई। घटना की सूचना मिलने के बाद बच्चियों के माता-पिता भी अस्पताल पहुंचे लेकिन वे भी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। ना ही बच्चियों के साथ डांट फटकार की गई है और ना ही गुरुवार को किसी कठिन विषय की परीक्षा थी जिससे वे दबाव में आएं। हालांकि एहतियातन सभी बच्चियों को उपचार के लिए भर्ती कर लिया गया है और चिकित्सकों ने उनके स्वास्थ्य पर निगरानी रखी है।

अब मैक्सिको ने...

अपनी मंजूरी दे दी है और ये नए टैरिफ अगले साल यानी 2026 से लागू होने वाले हैं। इससे खासतौर पर उन देशों को बड़ा झटका लगने वाला है जिनका मैक्सिको के साथ को ट्रेड समझौता नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीते कुछ सालों में भारत और मैक्सिको के बीच व्यापार में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। साल 2022 में, दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 11.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, हालांकि 2023 में इसमें थोड़ी गिरावट आई और यह 10.6 अरब डॉलर पर आ गया, जबकि 2024 में इसमें फिर से तेजी आई है।

ये 11.7 अरब डॉलर ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। भारत का मैक्सिको के साथ ट्रेड सरप्लस भी काफी अधिक है, 2024 में मैक्सिको को भारत का निर्यात लगभग 8.9 अरब डॉलर था, जबकि आयात 2.8 अरब डॉलर था।

22 मजदूरों को ...

आधार पर बताया कि राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित अंजॉ जिले के हयूलियांग-चागलागम रोड पर यह दुर्घटना आठ दिसंबर को हुई। इस ट्रक पर तिनसुकिया जिले के 22 मजदूर सवार थे। रावत ने एक बयान में कहा कि यह दुर्गम इलाका चागलागम से लगभग 12 किलोमीटर दूर है और वहां संपर्क सीमित है तथा दुर्घटना की जानकारी किसी भी स्थानीय एजेंसी, ठेकेदार या नागरिक को नहीं थी। मजदूर हयूलियांग में निजी ठेकेदार के लिए एक परियोजना में काम कर रहे थे। वे एक डंपर में यात्रा कर रहे थे जो सड़क से लगभग 1,000 फुट गहरी खाई में गिर गया।

हावड़ा-मुंबई एक्सप्रेस...

जांच दल ने संदेह के आधार पर ट्रेन की बोगियों में दबिश दी और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। पूछताछ में पता चला कि बच्चों को मुंबई के मलाड इलाके के एक कारखाने में अवैध रूप से मजदूरी कराने ले जाया जा रहा था। पूरे कार्रवाई में जीआरपी थाना प्रभारी भोला नाथ मिश्रा, आरपीएफ़ प्रभारी गुर्जर कर्मवीर समेत आरपीएफ़ और जीआरपी की टीम शामिल रही। घटनास्थल से तस्कर फिरोज मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य दो–तीन सहयोगी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है।

राशिफल

मेष – मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे, परन्तु परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा।तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन – परिवार में सद्भाव बनाये रखने के प्रयास करे। किसी मित्र का आगमन हो सकता है। अनावश्यक विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क – मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। संपत्ति में निवेश के रास्ते खुलेंगे। लाभ के योग हैं।

सिंह – आत्मसंयत रहें। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से निजात मिलेगी।

कन्या – खर्चों में वृद्धि भी होगी। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। आय में वृद्धि भी होगी। व्यर्थ की चिंताओं से स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

तुला – कारोबार में भाग–दौड़ अधिक रहेगी, परन्तु यथानुरूप लाभ के अवसर कम मिल सकते हैं। आशातीत सफलता मिलने के योग कम हैं।

वृश्चिक – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद–विवाद से बचें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु – व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। किसी मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के साधन बन सकते हैं।

मकर – कारोबार में कठिनाइयां तो आ सकती हैं, परन्तु किसी मित्र के सहयोग से कारोबार के लिए विदेश यात्रा पर जाने का अवसर भी मिल सकता है।

कुंभ – नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्च बढ़ेंगे। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा सकते हैं।

मीन – लाभ के अवसर मिल सकते हैं। यात्रा में वृद्धि हो सकती है। भाग–दौड़ अधिक रहेगी। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-18-2025-26

कार्य का नाम: मॉडिफाइड लैबिरिंथ (Labyrinth) सेट के साथ 3-फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के ट्रैक्शन मोटर (6FRA 6068) की मरम्मत / रीकंडीशनिंग।

निविदा मूल्य: ₹ 4,52,26,343.80, EMD: ₹ 3,76,100/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 29.12.2025 को 1500 बजे।

संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

मण्डल विद्युत अभियंता / TRS / वाल्टेयर
PR-889/Q/25-26

केंद्रीय सरकारी कर्मचारी कल्याण आवास संगठन
(भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय)
9वीं मंजिल, 'बी' विंग, जनपथ भवन, जनपथ, नई दिल्ली-110 001
फ़ोन: 011-23717249/23355408, ईमेल: cgewho@nic.in, वेबसाइट: www.cgewho.in

मांग सर्वेक्षण

निम्नलिखित स्थानों के लिए मांग सर्वेक्षण की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2026 तक बढ़ा दी गई है:

कोलकाता (पश्चिम बंगाल), रायपुर (छत्तीसगढ़), पुडुचेरी, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और लुधियाना (पंजाब)

आवेदन कैसे करें:

* विवरण, नियम और शर्तें तथा आवेदन पत्र डाउनलोड करने के लिए CGEWHO की वेबसाइट 'www.cgewho.in' पर जाएं।

किसी भी जानकारी के लिए, आप निम्नलिखित व्यक्तियों से संपर्क कर सकते हैं:

श्री रोशन सिंह (मोबाइल): 9560022232
श्री नितिश गर्ग (मोबाइल): 8826461114

सीजीईडब्ल्यूएचओ के सीईओ के पास बिना कोई कारण बताए योजना या मांग सर्वेक्षण को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

cbc 20105/12/0014/2526
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सीजीईडब्ल्यूएचओ

पश्चिम मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा क्रमांक: WCR-CRWS-TOILETUPG-25-32R

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नामः** अप-ग्रेडेसन ऑफ टॉइलेट इन एलएचबी एसी एंड एलएचबी नॉन-एसी कोचेस एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल। **कार्य की लागत:** ₹ 44,21,58,610.40. **निविदा फार्म का मूल्य:** 0.00. **धरोहर राशि:** ₹ 23,60,800/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 24 माह। **ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय:** 17.12.2025/ 31.12.2025 को 16.00 बजे तक। **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय:** 31.12.2025 को 16.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/ भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

मुख्य कारखाना प्रबंधक,
सडिपुका, निशातपुरा, भोपाल.

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

चीफ वर्कशॉप मैनेजर /SEC रेलवे, MIB/ WS, नागपुर, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, नीचे दिए गए काम को पूरा करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं-

क्र. संख्या. 1. निविदा सूचना क्र. MIBW-2025-19-06-09-7.तारीख 05.12.2025

काम का नामः "मोतीबाग वर्कशॉप, नागपुर में 04 महीने के लिए आवश्यकतानुसार ICF/LHB बोगी फ्रेम और उसके पार्ट्स की सफाई और पेंटिंग का काम

अनुमानित निविदा मूल्य (रु.): 15,24,984.00 (रुपये पंद्रह लाख चौबीस हज़ार नौ सौ चौरासी रुपये मात्र) - सभी टैक्स मिलाकर। **बयाना राशि (रु.):** 30,500/- (तीस हज़ार पाँच सौ रुपये मात्र) **अनुबंध अवधि:** 04 (चार) महीने **निविदा फ़ॉर्म की कीमत (रु.):** 0 (शून्य रुपये)

बोलीदाता अपनी मूल/संशोधित बोलियाँ सिर्फ **22.12.2025 को 11:00 बजे तक** जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैन्युअल ऑफ़र की इजाज़त नहीं है और ऐसे किसी भी मैन्युअल ऑफ़र को रिजेक्ट कर दिया जाएगा। डिटेल्स हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर मौजूद हैं।

असिस्टेंट वर्कशॉप मैनेजर द.पू.म रेलवे,
मोतीबाग, वर्कशॉप, नागपुर
AAA/49/220

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विभिन्न स्टेशनों पर प्लेटफार्मों की ऊंचाई बढ़ाने के लिए ई-निविदा सूचना

सीपीएम / जीएसयू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उन की ओर से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है:

■ **1. निविदा क्रमांक:** सीपीएम-जीएसयू-32-एनएजी-2025-26
कार्य का नाम: नागपुर मंडल के इतवारी (NITR) - छिंदवाड़ा (CWA) - मंडला फोर्ट (MFR) सेक्शन के स्टेशनों पर प्लेटफार्मों की ऊंचाई बढ़ाना। **अनु. निविदा मूल्य:** ₹ 28,45,35,771/-, **बयाना राशि:** ₹ 15,72,700/-, **बिड्स जमा की तारीख:** दिनांक **24.12.2024** के **15:00** बजे तक।

■ **2. निविदा क्रमांक:** सीपीएम-जीएसयू-33-एनएजी-2025-26
कार्य का नाम: नागपुर मंडल के नैनपुर (NIR) - जबलपुर (JBP) सेक्शन के स्टेशनों पर प्लेटफार्मों की ऊंचाई बढ़ाना। **अनु. निविदा मूल्य:** ₹ 23,81,46,545/-, **बयाना राशि:** ₹ 13,40,700/-, **बिड्स जमा की तारीख:** दिनांक **27.12.2024** के **15:00** बजे तक।

■ **3. निविदा क्रमांक:** सीपीएम-जीएसयू-34-एनएजी-2025-26
कार्य का नाम: नागपुर मंडल के गोंदिया (G) - नैनपुर (NIR) सेक्शन के स्टेशनों पर प्लेटफार्मों की ऊंचाई बढ़ाना। **अनु. निविदा मूल्य:** ₹ 12,36,04,804/-, **बयाना राशि:** ₹ 7,68,000/-, **बिड्स जमा की तारीख:** दिनांक **29.12.2024** के **15:00** बजे तक।

मैन्युअल निविदाओं की अनुमति नहीं है वि ऐसे प्राप्त सभी मैन्युअल निविदाओं को अस्वीकार कर दिया जाएगा।

अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है ।

उप. मुख्य अभियंता - जीएसयू,
AIM/46-214 दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

शब्द पहेली - 6075

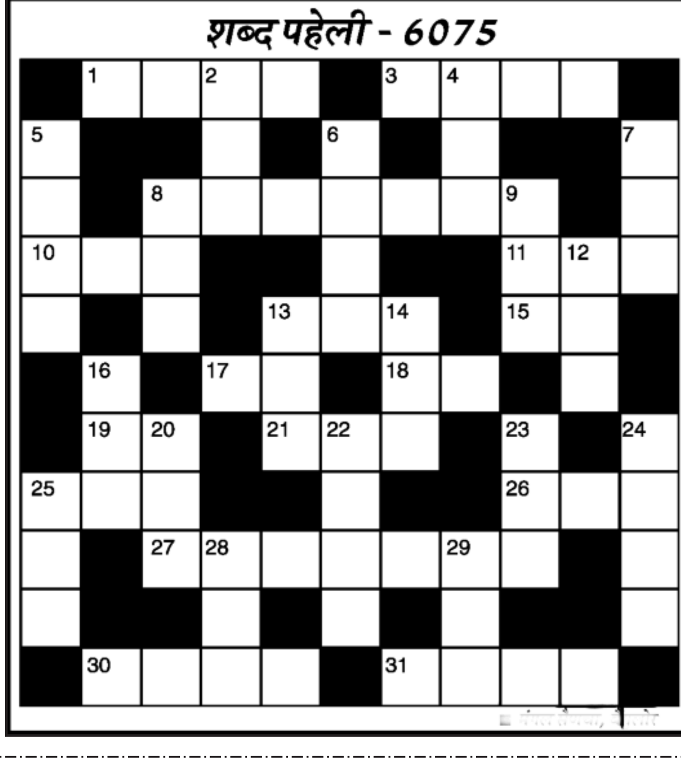

बाएँ से दाएं

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली - 6074 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क	■	का	रा	वा	स
ज	ल	■	र	■	म	छ	ली	■	र	मा
र	■	अ	दा	का	र	■	न	र	■	धा
अ	र	मा	न	■	बं	द	■	ज	मीं	न
म	■	न	■	म	द	म	स्त	■	रा	■
र	ज	त	प	ट	■	क	र	म	ज	ला
■	प	■	ट	क	रा	ना	■	स	■	ल
मु	ना	दी	■	ना	ग	■	द	ल	ह	न
ला	■	प	री	■	गा	ड़ी	वा	न	■	पा
का	का	■	त	न	य	■	ध	■	न	ल
त	र	सा	ना	■	न	ग	र	भ	व	न

सूडोकु नवताल - 6085

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6084 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन व सीईओ ने कहा, भारतीयों को बनाएंगे कुशल

माइक्रोसॉफ्ट भारत में एआई परिवेश को लेकर प्रतिबद्ध, बुनियादी ढांचे में कर रही निवेश : नडेला

एजेंसी ⏭ बेंगलुरु

अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने बृहस्पतिवार को कहा कि कंपनी भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) परिवेश को लेकर प्रतिबद्ध है और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश कर रही है।

नडेला ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट, 'क्लाउड' क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के साथ एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। माइक्रोसॉफ्ट ने चार प्रमुख आईटी कंपनियों कॉग्निजेंट, इन्फोसिस, टीसीएस और विप्रो के साथ रणनीतिक साझेदारी की भी घोषणा की। ये कंपनियां 'एजेंटिक' एआई को अपनाने में तेजी लाने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर काम करेंगी।

माइक्रोसॉफ्ट निवेश को लेकर उत्साहित

'माइक्रोसॉफ्ट' के यहां आयोजित एक कार्यक्रम में नडेला ने कहा, "हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया।

नया डेटा सेंटर 2026 में चालू हो जाएगा

'एज्यूर' माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रदान किया गया एक व्यापक 'क्लाउड कंप्यूटिंग' मंच है। इस पर कंपनियां एवं डेवलपर अपनी एप्लिकेशन, वेबसाइट, डेटाबेस, स्टोरेज, एआई मॉडल तथा सर्वर ऑनलाइन बना, चला तथा प्रबंधित कर सकते हैं.. वह भी बिना अपने 'फिजिकल सर्वर' खरीदे। उन्होंने कहा कि एक नया डेटा सेंटर क्षेत्र 2026 में चालू हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने दिखाया काफी उत्साह

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन नडेला ने बताया कि हाल में उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई जिन्होंने समाज, अर्थव्यवस्था एवं वृद्धि को गति देने के लिए इस निवेश (17.5 अरब अमेरिकी डॉलर) को लेकर काफी उत्साह दिखाया। उन्होंने कहा कि यह प्रतिबद्धता उनकी पिछली यात्रा के दौरान घोषित तीन अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अतिरिक्त है।

- कंपनी क्लाउड क्षेत्र में अपनी उपस्थिति मजबूत करेगी
- चार प्रमुख आईटी कंपनियों के साथ की रणनीतिक साझेदारी
- ये कंपनियां 'एजेंटिक' एआई को अपनाने में तेजी से काम करेंगी।

भारत 2030 तक गिटहब बनने के लिए तैयार

सीईओ ने कहा, "भारत 2030 तक 'गिटहब' के साथ दुनिया का अग्रणी समुदाय बनने के लिए तैयार है।" 'गिटहब' एक वेब-आधारित मंच है जो 'वर्जन कंट्रोल' और सहयोग के लिए बनाया गया है। मुख्य रूप से डेवलपर द्वारा सॉफ्टवेयर कोड को 'स्टोर' करने, प्रबंधित करने एवं साझा करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

एज्यूर को विश्व कंप्यूटर के रूप में विकसित किया जा रहा : *माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने देश भर में कंपनी के 'क्लाउड नेटवर्क' के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। "हम 'एज्यूर' को विश्व के कंप्यूटर के रूप में विकसित कर रहे हैं और हमारे पास दुनिया भर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं।*

साइबर सुरक्षा के महत्व पर दिया जोर

नडेला ने कहा, "हमें बेहद खुशी है कि 2026 में देश के दक्षिण क्षेत्र में हमारा एक नया डिजिटल सेंटर होगा। सबसे अच्छी बात यह है कि यह पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है।' उन्होंने एआई के बढ़ते उपयोग के इस युग में डिजिटल संप्रभुता एवं साइबर सुरक्षा के महत्व पर भी जोर दिया।

पब्लिक क्लाउड में संप्रभु नियंत्रण है

नडेला कहा, "हम संप्रभुता को लेकर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि संप्रभुता के लिए विकल्पों का एक व्यापक खंड मौजूद हो। इसलिए आपके पास पब्लिक 'क्लाउड' है, पब्लिक क्लाउड में संप्रभु नियंत्रण हैं... उन्होंने चेतावनी दी कि संप्रभुता को सुरक्षा से अलग करके नहीं देखा जा सकता।

चांदी 2,400 रुपए उछलकर नए रिकार्ड स्तर पर पहुंची

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत 2,400 रुपये बढ़कर 1,94,400 रुपये प्रति किलोग्राम के नई ऊंचाई पर पहुंच गईं। वहीं स्थानीय सराफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 90 रुपये बढ़कर 2,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया।

रुपये में कमजोर रुख और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती के बीच मजबूत वैश्विक संकेतों के साथ चांदी में तेजी आई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, बुधवार को चांदी 11,500 रुपये बढ़कर 1,92,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर रही थी।

इस वर्ष की शुरुआत से, चांदी 1,04,700 रुपये यानी 116.72 प्रतिशत चढ़ी है। 31 दिसंबर, 2024 को यह 89,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक, दिलीप परमार ने कहा, "मजबूत हाजिर और निवेश मांग की वजह से बृहस्पतिवार को चांदी की कीमत एक और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। उन्होंने कहा, "घरेलू कीमतों में तेजी का कारण बाजार में कम आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी में रिकॉर्ड तेजी और भारतीय रुपये का कमजोर होना है। परमार ने कहा कि वैश्विक आपूर्ति की कमी, चीन से लगातार ज्यादा मांग और औद्योगिक खपत में बढ़ोतरी की वजह से इस साल लाभ के मामले में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया।परमार ने कहा, "घरेलू बाजार में, हाजिर चांदी की कीमत में अच्छी तेजी दिख रही है और आने वाले दिनों में इसके 2,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंचने की उम्मीद है।"

मशहूर फैशन ब्रांड प्राडा कोल्हापुरी चप्पलों से प्रेरित सैंडल बनाएगा

नई दिल्ली। इटली के मशहूर लक्जरी फैशन ब्रांड प्राडा ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुशल कारीगरों के साथ मिलकर कोल्हापुरी चप्पलों से प्रेरित सैंडल बनाने के लिए दो सरकारी संगठनों लिडकॉम और लिडकार के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस एमओयू पर बुधवार को मुंबई स्थित इटली के महावाणिज्य दुतावास में हस्ताक्षर किए गए।

छ.ग.गृह निर्माण मंडल, वृत्त-बिलासपुर

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

वि.क्र.-41

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल वृत्त बिलासपुर अन्तर्गत संभाग कोरबा में निक्षेप कार्य अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जटगा, ब्लॉक पोड़ी उपरोड़ा, जिला कोरबा में आवासीय भवन का निर्माण कार्य हेतु **प्रथम ऑनलाईन निविदा** एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधित विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता, संभाग कोरबा के मो. नं. 9907285405 पर संपर्क करें।

S-46205/1 उपायुक्त

कार्यालय, प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मण्डी) बोर्ड

"सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन" सेक्टर-24, कयाबांधा, अटल नगर, नवा रायपुर-492018

फोन-0771-2990592, email-mdcgmandiboard@gmail.com, website-www.agriportal.cg.nic.in

क्र./बी-6/मंडी बरमकेला / सारंगढ़ बिलाईगढ़/46-2/25-26/6985 नवा रायपुर, दिनांक 10/12/ 2025

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

Main Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

कृषि उपज मंडी समिति बरमकेला जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ क्षेत्रातंर्गत छ.ग. राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ऑनलाईन निविदाएँ छ.ग. लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत, सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारो से प्रपत्र 'अ' प्रतिशत दर पर अधोलिखित निर्माण कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है :-

* **ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि- 01.01.2026**
* **फिजिकल सबमिशन की अंतिम तिथि- 08.01.2026**

क्र.	कार्य का नाम/स्थल	अनुमानित लागत (लाख में)	एस. ओ.आर विवरण
1	कृषि उपज मंडी समिति बरमकेला अंतर्गत नगर पंचायत सरिया के साप्ताहिक हाट बाजार में शेड, सब्जी चबूतरा. दुकान, कव्हर्डशेड, सब्जी चबुतरा की ओर सी.सी., आर सी. सी. नाली, सैप्टिक टैंक, बाहरी विद्युतीकरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण कार्य।	146.47	लो.नि.वि. भवन कार्य हेतु दिनांक 01.01.2015 से एवं विद्युत कार्य दिनांक 01.07.2015 तथा सड़क निर्माण कार्य हेतु 01.01.2025 से प्रभावशील एस.ओ.आर.पर
2	कृषि उपज मंडी समिति बरमकेला अंतर्गत नगर पंचायत सरिया के दैनिक हाटबाजार में शेड, ब्लाक 01 एवं ब्लाक 02 में शॉप निर्माण कार्य, निर्मित भवन का डिस्मेंटल, साईट फिलिंग, कव्हर्डशेड, सैप्टिंग टेंक, सब्जी चबुतरा क्र. 01,02,03 एवं 04, पार्किंग स्थल पर पेवर ब्लॉक, चबूतरा के चारों ओर सी.सी. रोड, आर सी.सी. नाली, अंदर आर्च डिजाईन एवं वेस्ट कन्टेनर, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, बाहरी विद्युतीकरण, बोरवेल निर्माण कार्य।	142.47	

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य एवं विशेष शर्ते, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in वेबसाईट पर निर्धारित तिथि तक देखे जा सकते है।

सही/- सचिव
कृषि उपज मंडी समिति बरमकेला
जिला जांजगीर- सारंगढ़-बिलाईगढ़

सही/- भारसाधक अधिकारी
कृषि उपज मंडी समिति बरमकेला
जिला जांजगीर- सारंगढ़-बिलाईगढ़

S-46210/2

तीन दिनों बाद उबरा शेयर बाजार सेंसेक्स में 427 अंकों की तेजी

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में तीन दिनों से जारी गिरावट बृहस्पतिवार को थम गई और दोनों मानक सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। वाहन एवं धातु शेयरों में लिवाली और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में कटौती से सेंसेक्स 427 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 140 अंक की तेजी आई।

- अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर में की कटौती
- वाहन एवं धातु शेयरों में निकली खरीदारी

अपने शुरुआती निचले स्तर से उबरते हुए बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 426.86 अंक चढ़कर 84,818.13 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 84,906.93 के ऊपरी और 84,150.19 के निचले स्तर तक गया। निफ्टी 140.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत बढ़कर 25,898.55 पर बंद हुआ। शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद, निफ्टी में धीरे-धीरे तेजी आई और एक समय यह 25,922.80 के ऊपरी स्तर तक पहुंच गया था।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि आईटी, वाहन, धातु, रियल्टी एवं बैंकिंग शेयरों में खरीदारी आने से बाजार को हाल की गिरावट से उबरने में मदद मिली और उतार-चढ़ाव सूचकांक में भी गिरावट आई। नवंबर में इक्विटी निवेश के मजबूत रहने से भी निवेशक धारणा को समर्थन मिला।

इन शेयरों ने दर्ज किया लाभ

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में, इटर्नल, टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी इंडिया, सन फार्मास्यूटिकल्स, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इन्फोसिस, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचसीएल टेक्नोलॉजीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

इन शेयरों में रहा नुकसान : *वहीं नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावरग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और टाइटन शामिल हैं।*

फेडरल रिजर्व ने प्रमुख ब्याज दरों में की कटौती

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दर में लगातार तीसरी बार बुधवार को एक चौथाई अंक की कटौती की लेकिन संकेत दिया कि वह आने वाले महीनों में दरों को यथावत रख सकता है। फेडरल रिजर्व बुधवार को ब्याज दर में कटौती के बाद यह घटकर करीब 3.6 प्रतिशत हो गई, जो पिछले लगभग तीन वर्ष में सबसे कम है। ब्याज दरों में कटौती से उधार लेने की लागत कम हो सकती है, हालांकि बाजार की ताकतें भी इन दरों को प्रभावित कर सकती हैं। फेडरल रिजर्व के प्रमुख जेरोम पॉवेल ने सम्मेलन में संकेत दिया कि अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के बाद, आगामी महीनों में वह ब्याज दरों में और कटौती नहीं करेगा। पॉवेल ने कहा, " आप देख रहे हैं कि कुछ लोगों का मानना है कि हमें यहीं रुक जाना चाहिए।

उर्वरक उद्योग ने सब्सिडी सुधार की मांग की

नई दिल्ली। उर्वरक उद्योग ने कई नीतिगत सुधार किये जाने की मांग की, जिसमें यूरिया के लिए पोषण आधारित सब्सिडी का विस्तार, पारदर्शी सब्सिडी ढांचा और जीएसटी से जुड़े इनपुट टैक्स क्रेडिट इकट्ठा होने का समाधान शामिल है, इस क्षेत्र की लाभप्रदता बेहतर हो सके और नए निवेश को आकर्षित किया जा सकें। भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई) के चेयरमैन एस शंकरसुब्रमण्यम ने ऊर्जा की ऊंची कीमतों, बढ़ते लॉजिस्टिक खर्चों और जरूरी अनुपालन जरूरतों से बढ़ते लागत दवाब की ओर इशारा किया, जिससे खासकर पुरानी यूरिया इकाई पर असर पड़ा है। उन्होंने एफएआई की वार्षिक संगोष्ठी में कहा, परिचालन को बनाए रखने और भविष्य के निवेश को बढ़ावा देने के लिए निर्धारित लागत में सही और समय पर बदलाव सुनिश्चित करना जरूरी है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, (छ.ग.)

:: ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना ::

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

निआसू क्रमांक 30,31/वलेलि /2025-26 जगदलपुर, दिनांक 09/12/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है

क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि	निर्धारित समयावधि
1	181210	बस्तर जिले के विकासखंड लोहण्डीगुड़ा के एरमूर स्टापडेम का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	184.49 लाख	1.39 लाख	10 माह वर्षाकाल सहित
2	181214	बस्तर जिले के विकासखंड लोहण्डीगुड़ा के मांदर एनीकट का निर्माण कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	317.19 लाख	1.59 लाख	12 माह वर्षाकाल सहित

1.बिड प्रारंभ की तिथि - 16.12.2025 17:31 Hours
2.बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 30.12.2025 17:30 Hours

रिमार्क:– उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 16.12.2025 समय 17:31 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है।

कार्यपालन अभियन्ता
टी.डी.पी.पी. जलसंसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

G-252605382/5

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।

–: अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना :–

ई–निविदा सूचना संख्या–EE/NREP/CHAIBASA/ 01 /2025-26 (2nd call) (DMFT मद)

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

क्र० सं०	प्रखण्ड	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	मंझारी	पांगा पंचायत के ग्राम–पापागाड़ा दाउदु उली चौक से महाबुरू बिंगमह नदी तक पी०सी०सी० पथ निर्माण।	2,34,26,600.00	469000.00	10,000.00	06 माह

2. जिला का वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि– **13.12.2025**
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय– दिनांक **20.12.2025** तक समय अपराह्न 2:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान–कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम,पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – **22.12.2025** अपराह्न **05** बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं०– **7004778997**
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है, तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. सरकार के संयुक्त सचिव ग्रामीण कार्य विभाग झारखण्ड सरकार राँची के पत्रांक 02(नि०नि०–17)–251/23 ग्रामीण कार्य विभाग 3130(अनु०), राँची, दिनांक 09.10.2023 द्वारा दिये गये निदेश के अनुपालन में **सभी कागजात के साथ, निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।**
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाब देही आपकी होगी।
11. ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण कार्य मामले) झारखण्ड, पथ निर्माण विभाग, झारखण्ड के अन्तर्गत पंजीकृत समुचित श्रेणी के संवेदक भाग ले सकेगें।
12. जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा के पत्रांक 1679 दिनाँक 23.12.2022 के अलोक में निविदा डालने के समय चाईबासा जिला अन्तर्गत किसी भी प्रमण्डल/विभाग द्वारा आवंटित कार्य एकरारित अवधि बीत जाने के बाद लंबित नहीं होने संबंधित शपथ पत्र देना होगा। कार्य लंबित पाये जाने पर उनका निविदा स्वतः रद्ध माना जाएगा
13. बिना कारण बताए किसी भी समय निविदा को रद्ध करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।
14. Tender Documents के साथ Upto date Character Certificate Issused by D.C /S.P संलग्न करना अनिवार्य होगा।
15. निविदा खोलने की तिथि से 05(पाँच) दिनों के अंदर निविदादाता द्वारा अपनी आपत्ति/ दावा दर्ज करायें अन्यथा अवधि बीतने के पश्चात कोई भी आपत्ति / दावा मान्य नहीं होगा।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट **www.jharkhandtenders.gov.in** एवं कार्यालय की सूचनापट्ट पर देखा जा सकता है।

ह0/
कार्यपालक अभियंता
राष्ट्रीय ग्रामीण नियोजन कार्यक्रम
पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा।

PR 368246 (West Singhbhum) 25-26 (D)

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 21 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में नवंबर में निवेश मासिक आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। उद्योग निकाय एम्फी ने बृहस्पतिवार को इस संबंध में आंकड़े जारी किए। निवेश में यह वृद्धि लगातार तीन महीनों की गिरावट के बाद आई जो निवेशकों के सकारात्मक दृष्टिकोण का संकेत देती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी प्रवाह में सकारात्मक गति ने व्यापक उद्योग के परिसंपत्ति आधार को भी बढ़ावा दिया। इससे प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) अक्टूबर के 79.87 लाख करोड़ रुपये से नवंबर में बढ़कर 80.80 लाख करोड़ रुपये हो गई। व्यवस्थित निवेश योजनाएं (एसआईपी) के जरिये खुदरा निवेशकों की भागीदारी में मामूली गिरावट देखी गई। एसआईपी में जमा राशि अक्टूबर के 29,631 करोड़ रुपये की तुलना में घटकर नवंबर में 29,445 करोड़ रुपये रह गई। आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश नवंबर में बढ़कर 29,911 करोड़ रुपये हो गया जो अक्टूबर में 24,690 करोड़ रुपये था। सितंबर में इक्विटी में शुद्ध निवेश 30,421 करोड़ रुपये और अगस्त में 33,430 करोड़ रुपये था।

कोटक सिक्योरिटीज को निफ्टी में 12 फीसदी उछाल की उम्मीद

मुंबई। घरेलू ब्रोकरेज फर्म कोटक सिक्योरिटीज ने कहा कि वर्ष 2026 के अंत तक उसे मानक सूचकांक निफ्टी में 12 प्रतिशत तेजी आने की उम्मीद है। कोटक सिक्योरिटीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्रीपाल शाह ने संवाददाताओं से कहा कि सामान्य परिस्थिति में निफ्टी 2026 के अंत तक 29,120 अंक तक पहुंच सकता है।

कार्यालय कलेक्टर, रायपुर (छ.ग.)
एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

-:: अधिसूचना ::-

धारा - 04, भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013

क्र./1945/भू-अर्जन/2025 रायपुर, दिनांक 24.11.2025

भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2023 की धारा 04 में सहपठित नियम 7 के अंतर्गत नीचे अनुसूची में उल्लेखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु लोक निर्माण विभाग, विधानसभा संभाग, रायपुर (छ.ग.) द्वारा आशयित है, अर्थातः-

भूमि का वर्णन					लोक प्रयोजन का विवरण
जिला	तहसील	ग्राम/ नगर	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (हेक्ट. में)	
1	2	3	4	5	6
रायपुर	खरोरा	भरूवाडीह कला प.ह.नं. 33	कुल खसरा 28	कुल रकबा 0.5071 हेक्टेयर	मोहरेंगा से कठिया (मोहरा) मार्ग लंबाई 12.50 कि.मी. मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य हेतु
योग				0.5071 हे.	

उपरोक्त उल्लेखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक सामाघात निर्धारण सहमति तथा जन सुनवाई दिनांक 29.12.2025 को समय 11:30 बजे स्थान **पंचायत भवन भरवाडीहकला** नियत की गई है, प्रस्तावित भूमि भू-अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

1. लोक प्रायोजन का संक्षिप्त विवरण :- सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण
2. प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- 28
3. अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- निरंक
4. प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
5. प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
6. क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है :- हां
7. क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है :- हां
8. परियोजना की कुल लागत :- निरंक
9. परियोजना से होने वाला लाभ :- सुगम यातायात
10. प्रस्तावित सामाजिक सामाधात की प्रतिपूर्ति के लिये उपाय तथा उस पर होने वाला संभावित व्यय :- 5.00 लाख
11. परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :- निरंक

उपरोक्त भूमि के संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी सुझाव देना हो तो विहित तिथि समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

(डॉ. गौरव कुमार सिंह)
कलेक्टर, रायपुर एवं पदेन उप सचिव,
छ.ग.शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

G-252605386/1

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग)

E-mail-eemohla-phe@cg.gov.in

//ई-प्रोक्योरमेंट//
रिस्क एंड कास्ट

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "अ" में जल जीवन मिशन अंतर्गत जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम/रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत जिला मोहला मानपुर-अं. चौकी के विकासखंड मानपुर के विभिन्न ग्रामों में रिस्क एवं कास्ट में अधूरे छोड़े कार्य जिसमें UPVC/HDPE पाईप लाईन जोड़ने बिछाने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार के चारो ओर बाउंड्रीवॉल निर्माण, सबमर्सिबल पंप का प्रदाय एवं स्थापना कार्य, विद्युत विभाग (CSPDCL) से इलेक्ट्रिक कनेक्शन, इलेक्ट्रोक्लोरीनेटर स्थापना, क्लोरीनेटर रूम, घरों एवं शासकीय संस्थानों में कार्यरत नल कनेक्शन प्रदाय आदि एवं अन्य समस्त कार्य, टेस्टिंग, 03 माह का ट्रायल रन. 06 माह तक संचालन संधारण का कार्य (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित, संलग्न शेड्युल अनुसार) की निविदाए दिनांक 10.12.2025 से ऑन लाईन पर आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्य के निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 17.12.2025 से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदा डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 31.12.2025 (शाम 5:30 बजे) तक है।

निविदा में जारी एस.ओ.आर. PHE दिनांक 01.06.2020 से लागू एवं संशोधन 05/2021.22 तक तथा PWD 2015 का दिनांक 07.04.2016 से लागू समस्त संशोधन सहित पर तैयार किया गया है।

क्रंमाक	निविदा क्रंमाक	सिस्टम क्रंमाक	विकासखण्ड	योजना/ ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रू.लाख में)
1	20	181538	मोहला	अलकन्हार	32.26
2	21	181539	मोहला	कनेरी	20.49

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

G-252605400/2

कटघोरा वनमण्डल अंतर्गत कसनिया डिपों में होने वाले ई-नीलाम के लिये प्रस्तावित जांजगीर चाम्पा वनमण्डल के विभिन्न डिपो में रखे गये वनोपज के नीलाम हेतु मात्रा की जानकारी

नीलाम दिनांक 22.12.2025

अ. क्र.	डिपो का नाम	प्रजाति	पिछले नीलाम का शेष						
			लट्ठा		बल्ली / डेंगरी		जलाऊ	बांस	
			नग	घ.मी	नग	घ.मी	चट्टा	नग	नो.टन
1	निस्तार डिपो सक्ती	अन्य	56	9.233					
		सागौन	30	2.880					
		साल	14	1.828					
		सतकठा					57		
2	अकलतरा डिपो	सागौन	29	3.846	384	3.127			
		नीलगिरी			739	8.671			
		सतकठा							
		आद्यो. बांस						70	0.044
3	जांजगीर	सागौन	16	0.943	4	0.046			
		अन्य	184	26.511					
		सतकठा					114		
4	पंतोरा डिपो	तेंदू	130	20.861					
		साजा	45	9.337					
		अन्य	30	4.174					
		हल्दू	6	1.059					
		बीजा	4	0.572					
		साल	39	6.045	6	0.027			
		सागौन			6	0.101			
		सतकठा					1		
	योग		583	87.289	1139	11.972	172	70	0.044

(1) क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व MSTC E-Commerce Portal में रजिस्ट्रेशन में करना अनिवार्य है। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन से पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वाक्लेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदारों को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत EMD की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो MSTC E-Commerce Portal में अपने आई.डी से लॉग इन करके देख सकते है। 4 ई- ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
कटघोरा वनमण्डल कटघोरा

G-252605397/2

लियोनल मेसी के साथ फोटो खिंचवाना हो तो चुकाने पड़ेंगे 10 लाख रुपये

शनिवार की शाम 4 बजे हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी के प्रशंसक विश्व भर में मौजूद हैं। वह 13 दिसंबर को हैदराबाद में आएंगे, जहां उन्हें कुछ खास कार्यक्रमों में हिस्सा लेना है। भारत में मौजूद उनके प्रशंसकों के पास इस फुटबॉल दिग्गज के साथ फोटो खिंचवाने का सुनहरा मौका मिलेगा, लेकिन इसके लिए उन्हें अपनी जेब से लगभग 10 लाख रुपये खर्च करने होंगे।

फलकनुमा पैलेस में खिंचवाए जाएंगे फोटो मेसी के शनिवार की शाम 4 बजे हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद वह उप्पल स्टेडियम जाएंगे, जहां शाम 7 बजे से कार्यक्रम शुरू होगा। रिपोर्ट के मुताबिक, मेसी के साथ फोटो खिंचाने के लिए 9.95 लाख रुपये और जीएसटी भी चुकाने होंगे। इस अनुभव के लिए सिर्फ 100 स्लॉट उपलब्ध हैं। यह प्रीमियम फोटो फलकनुमा पैलेस में खिंचवाएं जाएंगे और इसके लिए टिकट डिस्ट्रिक्ट ऐप के जरिए बेचे जा रहे हैं।

फाइल फोटो

स्टेडियम में लगभग 1 घंटे समय बिताएंगे मेसी

गॉट टूर हैदराबाद की एडवाइजर परवती रेड्डी के अनुसार, स्टेडियम प्रोग्राम के लिए सभी टिकट कैटेगरी डिस्ट्रिक्ट ऐप के माध्यम से उपलब्ध हैं। उन्होंने जानकारी दी है कि कोई क्रिकेटर आमंत्रित नहीं किए गए हैं और शाम में एक संगीतमय कॉन्सर्ट भी शामिल होगा।मेसी में स्टेडियम में लगभग एक घंटे रुकने की उम्मीद है और रविवार को मुंबई के लिए रवाना होने से पहले वह हैदराबाद में ही रात बिताएंगे।

मेसी के साथ सुआरेज और रोड्रिगो भी होंगे शामिल

मेसी के साथ अर्जेंटीना के स्टार रोड्रिगो डी पॉल और उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज भी हैदराबाद में कार्यक्रम में शामिल होंगे। स्टेडियम इवेंट 20 मिनट के प्रदर्शनी मैच से शुरू होगा, जिसमें सिंगारेणी आरआर-9 और अपर्णा मेसी ऑल स्टार्स के बीच मुकाबला होगा। इस प्रदर्शनी मैच में कुछ युवा फुटबॉल खिलाड़ियों को मेसी के सामने खेलने का सौभाग्य मिलेगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मैच के आखिरी 5 मिनट में शामिल होंगे।

सबसे ज्यादा बार बेलोन डी'ओर का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी

मेसी सबसे ज्यादा बार बेलोन डी'ओर जीतने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019, 2021 और 2023 में यह खिताब जीता था। दूसरे स्थान पर क्रिस्टियानो रोनाल्डो (5 बार) हैं। उन्होंने 2008, 2013, 2014, 2016 और 2017 में यह खिताब अपने नाम किया था। तीसरे स्थान पर फ्रांस के माइकल प्लैटिनी हैं। उन्होंने साल 1983, 1984 और 1985 में यह खिताब जीता था। मेसी लगातार 4 बार यह खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी थे।

खबर संक्षेप

वुमैंस लीग फुटबॉल का 20 से कोलकाता में आगाज

नई दिल्ली। इंडियन वुमैंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट 20 दिसंबर से कोलकाता के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। इसके पहले मैच में सेथु एफसी का मुकाबला किकस्टार्ट एफसी से होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने गुरुवार को घोषणा की कि आईडब्ल्यूएल दो चरणों में खेला जाएगा। इसका पहला चरण 20 दिसंबर से नौ जनवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान आठ टीमें 28 मैच खेलेंगी। कोलकाता स्थित एनसीओई और कल्याणी स्थित कल्याणी म्युनिसिपल स्टेडियम लीग के मैच खेले जाएंगे।दूसरा चरण 20 अप्रैल से 10 मई तक आईडब्ल्यूएल का दूसरा चरण 20 अप्रैल से 10 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा जिससे सीनियर और अंडर20 महिला राष्ट्रीय टीमों के लिए खिलाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। भारत की यह दोनों टीम अपनी अपनी श्रेणियों में अगले साल एएफसी महिला एशियाई कप में भाग लेंगी।

करणदीप ने दुबई में पहला आईजीपीएल खिताब जीता

दुबई। करणदीप कोच्चर ने यहां आईजीपीएल आमंत्रण यूएई गोल्फ टूर्नामेंट में लगातार तीसरे दौर में तीन अंडर 69 के स्कोर से अपना पहला आईजीपीएल खिताब जीता। कोच्चर का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने युवा वीर गणपति और पुखराज सिंह को पछाड़ा। आईजीपीएल आमंत्रण कोलकाता में उप विजेता रहे कोच्चर ने आईजीपीएल के पहले सत्र में 10वें टूर्नामेंट में पहली खिताबी जीत दर्ज की। गणपति अंतिम दौर में पार 72 के स्कोर से कोच्चर से एक शॉट पीछे रहे। पुखराज भी उनके साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। दोनों का कुल स्कोर आठ अंडर रहा। आईजीपीएल मुंबई में खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली प्रणवी उर्स (71) कुल सात अंडर के स्कोर से चौथे स्थान पर रहीं।

पैरा खेलों में तैराक अब्दुल इंदौरी ने दो स्वर्ण पदक जीते

दुबई। भारतीय तैराक अब्दुल कादिर इंदौरी ने यहां एशियाई युवा पैरा खेलों के पहले दिन 50 मीटर बटरफ्लाई और 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इंदौरी ने बेहतरीन खेल और अपने इरादे से पूल में दबदबा बनाया। इस प्रदर्शन से वह बुधवार को दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे। एशियाई युवा पैरा खेलों का उद्घाटन समारोह भी बुधवार को बड़े उत्साह, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अलग-अलग एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा पैरा खिलाड़ियों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

पांच मैचों की टी-20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर

घरेलू मैदान में भारत की सबसे बड़ी हार अफ्रीका 51 रन से जीता, डिकॉक रहे हीरो

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़)

दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। यह रन के लिहाज से भारत की घर में सबसे बड़ी हार है। भारतीय टीम मुल्लांपुर स्टेडियम में पहला इंटरनेशनल मैच खेल रही थी। टीम को पहले ही मैच में करारी हार झेलनी पड़ी है। तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों को धोया

गेंगुरुवार को मुल्लांपुर में इंडिया ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी, लेकिन गेंदबाज इसका फायदा नहीं उठा सके। अर्शदीप-बुमराह ने खूब रन लुटाए। साउथ अफ्रीका ने 213 रन का स्कोर बनाया। क्विंटन डी कॉक ने 46 गेंद पर 90 रन बनाए। आखिर में डेनोवान फरेरा (नाबाद 30 रन) ने डेविड मिलर (नाबाद 20 रन) के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप करके स्कोर 200 पार पहुंचा दिया।

भारतीय टीम शुरुआत से ही रही लचर

जवाब में भारत की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में 3 विकेट गंवा दिए थे। शुभमन गिल जीरो, अभिषेक शर्मा 17 और कप्तान सूर्यकुमार यादव 5 रन बनाकर आउट हुए। यहां से अक्षर पटेल ने हार्दिक पंड्या के साथ मिलकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन हार्दिक पंड्या 20 रन के आउट होने के बाद भारतीय टीम ने लगातार विकेट गंवाए और 162 रन पर ऑलआउट हो गई। साउथ अफ्रीका की ओर से ओर्टनील बार्टमैन ने 4 विकेट झटके।

कोच गंभीर की चूक पड़ गई भारी

इस मैच की हार के बाद कहा जा रहा है कि कोच गौतम गंभीर की सिर्फ टॉप ऑर्डर पक्का, बाकी बल्लेबाजों का क्रम पक्का नहीं यह नीति टीम इंडिया के वर्ल्ड कप प्लान पर भारी पड़ती दिख रही है। टी20 टीम में नंबर-3 अभी तक सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा के इर्दगिर्द घूम रहा था। मगर दूसरे टी20 में अक्षर पटेल को तीसरे क्रम पर भेजा गया। पटेल ने ऐसे समय में 21 गेंद में 21 रन बनाए, जब टीम इंडिया को तूफानी अंदाज में बैटिंग की जरूरत थी। नतीजन भारतीय टीम के लिए जरूरी रन रेट बढ़ता ही चला गया।

बैटिंग लाइन-अप क्रम बिगड़ा

शिवम दुबे, जो टीम में फिनिशर का रोल अदा करते हैं, पांचवें और छठे क्रम पर बैटिंग करके बड़े-बड़े छक्के लगाने में माहिर हैं। मगर अक्षर पटेल को ऊपर भेजा गया, जिससे पूरे बैटिंग लाइन-अप का क्रम ही बिगड़ा हुआ दिखा। शिवम दुबे जैसा बल्लेबाज नंबर पर आया, जो सिर्फ 1 रन बनाकर आउट हो गए।

स्कोर बोर्ड

दक्षिण अफ्रीका	रन	गेंद	4	6
क्विंटन डिकॉक रन आउट	90	46	5	7
रीजा हेंड्रिक्स बो वरुण चक्रवर्ती	08	10	0	1
एडन मारक्रम का पटेल बो वरुण	29	26	1	2
डेवाल्ड ब्रेविस का तिलक बो पटेल	14	10	1	1
डोनोवन फरेरा नाबाद	30	16	1	3
डेविड मिलर नाबाद	20	12	2	1

अतिरिक्त : 22, कुल : 20 ओवर में 213/4 रन
विकेट पतन : 1-38, 2-121, 3-156, 4-160
गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-54-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-45-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-29-2, अक्षर पटेल 3-0-27-1, हार्दिक पंड्या 3-0-34-0, शिवम दुबे 2-0-18-0

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का डिकॉक बो यानसन	17	08	0	2
शुभमन का हेंड्रिक्स बो एनगिडी	00	01	0	0
अक्षर पटेल का हेंड्रिक्स बो बार्टमैन	21	21	1	1
सूर्यकुमार का डिकॉक बो यानसन	05	04	1	0
तिलक का मारक्रम बो एनगिडी	62	34	2	5
हार्दिक पंड्या का ब्रेविस बो सिपमाला	20	23	0	1
जितेश शर्मा का बार्टमैन बो सिपमाला	27	17	2	2
शिवम दुबे बो बार्टमैन	01	02	0	0
अर्शदीप सिंह का मिलर बो बार्टमैन	04	03	1	0
वरुण का मारक्रम बो बार्टमैन	00	02	0	0
जसप्रीत बुमराह नाबाद	00	00	0	0

अतिरिक्त : 05, कुल : 19.1 ओवर में 162/10 रन
विकेट पतन : 1-38, 2-121, 3-156, 4-160, 5-118, 6-157, 7-158, 8-162, 9-162
गेंदबाजी : लुंगी एनगिडी 3.1-0-26-2, मार्को यानसन 4-0-25-2, लुथो सिपमाला 4-0-46-2, डोनोवन फरेरा 1-0-14-0, ओटनील बार्टमैन 4-0-24-4, जॉर्ज लिंडे 3-0-23-0

टी20 सीरीज

श्रीलंका के खिलाफ भारत की कमान संभालेंगी हरमनप्रीत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

श्रीलंका के खिलाफ 21 दिसंबर से शुरू होने जा रही पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम की घोषणा हुई। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में मैच जिताऊ पारी खेलने वालीं शेफाली को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एक बयान में कहा, "महिला चयन समिति ने श्रीलंका महिला टीम के खिलाफ आगामी पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम चुन ली है।" हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान होंगी। इस टीम में जी कमलिनी और वैष्णवी शर्मा को भी मौका दिया गया है। दोनों ने अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप में खेला था।

भारत की टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रोड्रिगेज, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम में युवराज-हरमनप्रीत के नाम पर स्टैंड

मुल्लांपुर। विश्व कप विजेता क्रिकेटर युवराज सिंह और हरमनप्रीत कौर के सम्मान में बृहस्पतिवार को न्यू चंडीगढ़ स्टेडियम के दो स्टैंड उनके नाम पर किए गए। वनडे विश्व कप 2011 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे युवराज और भारत को हाल में पहला महिला विश्व कप दिलाने वाली कप्तान हरमनप्रीत इस मौके पर अपने परिवार, दोस्तों के साथ थे। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी इस मौके पर मौजूद थे। स्टेडियम में युवराज के पूर्व साथी हरभजन सिंह के नाम पर पहले से एक पवेलियन है और अब बृहस्पतिवार को साइटस्क्रीन के दूसरी तरफ हरमनप्रीत के नाम का स्टैंड भी शामिल हो गया। युवराज को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले भारतीय टीम के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए भी देखा गया।

एशेज सीरीज

लंबे समय बाद मैदान में दिखेंगे कमिंस तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम घोषित

एजेंसी ▶▶| सिडनी

एशेज सीरीज 2025-26 का तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से खेला जाना है, जिसके लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का ऐलान किया गया है। एडिलेड टेस्ट की 15 सदस्यीय टीम में कप्तान पैट कमिंस की वापसी हुई है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट की वजह से लंबे समय से टेस्ट नहीं खेले हैं।

उन्होंने इस साल जुलाई में सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद से कोई क्रिकेट नहीं खेला है। बता दें कि कमिंस सीरीज के शुरुआती 2 टेस्ट में नहीं खेले। उनकी गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में मेजबान टीम ने दोनों मुकाबलों में जीत दर्ज की थी।

उस्मान ख्वाजा को भी मिली जगह

उस्मान ख्वाजा ने भी टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। वह पर्थ में खास प्रदर्शन नहीं कर सके और पीठ की चोट की वजह से गाबा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। मैकडोनाल्ड ने कहा कि ब्रिस्बेन में नेट्स पर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। उन्होंने कहा, ख्वाजा फिट और उपलब्ध होने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि वह सिर्फ ओपनिंग ही कर सकते हैं। हालांकि, वह किसी भी नंबर पर खेल सकते हैं।

ऐसी है ऑस्ट्रेलिया की टीम
तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम: पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, और ब्यू वेबस्टर।

अंडर 19 वर्ल्ड कप क्रिकेट में भारत-पाक की ग्रुप स्टेज में नहीं होगी टक्कर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अंडर-19 पुरुष विश्व कप 2026 का कार्यक्रम जारी कर दिया है। यह टूर्नामेंट जनवरी और फरवरी में नामीबिया और जिम्बाब्वे में आयोजित होगा। ग्रुप स्टेज में भारत और पाकिस्तान की टीमें अलग-अलग ग्रुप में रखी गई हैं। इसलिए ग्रुप चरण में दोनों टीमों के बीच कोई मुकाबला नहीं होगा। सुपर सिक्स और नॉकआउट चरण में भारत और पाकिस्तान की टक्कर संभव है। यह टूर्नामेंट युवा क्रिकेट प्रतिभाओं को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। दोनों देशों के युवा खिलाड़ी इस मौके का इंतजार कर रहे हैं।

इस साल भारतीय टीम का रहा दमदार प्रदर्शन, जीती चैंपियंस ट्रॉफी

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए वनडे क्रिकेट में यह साल शानदार बीता। रोहित शर्मा की कप्तानी में खेलते हुए भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बाद रोहित की जगह शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया गया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज पर भी कब्जा जमाया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को सीरीज गंवानी पड़ी। इस बीच 2025 में भारतीय टीम के प्रदर्शन और प्रमुख आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी में अजेय रहते हुए जीती

भारत ने अपने पहले मैच में बांग्लादेश को 6 विकेट से हराकर सकारात्मक शुरुआत की थी। अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को 6 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 44 रन से हराया था। इस ग्रुप से भारत ने शीर्ष पर रहते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से और फाइनल में न्यूजीलैंड को शिकस्त दी थी। विराट कोहली ने इस साल वनडे में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 13 मैचों में 65.10 की औसत और 96.15 की स्ट्राइक रेट से 651 रन बनाए। उन्होंने इस साल 7 स्कोर 50+ रन के किए, जिनमें 3 शतक शामिल रहे। रोहित ने 14 वनडे में 50 की औसत और 100.46 की स्ट्राइक रेट से 650 रन बनाए।

आईसीसी ने किया ऐलान

टी-20 विश्व कप के टिकट सिर्फ 100 रु से होंगे शुरू

International Cricket Council

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने जा रहा है। 7 फरवरी से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के मुताबिक, गुरुवार 11 दिसंबर से ऑनलाइन टिकट बेचे जाना शुरू हो गए हैं। दिलचस्प रूप से जिन मैचों में भारतीय टीम शामिल नहीं होगी, उन मैचों के सबसे सस्ते टिकट 100 रुपये के होंगे।

क्या बोले सचिव देवजीत सैकिया

भारत में टिकटों की कीमत 100 रुपये और श्रीलंका में 1000 (श्रीलंकाई रुपया) से शुरू हो रही है। 20 लाख से ज्यादा टिकट बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, सिर्फ 100 रुपये से शुरू होने वाले टिकटों के साथ, टी-20 विश्व कप 2026 को लेकर उत्साह कई गुना बढ़ गया है

pnb पंजाब नैशनल बैंक
आस्ति वसूली प्रबंधन शाखा, रायपुर (छ.ग.)
ई-नीलामी तिथि - 12.01.2026
समय: सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक

सरफेसी अधिनियम 2002 (2002 का अधिनियम 54) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी गई अचल संपत्ति की बिक्री
APPENDIX-IV-A [See proviso to rule 8(6)]

वित्तीय अस्तीयों के प्रतिभूतिकरण व पूर्ननिर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अचल संपत्तियों की ई-निलामी सूचना सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के तहत जारी की जा रही है। इस सूचना के द्वारा उधारकर्ताओं, जमानतदाताओं तथा आम जनता को सूचित किया जाता है। कि नीचे वर्णित अचल संपत्तियाँ सुरक्षित लेनदार के पास बंधक है एवं इन संपत्तियों को बैंक के प्रधिकृत अधिकारी द्वारा रचनात्मक/भौतिक /सांकेतिक द्वारा अधिकार में ले लिया गया है। इन संपत्तियो की विक्रय "जहाँ है जैसा है" जो भी है जैसा भी है" नीचे दिये कॉलामो में वर्णित तिथि में बैंक/सुरक्षित लेनदार के देय राशि उधारकर्ताओं तथा जमानतदारो से वसुली के लिए किया जा रहे है। आरक्षित मूल्य तथा ब्याना राशि नीचे तालिका में संपत्तियों के समस्त दर्शाई गई है।

सुरक्षित संपत्तियों की अनुसुची

क्र.	खाताधारक का नाम / उधारकर्ता / जमानतदार का नाम व पता / शाखा का नाम	बंधक चल/अचल संपत्तियों का विवरण / मालिक का नाम	1) 13(2) के तहत डिमांड नोटिस की तिथि 2) बकाया राशि 3) कब्जा तिथि सरफेसी एक्ट 2002 के नियम 13(4) के तहत 4) कब्जा की प्रकृति		आरक्षित मूल्य (लाख में) / ईएमडी (लाख में) / बोली वृद्धि राशि-10000/- प्रत्येक संपत्ति के लिये
1	उधारकर्ता- मेसर्स दादी पिलाशन धान प्रसंस्करण मिल, प्रोप / बंधककर्ता- श्रीमती ममता गुप्ता पति राजकुमार गुप्ता. जमानतदार / बंधककर्ता- श्री राजकुमार गुप्ता पिता नेतराम गुप्ता एवं श्रीमती सुमन बोंदिया पति श्री. साजन बोंदिया. शाखा- बीडीए, संपर्क: वसूली अधिकारी: श्री अविनाश तिग्गा, 9630007487	संपति क्रमांक 1) खसरा नं. - 161/205/3/2 (161/205/3 का भाग) प. ह नं. - 13, डीड नं. -2675, दिनांक - 16/12/2011, बैकुंठपुर, रायगढ़ में क्षेत्रफल- 9200 वर्गफीट पर स्थित भवन, मालिकाना हक - श्रीमती ममता गुप्ता पति श्री राजकुमार गुप्ता। भौगोलिक निर्देशांक- 21.9036905574793, 83.38471904397011	1) 18.05.2023 2) रू 4,13,90,662.24 + दिनांक 18.05.2023 से ब्याज प्रभावी 3) 26.09.23 को सांकेतिक कब्जा	संपत्ति- 1 के लिए	रू 81.97 लाख / रू 8.19 लाख
		संपति क्रमांक 2) खसरा नंबर - 161/205/3/3 (161/205/3 का भाग), प. ह. नंबर - 13, डीड नंबर -2659, दिनांक - 16/12/2011, बैकुंठपुर, रायगढ़ में क्षेत्रफल- 8600 वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक - श्रीमती सुमन बोंदिया पति श्री साजन कुमार बोंदिया। भौगोलिक निर्देशांक- 21.90415374485518, 83.38492456823587		संपत्ति- 2 के लिए	रू 76.63 लाख / रू 7.66 लाख
	संपत्ति क्रमांक 3) संपत्ति एवं प्लांट व मशीनरी - खसरा नंबर- 409 एवं 410, बारपाली, प. ह नंबर- 13, आरआईसी सरिया, बारपाली, बारामकेला, रायगढ़ में क्षेत्रफल- 50960.52वर्गफीट पर स्थित संपत्ति, मालिकाना हक -मेसर्स दादी पिलाशन पैडी प्रोसेसिंग मिल, प्रोप.- श्री ममता गुप्ता पति श्री राजकुमार गुप्ता। भौगोलिक निर्देशांक- 21.612245760485294 ,83.32459330558777			संपत्ति-3 के लिए	रू 210.58 लाख / रू 21.05 लाख

अधिक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें : श्री कलिन्द्र साहू- 9412956480, श्री संजय कुमार बिस्वाल- 9437666379 - एआरएमबी, रायपुर, दूरभाष क्र. - 0771-2210433/35

नोट:- 1) कृपया अमानत राशि जमा करने से पूर्व प्रॉपर्टी से जुड़े सभी दस्तावेजों की पड़ताल सुनिश्चित करें
2) उपरोक्त सभी अचल संपत्तियों से संबंधित सभी सरकारी कार्यालयों का लंबित बकाया (संपत्ति, पानी, बिजली आदि) खर्च क्रेता द्वारा वहन किया जाएगा

महत्वपूर्ण नोट:- 1. नीलामी बिक्री "ई-नीलामी" पोर्टल https://baanknet.com के माध्यम से ऑनलाइन होगी. 2. इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों से अनुरोध है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ईमेल-आईडी का उपयोग करके पोर्टल (https://baanknet.com) पर पंजीकरण करें. इसके अलावा, उनसे अपेक्षित केवाईसी दस्तावेज़ अपलोड करने का अनुरोध किया जाता है। एक बार जब केवाईसी दस्तावेज़ ई-नीलामी सेवा प्रदाता द्वारा सत्यापित हो जाते हैं (जिसमे 2 कार्य दिवस लग सकते हैं), इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को संख्या क्र. 1 के लिए ई-नीलामी तिथि- 12/01/2026 व समय सुबह 11.00 बजे से पहले पोर्टल पर अपने ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ऑनलाइन मोड का उपयोग करके ईएमडी राशि हस्तांतरित करनी होगी। पंजीकरण, केवाईसी दस्तावेजों का सत्यापन और वॉलेट में ईएमडी का हस्तांतरण नीलामी की तारीख से पहले ही पूरा किया जाना चाहिए। नियम और शर्तें- बिक्री सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम 2002 में निर्धारित नियमों व शर्तों और निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगी:- 1. संपत्तियों को "जैसा है जहां है" और "जैसा है जो है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जा रहा है। 2. यहां ऊपर अनुसूची में निर्दिष्ट सुरक्षित संपत्तियों का विवरण प्राधिकृत अधिकारी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार बताया गया है, लेकिन प्राधिकृत अधिकारी इस उद्घोषणा में किसी भी त्रुटि, गलत विवरण या चूक के लिए जवाबदेह नहीं होगा। 3. संपत्ति की बिक्री संख्या क्र. 1 के लिए ई-नीलामी तिथि- 12/01/2026 व समय सुबह 11.00 बजे वेबसाइट https://baanknet.com पर उपलब्ध ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जाएगी। बिक्री के विस्तृत नियम और शर्तों के लिए, कृपया https://baanknet.com एवं www.pnbindia.in देखें. इस नीलामी के अंग्रजी में जानकारी के लिए The Hitvada दिनांक 12.12.2025 में प्रकाशित समाचार पत्र देखें। किसी भी विवाद की स्थिति में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

नोट:- इच्छुक बोलीकर्ता को यूजर आई-डी व पासवर्ड स्वंय बानाना हैं। जिसे बनाने में न्युनतम 2 दिन का समय लगता हं। अतः बोलीकर्ता से निवेदन हं कि यूजर आई-डी अंतिम तिथी से पूर्व ही बना ले।

दिनांक: 12.12.2025, स्थान: रायपुर
प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक, सुरक्षित लेनदार

पृथ्वी की भी है विशाल पूंछ! 20 लाख किमी तक स्पेस में फैली

वॉशिंगटन। आमतौर पर देखा जाए तो लोग धूमकेतु या कुछ ग्रहों की पूंछ के बारे में सुनते रहते हैं, लेकिन हालिया रिसर्च में यह सामने आया है कि हमारी पृथ्वी की भी एक लंबी प्लाज्मा टेल है, जोकि स्पेस में लगातार बहती रहती है और दिखाई नहीं देती है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि हमारी पृथ्वी के पीछे की तरफ, या कहें तो रात वाले हिस्से में एक लंबी टेल मौजूद है। यह मैग्नेटोटेल लगभग 20 लाख किलोमीटर तक अंतरिक्ष में फैल सकती है। यह पूंछ पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सूर्य से आने वाली सोलर विंड की वजह से बनती है।

पृथ्वी की पूंछ कैसे बनती है?

नासा के मुताबिक बुध ग्रह की पूंछ उसके सोडियम वायुमंडल से बनती है जो सूर्य के पास जाकर चमकने लगता है। पृथ्वी की टेल का कारण उसका मैग्नेटिक एरिया है। हमारी धरती के चारों ओर एक विशाल चुंबकीय कवच मैग्नेटोस्फियर फैला हुआ है, इससे सोलर विंड (सूर्य से आने वाली तेज आवेशित गैसें) से हमें बचाता है। यही चुंबकीय ढाल अंतरिक्ष में फैले प्लाज्मा को भी अपनी पकड़ में रखती है।

नासा के वैज्ञानिकों ने किया बड़ा खुलासा

रात के हिस्से में क्यों दिखाई देती है टेल?

यह पूंछ पृथ्वी के डार्क साइड यानी रात वाले हिस्से में बनती है क्योंकि दिन की तरफ चुंबकीय क्षेत्र सूर्य की हवा से दब जाता है और रात की तरफ वह खिंचकर लंबा हो जाता है। इसलिए पृथ्वी की मैग्नेटोटेल हर समय मौजूद रहती है, लेकिन दिखाई नहीं देती क्योंकि यह पूरी तरह प्लाज्मा से बनी होती है।

कितनी लंबी है पृथ्वी की मैग्नेटोटेल?

वैज्ञानिकों बताते है कि सटीक लंबाई पता नहीं है लेकिन यह कम से कम दो मिलियन किलोमीटर यानी 20 लाख किलोमीटर तक अंतरिक्ष में फैली हुई है। यह बहुत बड़ी और लगातार फैलती रहने वाली बनावट है, जो पृथ्वी को अंतरिक्ष के खतरों से बचाने में अहम भूमिका निभाती है।

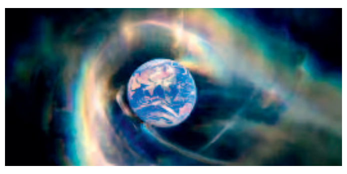

पृथ्वी की मैग्नेटोटेल प्लाज्मा कैसे बनाता है?

सूरज से आने वाली सोलर विंड पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को धक्का देती है। इससे दिन की तरफ का हिस्सा दब जाता है और रात की तरफ लंबा खिंचता हुआ हिस्सा बन जाता है जैसे बारिश की बूंद का आगे का हिस्सा और गिरते वक्त उसकी पूंछ बनती है। इसी खिंचाव में फंसा प्लाज्मा अंतरिक्ष की ओर बहता है और लाखों किलोमीटर लंबी मैग्नेटोटेल बना देता है। नासा इसे रक्त प्लाज्मा कहता है।

अंतरिक्ष से घटी थी ऐसी विचित्र घटना

राजस्थान में 650 करोड़ साल पहले क्या हुआ था, जब नहीं थे इंसान

जयपुर। कल्पना कीजिए... 650 करोड़ साल पहले की रात. धरती पर न इंसान था, न उसकी कोई सभ्यता. अचानक, अंतरिक्ष की गहराइयों से एक विशालकाय वस्तु तेजी से हमारे ग्रह की ओर बढ़ी और राजस्थान के बारां जिले से टकराई। हालांकि, उस समय राजस्थान का कोई अस्तित्व नहीं था। यह सिर्फ एक टक्कर नहीं थी; यह था एक ऐसा प्रहार जिसने जमीन के सीने में 3.5 किलोमीटर चौड़ा एक घाव बना दिया, जो आज भी भारत के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है-रामगढ़ क्रेटर! यह घटना इतनी प्राचीन है कि इसे मानव इतिहास नहीं, बल्कि पृथ्वी का इतिहास दर्ज करता है। यह क्रेटर अब भारत का पहला 'अधिसूचित भू-विरासत स्थल' है, लेकिन इसके भीतर जो रहस्य दफन हैं, वे सिर्फ भूविज्ञान की किताबों तक सीमित नहीं है।

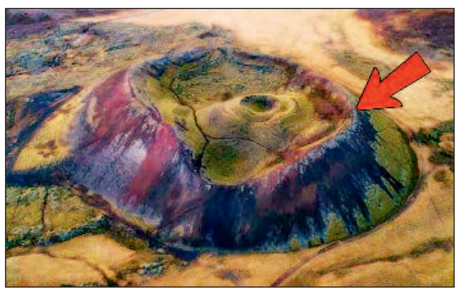

अंतरिक्ष का वो वार- एक झील, दो स्वाद

रामगढ़ क्रेटर को केवल एक गोलाकार गड्ढा मत समझिए। यह वह जगह है, जहां आज भी आसमान से आए उस लोहे और पत्थरों के टुकड़े की ऊर्जा महसूस की जा सकती है। वैज्ञानिक अध्ययन बताते हैं कि क्रेटर की मिट्टी में लोहा, निकल और कोबाल्ट की सांद्रता सामान्य से बहुत अधिक है- ये वही तत्व हैं जो अक्सर उल्कापिंडों में पाए जाते हैं। क्या 650 करोड़ साल बाद भी, यह धरती उस खगोलीय टक्कर का प्रमाण अपने भीतर दबाए हुए है?

पुष्कर तालाब का चमत्कार

क्रेटर के केंद्र में मौजूद पुष्कर तालाब एक ऐसी पहेली है जो प्रकृति के विरोधाभास को दर्शाती है। यह खारे और क्षारीय जल दोनों का स्रोत है। एक ही झील में दो विपरीत स्वाद का पानी कैसे मिल सकता है?

रोचक खबरें

फिर खड़ा हो रहा मौत का पहाड़!

मास्को। बेज़िमिआनी ज्वालामुखी रूस के कामचटका पर एक खड़ी, शंकु-आकार वाली ज्वालामुखी चोटी है। इसमें 69 साल पहले भयानक विस्फोट हुआ था। 1956 के बड़े विस्फोट के तुरंत बाद ही इसके बीचों-बीच एक लावा डोम बनना शुरू हो गया, जो हर साल बढ़ता चला गया था। बता दें कि आज यह पहाड़ फिर से लगभग अपनी पुरानी शक्ल में लौट रहा है। रिसर्च से यह पता चलता है कि 2030 से 2035 के बीच फिर से अपनी वहीं ऊंचाई तक पहुंच सकता है। बता दें कि 30 मार्च 1956 को बेज़िमिआनी ज्वालामुखी में इतना भयानक विस्पोट हुआ था कि पहाड़ का ऊपरी हिस्सा पूरी तरह गिर गया था। इस विस्फोट की वजह से पहाड़ खोखला हो गया था और एक बड़ा घोड़े की नाल जैसी क्रेटर संरचना बन गई थी। नवंबर 2025 के अंत में ज्वालामुखी ने फिर तेजी से राख और गैस उगली जो लगभग 10 किलोमीटर यानी 32,800 फीट तक हवा में चली गई थी। इसके साथ ही दहकते हुए पत्थरों और गैसों की तेज धाराएं भी नजर आईं। 2020 के एक अध्ययन में बताया गया था कि 1956 के बाद से बेज़िमिआनी पहाड़ बहुत तेज रफ्तार से ऊपर की ओर बढ़ रहा है।

मौत के वक्त ससुर से दूर रहता है दामाद, नहीं जाने देते पास

नई दिल्ली। शादी के बाद हर दामाद को अपने ससुर से बहुत प्यार और सम्मान मिलता है। लेकिन, जैसे ही ससुर की तबीयत गंभीर होती है और मौत का समय नजदीक आता है, अचानक सारे नियम बदल जाते है। दामाद को ससुर के कमरे में घुसने से रोक दिया जाता है। अगर गलती से भी पैर छू लिए तो घर की बड़ी-बुजुर्ग महिलाएं चिल्ला पड़ती है। आखिर क्यों? उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक के हिंदू परिवारों में आज भी यह परंपरा सख्ती से निभाई जाती है। आखिर इसकी वजह क्या है? क्यों मरते हुए ससुर से उसके दामाद को दूर रखा जाता है। पुराने लोग बताते हैं कि 'जमाई' शब्द ही अपशगुनी है। दामाद को भारत में जमाई भी कहा जाता है। जमाई यानी जम + आई यानी यम आ गया! यानी जिस घर में जमाई आता है, वहां यमराज भी उसके पीछे-पीछे चले आते है। ये मान्यता हजारों साल पुरानी है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो आज भी लोग कहते हैं कि अगर मरने वाले के पास दामाद बैठ जाए या उसका पैर छू ले, तो उसकी उम्र तुरंत खत्म हो जाती है। यमदूत को जैसे ही दामाद दिखता है, वो समझ जाते हैं कि 'अब समय पूरा हो गया, प्राण ले लो। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश के गांवों में तो यह नियम और भी सख्त है।

हनीमून के नाम का इतिहास है बेहद दिलचस्प

नई दिल्ली। हनीमून एक कपल के लिए बेहतरीन फेज होता है। इस दौरान कपल एक-दूसरे को अच्छी तरह से समझने की कोशिश करता है। घरवालों से दूर और किसी तरह की रिस्पॉन्सिब्लिटी से दूर, कपल एक साथ समय बिताता है। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि जब इस दौरान ना तो शहद का इस्तेमाल करने की रस्म है और ना ही इसका चांद से कोई कनेक्शन है, फिर क्यों इस फेज को हनीमून कहा जाता है? शादियों का सीजन चल रहा है। हर तरफ बैंड-बाजा और बारातियों की चमक-धमक नजर आ रही है। शादी के कुछ दिन बाद नया-नवेला जोड़ा किसी हिल स्टेशन, गोवा या मालदीव की फ्लाइट पकड़ लेता है और चला जाता है 'हनीमून' मनाने। लेकिन, एक सवाल तो बनता है– हनीमून में हनी (शहद) कहां है? चांद (मून) तो दूर, रात में भी ज्यादातर कपल होटल की लाइट्स बंद करके सो जाते है। फिर भी दुनिया भर में इसे हनीमून ही क्यों कहा जाता है?

हजारों साल पहले शादी के बाद होती थी खास रस्म

हजारों साल पुरानी है परंपरा

इसका जवाब बेहद पुराना और थोड़ा डरावना भी है। 5000 साल पहले उत्तरी यूरोप के जनजातीय इलाकों (जैसे जर्मनी, स्कैंडिनेविया) में एक क्रूर रिवाज था –'दुल्हन को उठा ले जाना'। अगर लड़के को लड़की पसंद आ जाती थी और लड़की के घरवाले राजी नहीं होते थे, तो लड़का अपने दोस्तों के साथ दुल्हन को जबरन उठा लेता था। फिर उसे जंगल के किसी गुप्त ठिकाने पर छिपाकर रखा जाता था।

फुल मून से जुड़ा है कांसेप्ट

ये एक महीना ठीक वही समय होता था जब एक पूर्णिमा से दूसरी पूर्णिमा तक का चक्र पूरा होता था– यानी एक 'मून' (चंद्र मास)। इसीलिए इस पूरे पीरियड को 'हनी मून' कहा जाने लगा– शहद वाली शराब + एक पूरा चांद। धीरे-धीरे सभ्यता बढ़ी, दुल्हन उठाने का रिवाज बंद हुआ, लेकिन नाम वही का वही रह गया– हनीमून! एक दूसरी थ्योरी बेबीलोनिया (आज का इराक) से भी आती है। वहां शादी के बाद दुल्हन के पिता पूरे एक चंद्र मास तक दामाद को शहद से बनी शराब मुफ्त में पिलाते थे, ताकि दामाद खुश रहे और नई जोड़ी में मिठास बनी रहे।

केदारेश्वर मंदिर का आखिर स्तंभ टूटते ही खत्म हो जाएगी दुनिया!

दिल्ली। महाराष्ट्र के हरिश्चंद्रगढ़ किले में स्थित केदारेश्वर गुफा मंदिर सिर्फ एक तीर्थ नहीं, बल्कि ऐसा रहस्य है जिसने सदियों से लोगों को हैरान किया है। यहां आए लोग अक्सर कहते हैं 'इस जगह की हवा भी कुछ अलग सी है।..जैसे वक्त थम गया हो.' चलिए, चलते हैं इस चमत्कारी गुफा के भीतर...जहां पानी भी मौसम की तरह अपना मूड बदलता है और दीवारों पर इतिहास खुद को फुसफुसाकर सुनाता है।

4 युगों की कहानी कह रहे खंभे

- गुफा का रहस्य, जहां पानी भी अपना स्वभाव बदल देता है ।
- इस मंदिर की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि गुफा सालभर पानी से भरी रहती है।
- सर्दियों में यह पानी हल्का गुनगुना हो जाता है।
- गर्मियों में बर्फ जैसा ठंडा
- वैज्ञानिक भी इस अनोखे तापमान बदलाव को पूरी तरह समझ नहीं पाए है।
- भक्तों का मानना है कि, 'यह पानी स्वयं भगवान शिव की ऊर्जा का रूप है, जो उनके गुफा में निवास को जीवंत बनाकर रखता है।'
- गुफा के अंदर कदम रखते ही ऐसा लगता है, जैसे आप किसी और समय में पहुंच गए हों...शांत, रहस्यमयी और बेहद पवित्र।

कहानी कहती है कि ये स्तंभ चार युगों का प्रतीक हैं- सत्ययुग, त्रेतायुग, द्वापर और कलियुग। तीन स्तंभ अब टूट चुके हैं, सिर्फ एक बचा है।..जिसे कलियुग का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय लोग इस विश्वास को पीढ़ियों से आगे बढ़ाते आए हैं कि, 'जब आखिरी स्तंभ भी टूट जाएगा, उसी पल कलियुग समाप्त होगा और पृथ्वी का चक्र एक नए आरंभ की ओर बढ़ेगा।' यही वजह है कि इस मंदिर का दौरा करना भक्तों के लिए सिर्फ आस्था नहीं, एक आध्यात्मिक अनुभव है।

- ट्रेकिंग का रोमांच और मंदिर तक पहुंचने की चुनौती
- केदारेश्वर मंदिर तक पहुंचना आसान नहीं है।
- पथरीली चढ़ाई, घने जंगल और पहाड़ी रास्ते.
- मंदिर तक कोई पक्का मार्ग नहीं, सिर्फ एक कठिन ट्रेक है, जो आपको साहस और भक्ति दोनों की परीक्षा देता है।

हिमालय बन रहा है टाइम बम... भारत पर मंडरा रहा है 8 प्लस तीव्रता के भूकंप का खतरा!

नई दिल्ली। जापान ने हाल ही में एक बड़े भूकंप की जो चेतावनी जारी की है, जिससे हिमालय क्षेत्र में विनाशकारी भूकंप आने की संभावना को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ गई है। जापान को प्रशांत महासागर के अग्नि-वलय (Ring of Fire) पर होने के कारण एक बड़े भूकंप का खतरा है। वहीं, भारत में विशेषज्ञ अब इस खतरे की तुलना

हिमालय से कर रहे है। हिलालय ऐसा इलाका है जिसे लंबे समय से एक बड़े भूकंप के लिए टाइम बम जैसा माना जाता रहा है।

हिमालय में खतरे की वजह

हिमालय में इस तरह के बड़े भूकंप का खतरा बना हुआ है, जिसके कई कारण हैं जैसे- घनी आबादी, कमजोर बुनियादी ढांचे और भूस्खलन-हिम्स्खलन। इतिहास और भूवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि इस क्षेत्र में पहले भी कई बड़े भूकंप आ चुके हैं, जिनमें बहुत अधिक जान-माल का नुकसान हुआ था जैसे 1934 का बिहार नेपाल भूकंप (8.0 तीव्रता) और 2015 का नेपाल भूकंप (तीव्रता 7.8)।

क्या है ग्रेट हिमालय भूकंप?

महान हिमालयी भूकंप एक ऐसी भयानक भूकंप की घटना की कल्पना है, जो हिमालय पर्वत श्रृंखला के नीचे की एक बड़ी दरार पर आ सकती है। यह वह जगह है जहां भारतीय टेक्टोनिक प्लेट धीरे-धीरे, लेकिन लगातार यूरेशियन प्लेट के नीचे धंस रही है। इस वजह से सदियों तनाव जमा हो रहा है। यह तनाव मुक्त होते ही इससे 8 या इससे ज्यादा तीव्रता का भूकंप आ सकता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com